शुभम संदेश

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 24 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 166 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

क्या झारखंड में आजसू पार्टी अपनी साख बचा पाएगी?

गोपाल कृष्ण महतो

झारखंड विधानसभा चुनाव

झारखंड विधानसभा की 81 सीटों पर नवंबर या दिसंबर में चुनाव होने हैं. लिहाजा सभी राजनीतिक दल व गठबंधन चुनाव रणनीति में जुट गयी है. इंडिया और एनडीए गठबंधन के घटक दलों के शीर्ष नेता सीट शेयरिंग को लेकर मंथन कर रहे हैं. झारखंड में एनडीए के घटक दल आजसू (ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन) है. 2019 के चुनाव में आजसू ने अकेले 53 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन केवल 2 सीटें ही जीत पाई. सिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सुदेश महतो ने और गोमिया निर्वाचन क्षेत्र से लंबोदर महतो ने चुनाव जीता. बाद में हुए रामगढ़ उपचुनाव में आजसू को जीत मिली और सीटें बढ़ कर तीन हो गईं.

2014 का विधानसभा चुनाव आजसू और बीजेपी ने साथ मिल कर लड़ा था, उसका फ़ायदा उन्हे मिला. भाजपा ने 37 और आजसु पार्टी ने पांच सीटें जीतीं. गठबंधन ने कुल 42 सीटें जीतकर सरकार बनाया. वोट शेयर की बात करें तो आजसू को 2019 में 8.10% वोट मिले थे और दो सीट पर जीत हुई थी. वोट प्रतिशत के हिसाब से साल 2014 के तुलना में 4.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. लेकिन साल 2014 के चुनाव में आजसू आठ सीटों पर लड़कर पांच सीटों पर कामयाब हुई थी. आजसू जिन जगहों में अच्छी पकड़ रखती है, उनमें रामगढ़, गोमिया, जुगसुलाई, मांडु, बड़कागांव, टुंडी, सिंदरी, सिल्ली, तमाड़, लोहरदगा, चंदनक्यारी शामिल हैं. माना जाता रहा है की आजसू पार्टी की पकड़ कुड़मी बहुल इलाके में मजबूत है. लेकिन अब भी इन सीटों पर आजसू के लिए राह आसान है? शायद नहीं. बीते एक-दो साल से कुड़मी को एसटी में शामिल करने, झारखंड में 1932 खतियान आधारित मुद्दे, बाहरी भीतरी का मुद्दा गरमाया हुआ है. हाल ही में बनी पार्टी जेएलकेएम (झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा) आजसू के गढ़ माने जाने वाले इलाकों मे अपनी छवि बनाने में जुटी हुई है. आजसू के लिए ये मुश्किल है इन सारी सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करना. तमाम अटकलें लगायी जा रही हैं कि आजसू पार्टी को छह से लेकर आठ सीट मिल सकती है. एनडीए गठबंधन में रहते हुए खतियान आधारित मुद्दे, ओबीसी आरक्षण, ग्रेटर झारखंड, युवा बेरोजगारी और अन्य मुद्दों को आजसू उठाती है. 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में आजसू को 4.3 प्रतिशत वोट के साथ एक सीट पर जीत तो हुई, पर आजसु के पकड़ वाले एरिया में जेएलकेएम पार्टी का उभार हुआ. हालांकि उस समय समिति के लोग इंडिपेंडेंट तौर पर खड़ा हुए थे. पहली बार बैनर तले चुनाव लड़ते हुए, जेएलकेएम के जयराम कुमार महतो ने आठ लोकसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे और 8.2 लाख से अधिक वोट हासिल किए. उन्होंने गिरिडीह के अलावा धनबाद, चतरा, हज़ारीबाग, दुमका, रांची, सिंहभूम और कोडरमा लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे. पांच अन्य सीटें जहां जेबीकेएसएस (अब जेलकेएम) उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे, वे हैं रांची में देवेन्द्र नाथ महतो. देवेंद्रनाथ महतो 1,32,647 वोटों के साथ, हज़ारीबाग में संजय कुमार मेहता 1,57,977 वोटों के साथ, धनबाद में मोहम्मद एकलाक अंसारी 79,653 वोटों के साथ, सिंहभूम में दामोदर सिंह हांसदा कोडरमा में 44,292 वोट और मनोज कुमार को 28,612 वोट मिले. इसी तरह, दुमका लोकसभा सीट पर बेबीलता टुडू 19,360 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि चतरा सीट पर दीपक कुमार 12,565 वोटों के साथ सातवें स्थान पर रहे. इन अटकलों के बीच आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो लगातार अमित शाह से मिलने दिल्ली दौरा कर रहे. बीजेपी ने झारखंड चुनाव का जिम्मा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा है. आजसु सुप्रिमो दोनों प्रभारियों से मिलकर सीट बंटवारे को लेकर पेंच भिड़ा रही है. 2024 के चुनाव में भाजपा-आजसू 2019 के गलती को दोहराना नही चाहती. एनडीए की राह इस बार आसान नही होगी. हालांकि चुनावी माहौल में कई दिग्गज भूमिका निभा रहें हैं.

(**नोटः** लेखक झारखंड के रहने वाले व हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र हैं और राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हैं.)

मिया-बीवी और भईया ऊर्फ मउसा जी ...
मोके ही चाही, दूसर मन से मतलब नखे

संजय सिंह

इन दिनों राजनीति में वंशवाद पर खूबे धमाचौकड़ी मचल रहता है. देश की एगो बड़की पार्टिया के नेताजी लोगन दूसरकी बड़की पार्टिया पर के दिग्गज नेता जी लोगन पर वंशवाद को बढ़ावा देवे का आरोप लगाईते हुए छींटाकशी कईले रहते हैं. छोटकी पार्टी, क्षेत्रीय पार्टी को भी मिया-बीबी, भाई-भौजाई की पार्टी बताईले कटाक्ष करे से तनिको परहेज न करते हैं. लेकिन अपन और सहयोगी पार्टिया में तेहतर गो छेदवा ई लोग के नजरे न आता है. बड़की पार्टिया की एगो सहयोगी क्षेत्रीय पार्टी भी है. चुनाउवा के मौका पर थोक के भाव में डेली मार्केटवा से केरवा के घवद लेले मौहाल बनावइत रहती है. लेकिन ईहो पार्टिया में मिया-बीवी और भईया जी के साथे साथ मुउसा-भतीजा वाली तिकड़िया-चौकड़िया खूबे रंग जमाईले रहती है. जईसे ही चुनाव आता है, ई लोग गांवे-गांवे देर रात तक मौहाल बनावे ला छिछिआईल रहता है. अब ई तिकड़िया में से एगो भईया जी हैं, केरवा प्रमुख जी के मउसा जी के नाम से फेमस हैं...हईयो हैं, लेकिन ऊ मलिकान जी किस्मतवा पता न काहें, केने जाके घुरमुरियाई के सुत गईल है, कहल नहीं जा सकता है. केरवा ब्रांडवाली पार्टिया के ई तीनों नेता-नेताईन मैडम सहिते इहे फेरा में रहते हैं कि पहिले अपना ढींढ़वा भर लीहल जाए, फिर दूसर नेता लोगन के बारे में सोचल जाएगा. साफे-साफे कहते हैं कि मोके ही चाही, दूसर मन से मौके मतलब नखे. वईसे भी ई नेताजी लोगन पीसा फेंको तमाशा दिखो गेम प्लान करके वोटवा के ठगी करे में ओस्ताद हैं. लेकतिन मउसा से लागतार फेले हो जा रहे हैं. पार्टिया के जे प्रमुख महोदय जी हैं, ऊ तो बड़िए मीठा बोलते बतियाते हैं. लेकिन मजाल न कि तिकड़िया के कुछ बोल सकें. आखिर ऊ में से तो एगो मउसा जी भी तो ही हैं. ई तीनों लोग के अपना टिकटवा कंफर्म चाही, बाकी और केकरा के देवे ला है, एकरा से ई लोग के कोई मतलबे न हैं. तीनों कहते हैं- टिकटाव मोके ही चाही, हमके दूसर मन से कोइयो मतलब नखे. अब रउरे मन ही देखू न... ई मउसाजी मन एगो खूबे बड़कावाला गांव से तीन-तीन दफा चुनावी रण में कूद पड़िन. मिया-बीवी और केरवा प्रमुख ने ढेरे जोर लगाईस, लेकिन मउसा मने हिसन पटकालख कि पूछ मत. अब फिरो से चुनाव सामने आईए गेलक तो केरवा ब्रांड पार्टी मन से ढेरे नेताजी मन लोगन के टिकट चाही. लेकिन बड़की वाली पार्टिया के नेताजी लोगन को ई बात हजमे न रहल है कि तीन-तीन दफा पटकाएवाले सहयोगी पार्टी के नेताजी को आखिर किस आधार पर टिकट दिया और दिलाया जाए. ईहां तो जबरदस्ते पेंचवा फसल है. बड़की पार्टी के बड़का-बड़का नेताजी लोगन ई बड़ाका वाला गांव के कोइयो कीमत पर मउसा जी के देवे के तैयार न है. बड़की पार्टिया वाला नेताजी लोग कह रहिस है कि भाई दूसर सीट देख लो, ईहां न सकोगे. तीन-तीन बेर सीटवा के लूज मोशन हो गईस है, अब तो बख्श दो. लेकिन मउसा जी के न जाने काहे ईहे सीटवा से ढेरे पियार हो गईस है. ई सीटवा देने कोईला क्षेत्र भी है, शायद करिया-करिया कोइलवा में से चमकेवाला हीरवा ते तनिका ज्यादा मोह गईस है. इसलिए मउसा जी कहियो रहिन हैं कि ऊ तो हर हाल में ई सीटवा से लड़बे करेंगे. चाहे पार्टियावाले बड़का-बड़का नेताजी केतनो जोर लगा लें, ई सीटवा को केरवा ब्रांड का परंपरागत सीट बतावे में तनिको संकोच न कर रहिन हैं. मतलब साफे-साफ है मिया-बीवी और भईया ऊर्फ मउसा जी का. मउसा जी तीन-तीन बेर ई सीटवा से लड़ाई लड़ चुके हैं, तीनों बेर प्रतिद्वंद्वी से पिटा के मुंह-नाक फोरवावे के बाद भी इंहे से चुनाव लड़े ला लकलकाईल हैं. मउसा जी के पूरा भरोसा है कि बड़की पार्टिया के बइसाखी के सहारे अबकी बेड़ा पारे लगाईए लेंगे. बाकी तो गेटिंग-सेंटिंग ला छोटकी बहू, भाई और भतीजवा तो हईए है. ई केरवा ब्रांड में मिया-बीवी, भईया यानी मउसा जी तो ढेरे दिन से राजनीति चमकाईले हैं. एगो महोदय) मिया जी) सांसद तो बनिए गिये, लेकिन उनको ऊहां मन न लग रहिस है. चाहत तो राज्य के राजनीति में ही सक्रिय रूप से सक्रिय रहे के हैं, लेकिन बेचारे करें तो करें का. सत्ता सुख भोगेवाला बेमारिया इनको भी लगे है. ई लोग तो सत्ता सुख लगी अईसन-अईसन खेला कीहिस है कि पूछिए मत. मेन केरवा कारोबारी यानी प्रमुख महोदय जी तो खुद सत्ता से दूर रहे का नाटक कईले यूपीए फोल्डर में तो नहीं गिये थे, लेकिन सत्ता सुख भोगे लगी छोटका मउसा जी के भेज दीहिन थे. झुठकौली वाला शो-कॉज के खेला कईले थे. ई लोग सोच रहीस था कि जनता-जनार्दन के अंखिया में धूल झोंक लेंगे, लेकिन जनता तो जनता है. इनका तिकड़मवा से वाकिफ थी. तो बेचारे प्रमुख लजवन पचावे लगी शो-कॉज नाटकवा का मंचन कईले थे. अब देखिए ई लोग बड़की पार्टिया से केतना सीटवा फरियाता है, मने केतना लगी मेल ब्लैक करे में सक्सेसफुल हो पाता है, या फिर बिगाईए जाता है, जइसन पिछलका दफा हुईस था.

चुनावी चकल्लस

झारखंड विस नियुक्ति घोटाला की जांच करेगी सीबीआई, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

विधि संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा में हुई अवैध नियुक्ति की जांच की मांग के लिए दाखिल जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. सोमवार को अदालत ने इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है. इस केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने 20 जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने अपनी बहस पूरी की. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की. इस संबंध में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की थी. याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है. मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया. आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी. जिसके बाद राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

दो पूर्व विधानसभा अध्यक्ष संदेह के घेरे में : उल्लेखनीय है कि विधानसभा जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग ने राज्यपाल को जो रिपोर्ट सौंपी है, वह करीब 7000 पन्नों की है. रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड विधानसभा में पद नहीं थे, फिर भी नियुक्तियां कर ली गईं. रोस्टर का पालन नहीं किया गया. नियुक्ति में पीक एंड चूज का इस्तेमाल हुआ. विधानसभा कर्मचारियों के रिश्तेदारों की नियुक्तियां की गईं. तत्कालीन विधायक अपर्णा सेनगुप्ता के भाई की भी नियुक्ति हुई. रिपोर्ट में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष इंदरसिंह नामधारी और आलमगीर आलम के खिलाफ भी गंभीर आरोप हैं. दोनों स्पीकर की भूमिका संदेहास्पद बताया गया है. आयोग ने इन दोनों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की अनुशंसा की थी. रिपोर्ट में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शशांक शेखर भोक्ता को भी प्रोन्नति देने में गड़बड़ी के लिए दोषी माना गया है.

नियमावली से छेड़छाड़ : आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राज्यपाल से स्वीकृत झारखंड विधानसभा की नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली में भी छेड़छाड़ की गई. नियमावली में कुछ शब्दों को जोड़ कर दर्जनों कर्मचारियों को प्रोन्नति दे दी गई. सभी के खिलाफ कार्रवाई की जरुरत है.

18 लोगों के रिश्तेदारों की हुई थी नियुक्ति

आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि विधानसभा में 18 ऐसे लोगों की नियुक्ति की गई है, जो किसी न किसी प्रभावशाली व्यक्ति के रिश्तेदार हैं. कोई सहायक के पद पर नियुक्त हुआ तो उनके रिश्तेदारों की अन्य पदों पर नियुक्ति हुई. रिपोर्ट के मुताबिक पलामू जिला के 12 लोगों की नियुक्तियां गलत तरीके से की गई है. जिस दिन डाक से नियुक्ति पत्र भेजा गया, उसके दूसरे दिन अभ्यर्थियों को मिल गया और सभी ने योगदान भी कर लिया.

ब्लैंक आंसरशीट पर नियुक्ति : आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक विधानसभा में चतुर्थवर्गीय कर्मियों की नियुक्ति में नियमों को नजर अंदाज किया गया. इतनी ही नहीं जिल अभ्यर्थियों ने उत्तर पुस्तिका (आंसरशीट) को खाली छोड़ दिया था, उनकी भी नियुक्ति कर ली गई. सबसे अधिक गड़बड़ी ड्राइवरों की नियुक्ति में की गई. जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं थे, उनकी भी नियुक्ति कर ली गई.

बाहरियों की भी नियुक्ति : रिपोर्ट के मुताबिक अधिकतर बिहार के अभ्यर्थियों की नियुक्ति की गई. जिनमें बेगूसराय, मुंगेर, बाढ़ आदि जिले का जिक्र भी रिपोर्ट में है. आयोग ने यह सवाल उठाया है कि जिन अभ्यर्थियों के जाति प्रमाण पर पता बिहार का है, उनकी नियुक्ति झारखंड में कैसे कर ली गई.

25 सितंबर को शपथ लेंगे झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव

रांची । झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस एमएस राम चंद्र राव 25 सितंबर को शपथ लेंगे. राजभवन में राज्यपाल उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाएंगे. शनिवार को राष्ट्रपति ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में लिए गए निर्णय पर मुहर लगाते हुए जस्टिस एमएस राम चन्द्र राव को झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी है. जिसके बाद अब उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी गई है.

मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ ईसीआई की याचिका स्वीकार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने देवघर के पूर्व डीसी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार कर ली है. इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया-ईसीआई के आदेश के खिलाफ आईएएस मंजूनाथ भजंत्री के मामले में एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. सोमवार को हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच ने यह फैसला सुनाया है. ईसीआई की ओर से अधिवक्ता राजीव सिन्हा ने पक्ष रखा.

मंत्री इरफान अंसारी की याचिका कोर्ट ने की खारिज

रांची । कांग्रेस के जामताड़ा विधायक और मंत्री इरफान अंसारी को सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दो जुलाई 2022 को सुनीता देवी द्वारा जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर दर्ज करवाई गई प्राथमिकी निरस्त करने की मांग की थी. समेत अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायतवाद दर्ज कराई थी. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई.

सेवा मुक्त के खिलाफ याचिका पर हुई सुनवाई

रांची। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी को होमगार्ड मुख्यालय द्वारा बिना कोई जांच पड़ताल किए सेवा मुक्त करने के खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार को छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में हुई. बता दें कि इससे पहले भी राजीव कुमार तिवारी को होमगार्ड विभाग ने बिना कोई स्पष्टीकरण पूछे व बिना किसी जांच पड़ताल किए एक तरफा कार्रवाई कर सेवामुक्त कर दिया था. इस सेवामुक्ति के खिलाफ भी राजीव तिवारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी.

सैकड़ों समर्थकों के साथ हम में शामिल हुए सुशील कुमार

अपने समर्थकों के साथ सुशील कुमार.

संवाददाता। रांची

रिपब्लिकन पार्टी आठवले के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार उर्फ डब्लू महतो सैकड़ों समर्थकों के साथ सोमवार को हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा- हम पार्टी में शामिल हो गए. वे झारखंड विधानसभा के विधायक क्लब में हम पार्टी की ओर से आयोजित मिलन समारोह में पार्टी की झारखंड इकाई में शामिल हो गये. मिलन समारोह के मौके पर हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने डब्लू महतो के पार्टी में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि झारखंड में पार्टी मजबूत हुई है. हम पार्टी में शामिल होने पर डब्लू महतो ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार सुमन ने राजनीति में हमेशा गरीबों, दबे कुचले, दलितों पिछड़ों की चिंता की है. हाशिये पर खड़े लोगों की पीड़ा का दर्द हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा समझती है. इसलिए ही उन्होंने हम पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है.

गृह मंत्री शाह से मिले सुदेश सीट बंटवारे की घोषणा जल्द

रांची । झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी और आजसू पार्टी के बीच सीट शेयरिंग का ऐलान नवरात्रि के दौरान हो सकता है. दोनों पार्टियों के बीच इसे लेकर चल रही बातचीत में आमतौर पर सहमति बनती दिख रही है. नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के बाद सोमवार को रांची लौटे आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा, राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर सकारात्मक चर्चा हुई है. हम मजबूती के साथ चुनाव में उतरने को तैयार हैं. सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है. मुलाकात के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे.

हाईकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे को राहत

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ 30 सितंबर तक पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. दरअसल देवघर स्थित परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की सम्पति बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने के मामले में शिवदत्त शर्मा ने निशिकांत दुबे के खिलाफ जालसाजी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है. जिसे रद्द करने के लिए सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. निशिकांत दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को उनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है.

गढ़वा विस सीट 1980 के बाद 45 वर्षों से गढ़वा सीट के लिए तरस रही है कांग्रेस

मिथिलेश का जलवा या राजपरिवार लौटेगा?

समीर चक्रवर्ती। रांची

झारखंड के गढ़वा में पिछले चार बार विधानसभा चुनाव में चार अलग-अलग पार्टियों ने जीत का परचम लहराया है. ऐसे में अभी से ही इस बात की चर्चा होने लगी है कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर की फिर से वापसी होगी या या कोई अन्य बाजी मार ले जाएगा. झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी और सीएम हेमंत सोरेन के करीबी रहे मिथिलेश ठाकुर ने 2019 के चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया था. लेकिन हाल के कुछ राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण संगठन में उनपर कई सवाल उठाये जाने लगे हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में भी मिथिलेश ठाकुर के विधानसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को बढ़त नहीं मिली थी. ऐसे में गठबंधन ही नहीं, उनकी पार्टी में भी उनकी भूमिका को लेकर सवाल उठाये जाने लगे थे. अब तो लोकसभा चुनाव में गढ़वा विस क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को मिले वोट व भाजपा को मिले वोट के आधार पर भी बार-जीत का आकलन होने लगा है.

ठाकुर को इंडिया अलायंस और भाजपा में भी मिलेगी चुनौती : 2019 के विधानसभा चुनाव में मिथिलेश ठाकुर ने 23 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी. लेकिन इस बार मिथिलेश ठाकुर को भाजपा के अलावा इंडिया अलायंस के अंदर भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. गढ़वा सीट पर रंका राजपरिवार के सदस्य राजद के वरिष्ठ नेता गिरिनाथ सिंह चार बार जीत हासिल कर चुके हैं और इस बार वे फिर अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने के प्रयास में जुटे हैं. उनके पिता गोपीनाथ सिंह भी दो बार गढ़वा के विधायक रह चुके हैं और राजपरिवार का इलाके में अब भी काफी प्रभाव माना जाता है. दूसरी ओर भाजपा नेता सत्येंद्रनाथ तिवारी भी कमर कस कर तैयार है. पिछले चुनाव में उन्होंने मिथिलेश ठाकुर को कड़ी टक्कर दी थी. हालांकि चुनाव हारने के बावजूद वे लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं.

1980 के बाद से गढ़वा में कांग्रेस को नहीं मिली जीत : गढ़वा विधानसभा सीट वर्ष 1952 में अस्तित्व में आई. इस सीट पर शुरुआती काल में सर्वाधिक समय 20 वर्षों तक कांग्रेस का कब्जा रहा, लेकिन 1980 के बाद से कांग्रेस इस सीट को जीतने के लिए तरसती रह गयी. करीब 45 वर्षों से कांग्रेस को जीत का इंतजार है. वहीं 2019 में पहली बार जेएमएम ने इस सीट पर जीत हासिल की. इससे पहले लंबे समय तक गढ़वा सीट पर भाजपा और राजद का कब्जा रहा है.

1990 में सिर्फ 300 वोट से कांग्रेस हार गयी थीः 1990 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी युगल किशोर पांडेय भाजपा उम्मीदवार गोपीनाथ सिंह से करीब 300 वोटों से हारे थे, लेकिन इसके बाद कांग्रेस पार्टी दिन प्रति दिन कमजोर होती चली गयी. और अब तो बदले राजनीतिक हालात में चुनाव लड़ने की जगह गठबंधन धर्म का पालन करने तक ही कांग्रेस सिमट कर रह गयी है.

गढ़वा सीट पर आरजेडी का चार बार रहा कब्जा : गढ़वा विधानसभा सीट पर सबसे अधिक चार बार आरजेडी का कब्जा रहा. आरजेडी ने 1993 में हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद 1995, 2000 और 2005 के विधानसभा चुनाव में लगातार जीत दर्ज की. इसके बाद झाविमो, भाजपा और जेएमएम को जीत मिली.

30 वर्षों तक गिरिनाथ सिंह के परिवार का कब्जा रहा : गढ़वा विधानसभा सीट पर करीब 30 वर्षों तक गिरिनाथ सिंह के परिवार का कब्जा रहा है. 1985 और 1990 में गिरिनाथ सिंह के पिता गोपीनाथ सिंह विजयी हुए थे, जबकि 1993 से लेकर दिसंबर 2009 तक गिरिनाथ सिंह को गढ़वा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला. 2009 के चुनाव में झाविमो के टिकट से चुनाव लड़े सत्येंद्रनाथ तिवारी ने सीट छीनी थी. इसके बाद उन्होंने 2014 के चुनाव में बतौर भाजपा प्रत्याशी जीत हासिल की. इसके साथ ही 1990 के बाद 2009 में भाजपा को गढ़वा में जीत मिली.

2019 में मिथिलेश ठाकुर ने जेएमएम को जीत दिलाई : गढ़वा विधानसभा सीट से 2019 के चुनाव में जेएमएम प्रत्याशी मिथिलेश ठाकुर ने जीत हासिल की. इस तरह से गढ़वा सीट पर जेएमएम को पहली बार जीत मिली. इसके बाद से फिलहाल इस सीट को लेकर भाजपा और झामुमो के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई चल रही है.आरजेडी और कांग्रेस की दावेदारी इस क्षेत्र में अब कमजोर मानी जा रही है और संभावना है कि मिथिलेश ठाकुर ही 2024 के चुनाव में इंडी अलायंस के उम्मीदवार होंगे.

1952 से 1972 तक कांग्रेस का दबदबा : 1952 से लेकर 1972 तक गढ़वा विधानसभा सीट पर कांग्रेस का दबदबा रहा था.। 1952 में पहली बार कांग्रेस के राजकिशोर सिन्हा विधायक बने थे. 1957 में कांग्रेस की राजेश्वरी सरोज दास इस सीट पर विजयी हुईं. 1962 के चुनाव में लक्ष्मी प्रसाद और 1972 में अवध किशोर तिवारी ने जीत दर्ज कर कांग्रेस की यह सीट बरकरार रखी. लेकिन 1977 में जनता पार्टी की लहर में यह सीट कांग्रेस से जनता पार्टी के विनोद नारायण दीक्षित ने छीन ली. इसके बाद 1980 में कांग्रेस की पुनर्वापसी हुई और युगल किशोर पांडेय विजयी रहे.

वर्ष 2019 में गढ़वा विधानसभा चुनाव का परिणाम

उम्मीदवार का नाम	पार्टी	प्राप्त मत
मिथिलेश ठाकुर	जेएमएम	1,06,681
सत्येंद्र नाथ तिवारी	भाजपा	83,159

क्लासिफाइड

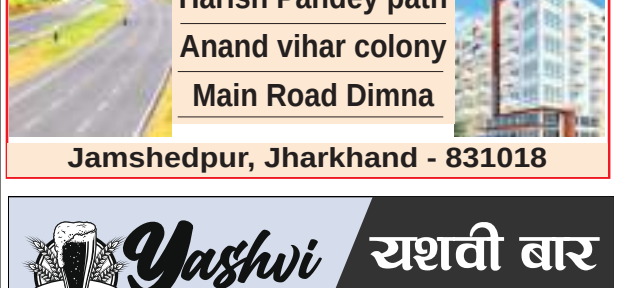

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 24 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 166 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कल्पना ने गढ़वा से भरी हुंकार, कहा-रोक सकते हो तो रोक लो

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का आगाज

आज पलामू के कई क्षेत्रों में होंगे कार्यक्रम

हेमंत ने बकाया मांगा, तो जेल में डाल दिया गया

कल्पना ने कहा कि झारखंड की माटी का लाल यहां की बेटियों-बहनों-माताओं को रोटी देने के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध है. कुछ लोगों को ये सुहाता नहीं है कि हमारा झारखंड आगे बढ़े. हमारा खनिज हम भारत सरकार को देते हैं. हम अपना बकाया मांगते हैं, तो इनको तकलीफ हो जाती है. झारखंड के मुख्यमंत्री को जेल में डाल देते हैं. तो अब आप सब को सोचना है. झारखंड को अगर बचाना है, तो आपको अपने हेमंत दादा के साथ खड़े होना है. इस बार जवाब देना है. चाहे कुछ भी हो जाए, झारखंड में हेमंत की सरकार फिर बनाना है.

कौशल आनंद। रांची/गढ़वा

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के नेतृत्व में सोमवार को गढ़वा जिले के वंशीधर नगर से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का सोमवार को आगाज हो गया. यात्रा में गढ़वा के बाद रमना, मेराल में कार्यक्रम हुए. इस मौके पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर, बेबी देवी, दीपिका सिंह पांडेय आदि भी मौजूद थे. कई सभाएं हुईं.

कल्पना सोरेन ने अपने संबोधन में भाजपा को ललकारा और हुंकार भरी. कहा कि मैं जब पहली बार गढ़वा आई थी तो हेमंत जी जेल में थे. आज मैं यहां आई हूं, तब हेमंत जी आपके भाई, आपका बेटा बनकर मुख्यमंत्री बनकर हमारे सभी लोगों को मजबूती और सबको ताकत देने का काम कर रहे हैं. उनके जेल से बाहर आने के बाद तुरंत मंईयां योजना की शुरुआत हुई. विरोधी कहते हैं कि चुनाव का समय आ गया, इसलिए ये लोग योजनाएं शुरू कर दिए हैं. ऐसी योजनाएं मध्यप्रदेश, ओड़िशा, महाराष्ट्र में शुरू होती हैं, तो वो संवैधानिक हो जाती है. लेकिन जहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां का एक आदिवासी मुख्यमंत्री अपनी बेटी, दीदी, बहनों को मजबूत करने का काम करता है, तो वह असंवैधानिक हो जाती है. कोर्ट में पीआईएल हो जाती है. अब आपको सबक सिखाना है. उन्होंने ललकारते हुए कहा कि रोक सकते हो, तो रोक लो. ऐसे बिचौलिए सामने आएंगे जो एक तरफ से पीआईएल करेंगे और दूसरी तरफ से आपका वोट मांगेंगे. इनसे सावधान रहना है.

आपके आंसू पोंछने वाला सीएम आगे देखना है या नहीं, यह आप तय करें

कल्पना ने कहा कि चुनाव का समय निकट आ रहा है, आप थोड़ा-सा अपने हाथों को दिल पर रख कर सोचिएगा कि जिस व्यक्ति ने इस झारखंड को उसकी गरिमा लौटाने का काम किया. जिसने अपने बड़ों को पेंशन दी. जिस मुख्यमंत्री ने बच्चों को सावित्री बाई फुले योजना से जोड़ने का काम किया, आपका बिजली बिल माफ कराया, किसान भियों का कर्ज माफ किया,अबुआ आवास देने का काम किया,अपने झारखंडी बच्चों को विदेश में पढ़ने का मौका दिया, जिसने रोजगार सृजन योजना से हमारे भाइयों को जोड़ा है, उस मुख्यमंत्री को आगे देखना है कि नहीं है.

फिर हेमंत बाबू को लाएं पैसा बढ़ाएंगे : बेबी देवी

मुख्य अतिथि महिला, बाल, समाज कल्याण मंत्री बेबी ने खोरठा भाषा में अपना संक्षिप्त भाषण दिया. उन्होंने कहा कि हमलोगों ने देखा कि गरीब महिलाओं के पास अपने बच्चों के लिए पेन और पेंसिल खरीदने के भी पैसे नहीं होते थे. एक-एक रुपए के लिए तरसती थीं. तब हमारे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाए. अगली बार सरकार बनी, तो यह पैसा और बढ़ेगा. आपलोग फिर से हेमंत को सरकार में लाएं.

आज और कल यहां होगी यात्रा : 24 सितंबर को गढ़वा, मझियांव, हैदरनगर, हुसैनाबाद, छतरपुर, नावा मोड़ पाटन, दलित छात्रावास से डाल्टनगंज तक. वहीं 25 सितंबर को मेदिनीनगर, सतबरवा, बकोरिया, लातेहार, चंदवा, बालूमाथ, हेरहंज और पांकी में मंईयां सम्मान यात्रा जारी रहेगी. -शेष पेज 11 पर

'ऑस्कर' में जाएगी 'लापता लेडीज'

नयी दिल्ली। किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म ''लापता लेडीज'' इस साल ऑस्कर पुरस्कारों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी. फिल्म फेडरनेशन ऑफ इंडिया ने फिल्म को भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में ऑस्कर में भेजा है. किरण राव ने यह इच्छा जताई थी कि उनकी फिल्म को ऑस्कर में भेजा जाए. किरण राव ने कहा कि उनकी यह तमन्ना है कि फिल्म लापता लेडीज ऑस्कर की रेस में शामिल हो. और अब फिल्म फेडरेशन ने फिल्म को ऑस्कर में आधिकारिक एंट्री के रूप में भेजे जाने की पुष्टि कर दी है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,500
चांदी (किलो)	91,000

ब्रीफ खबरें

विस नियुक्ति घोटाले की जांच सीबीआई करेगी

रांची। झारखंड विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले में दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने सोमवार को फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने इस केस को सीबीआई को देने का आदेश दिया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई को देने को लेकर उचित केस है. पूर्व में कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनवाई पूरी होने के बाद मामलों में सुरक्षित रखा था. - पूरी खबर पेज 2 पर देखें

बिहार के सभी लोग आयुष्मान से जुड़ेंगे

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने बिहार में सभी राशन कार्ड धारकों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का ऐलान किया है. अब बिहार के लाखों राशन कार्ड धारक आयुष्मान योजना के तहत लाभ ले पाएंगे. साल 2018 में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी. इस योजना को इस महीने 6 साल पूरे हो चुके हैं. इसी के मौके पर पटना में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने योजना का शुभारंभ किया. उन्होंने योजना का आगाज करते हुए बताया कि बिहार में 58 लाख राशन कार्ड धारकों को आयुष्मान योजना के तहत जोड़ा जाएगा.

सरकार-आपके द्वार : खूंटी में गरजे सीएम हेमंत, कहा

ये लड़ाई व्यापारियों और गरीब आदिवासी के बीच

विशेष संवाददाता। रांची/खूंटी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत एनएचपीसी मैदान में सोमवार को आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए. सीएम ने खूंटी एवं सिमडेगा जिलों को लगभग 734 करोड़ 55 लाख रुपए की योजनाओं की सौगात दी. विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया वितरण. इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर जम कर प्रहार किया और बड़ी घोषणाएं की.

उन्होंने कहा कि जिस दिन केंद्र से हमारा बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रूपए मिल गए, उसी दिन से मंईयां सम्मान योजना की राशि एक हजार से बढ़ा कर दो हजार रुपए कर देंगे. मैंने फिर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है. हो सकता है कि यह पैसा लेने के लिए हमें लंबी लड़ाई भी लड़नी पड़ी. भाजपा वाले लोग बोलते हैं कि हम मंईयां सम्मान योजना वोट लेने के लिए लाए हैं. बेईमानों तुमने कभी गरीबों को कुछ दिया नहीं, और आज हम दे रहे हैं तो तकलीफ हो रही है. आज भी हमारे गांव के लोग छोटी-छोटी जरूरत के लिए कर्जा लेते हैं. लेकिन हम आपको यकीन दिलाते हैं कि आने वाले पांच साल में हम आपको इतना मजूबत कर देंगे कि आपको किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं होगी. इसके अलावे पूर्व में घोषित अगली सरकार बनने पर सालाना एक लाख का वादा भी पूरा करेंगे.

उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि आदिवासी सीएम को हटाने के लिए एक दर्जन सीएम लगे हुए हैं. मुझे जेल में डाल दिया था ये लोग पांच महीने के लिए. मगर आप जैसी मां बहनों का आशीर्वाद जिसके ऊपर रहे, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता. पूरे राज्य में बड़ा-बड़ा नेता आ रहा. हिंदू-मस्लिम, दलित -पिछड़ा, आदिवासी-सरना की लड़ाई लगवाने में ये लोग माहिर हो गया है. लेकिन हमारी एकता ही हमारी ताकत है. हमलोग बिरसा मुंडा के पद चिन्हों पर चलने वाले हैं. हम न कभी किसी से डरे हैं न किसी के सामने झुके हैं, न झुकेंगे. आप लोग हौंसला बुलंद रखिए. आपलोग मजबूती से खड़े रहिए. एक मुख्यमंत्री को हटाने के लिए एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तक लगे हुए हैं. देखते हैं इन पूंजीपतियों के पास ज्यादा ताकत है या गरीब आदिवासी मुख्यमंत्री के पास.

आपकी योजना को ये लोग कानूनी पचड़े में उलझाते हैं : उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग हमारे कामों से जलने लगे हैं. तरह-तरह के झूठे आरोप लगा कर हमारे साथ चोर-पुलिस खेलने लगे. कोर्ट कचहरी करते रहे. हम आपको हक अधिकार देने का काम करते थे और ये लोग वो अधिकार कैसे आप तक नहीं पहुंचे, इसके लिए काम करते थे. ये लोग तरह-तरह का पचड़ा लगा कर काम नहीं होने देना चाहते थे. हम नौकरी देते हैं, तो कोर्ट कचहरी चले जाते हैं. मंईयां योजना चला रहे हैं, तो इसके लिए भी कोर्ट चला गया है.

उलिहातू जाते हैं, मगर आदिवासी दिवस पर पीएम शुभकामना नहीं देते : हेमंत ने सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उलीहातू जाते हैं. भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थी जाते हैं. फर्जी मिट्टी का टीका लगाते हैं. योजना की शुरुआत करते हैं. लेकिन आदिवासी दिवस पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति शुभकामनाएं नहीं देते हैं. सरना धर्म कोड को लेकर कितनी जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन ये लोग दे नहीं रहे हैं.

खुशियों के पल: खूंटी के तोरपा में लाभुक महिलाओं ने सीएम को सौंपी उनकी तस्वीर.

सीएम ने की बड़ी घोषणाएं

1. जिस दिन केंद्र से हमारा बकाया आ गया, उसी दिन से मंईयां सम्मान राशि दो हजार रुपए कर देंगे
2. एक आदिवासी मुख्यमंत्री को हराने के लिए पीएम, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, कई मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री जुटे हुए हैं
3. खूंटी के तोरपा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सीएम ने खूंटी और सिमडेगा जिले के लिए 734 करोड़ की दी सौगात

तुम खरीदते थक जाओगे, हम बिकेंगे नहीं : ये लोग बोलते हैं कि संथाल, बिहार, बंगाल का अलग राज्य बना दो. ये व्यापारी लोग यहां आकर इस राज्य को बांटने का प्रयास कर रहे हैं. धन बल से इनको लगता है कि ये सब कर लेंगे. साग सब्जी तो खरीदते हैं, आदमी भी खरीद लेंगे, ऐसा सोचते हैं. आप सुनते होंगे कि कभी इस नेता को खरीद लिया, कभी उस नेता को खरीद लिया. लेकिन हम लोग स्वाभिमानी हैं, तुम कितनों को खरीदोगे. तुम्हारे खरीदते-खरीदते जिंदगी खत्म हो जाएगी लेकिन झारखंडी खत्म नहीं होंगे और बिकेंगे भी नहीं. ये व्यापारियों और गरीबों की लड़ाई है.

परिवर्तन रैली : खूंटी में जेपी नड्डा ने भरी हुंकार, कहा

मां-बेटी-रोटी व आदिवासी अस्मिता की रक्षा की यात्रा

ब्यूरो प्रमुख। खूंटी/रांची

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद ने झारखंड के विकास में ग्रहण लगाने का काम किया. हेमंत सोरेन ने भी कांग्रेस से सीखने में कोई कसर नहीं छोड़ी. जेएमएम भी भ्रष्टाचारी पार्टी बन गई. उन्होंने परिवारवाद को बढ़ावा दिया. भाई-भतीजावाद को पनाह दी. युवाओं के साथ छल किया और अपने ही परिवार में जो पराये दिखे उन्हें दरकिनार किया. नड्डा ने कहा कि झारखंड को कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी से मुक्ति दिलाने का काम करना होगा. उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन यात्रा मां, बेटी-रोटी और आदिवासी अस्मिता की रक्षा की यात्रा है. ये यात्रा आदिवासी की जमीन को हड़पने से बचाने की यात्रा है. जेपी नड्डा सोमवार को खूंटी में आयोजित भाजपा की परिवर्तन रैली को संबोधित कर रहे थे.

इससे पहले जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के पीएम बने हैं. मैं लोकसभा चुनाव के दौरान भी झारखंड आया था और चुनावी सभाएं की थीं. उस समय भी हमें मालूम था कि इंडी अलायंस द्वारा किस तरह से झूठ फैलाया जा रहा है, लोगों को बरगलाया जा रहा है. मैं झारखंड की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इंडी अलायंस की एक नहीं सुनी और यहां से भाजपा को जीत दिलाई.

कांग्रेस को बताया महाभ्रष्ट पार्टी : जेपी नड्डा ने कांग्रेस को सबसे महाभ्रष्ट पार्टी बताया और कहा कि कांग्रेस राष्ट्र विरोधी तत्वों व अलगाववादी तत्वों की पोषक है. उन्होंने प्रदेश-देश को भाई भतीजावाद, तुष्टीकरण की राजनीति, भ्रष्टाचार, परिवार वाद से ग्रसित किया. ये कहते थे कि हम हर परिवार को एक-एक लाख रुपए देंगे. क्या आपको मिल गया? इन्होंने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि हम चूल्हा भत्ता देंगे. पीएम मोदी ने घर-घर में गैस सिलिंडर पहुंचा दिया लेकिन इनका चूल्हा भत्ता नहीं मिला.

क्या चंपाई सोरेन और सीता सोरेन आदिवासी नहीं हैं: जेपी नड्डा ने पूछा कि क्या चंपाई सोरेन आदिवासी नहीं थे, क्या सीता सोरेन आदिवासी नहीं हैं, उन्हें अपमानित क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो भगवान बिरसा मुंडा के गांव गये. उनके गांव की मिट्टी को नमन किया. एक आदिवासी बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाया गया.

आदिवासियों की रक्षक सिर्फ भाजपा : जेपी नड्डा ने कहा कि आदिवासियों की रक्षा यदि कोई कर सकता है तो भाजपा ही कर सकती है. झारखंड राज्य गठन का काम अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में हुआ. उन्होंने केंद्र की योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि हमने अपने इस 100 दिन के कार्यकाल में तीन करोड़ मकानो की स्वीकृति दी है. 100 दिन के अंदर 70 साल से अधिक के बुजुर्गों के लिए पांच लाख तक इलाज की सुविधा मुफ्त की है. अब 25 हजार गांवो में सड़क बनाने का काम हो रहा है.

झारखंड में लगा भाजपा के बड़े नेताओं का जमावड़ा: भाजपा की परिवर्तन यात्रा में सोमवार को दिग्गज नेताओं का जमावड़ा लगा. सीएम हेमंत सोरेन को घेरने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खूंटी आए. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बहरागोड़ा पहुंचे. पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हुसैनाबाद और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव बरकट्ठा पहुंचे.

श्रद्धासुमन: खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद नड्डा और हिमंता.

बोले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

1. झामुमो, कांग्रेस और राजद ने मिलकर राज्य के विकास पर लगा दिया है ग्रहण
2. कैसी सरकार है, यहां रोहिंग्याओं को बसाया जा रहा है.
3. जैसे लोकसभा चुनाव में जीत दिलाई, वैसे ही विधानसभा चुनाव में भी समर्थन दें

झारखंड में आदिवासियों की संख्या घटी : जेपी नड्डा ने कहा कि आज झारखंड में आदिवासियों की संख्या 44 प्रतिशत से घट कर 28 प्रतिशत रह गई है. उन्होंने पूछा कि ये कैसी सरकार है और प्रदेश का प्रशासन किस प्रकार से काम कर रहा है? रोहिंग्याओं को यहां बसाया जा रहा है. लोग गलत तरीके से शादियां कर रहे हैं. आदिवासियों की जमीनों को हड़पा जा रहा है. ये सब काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है और यहां की सरकार ये होने दे रही है. इससे पहले खूंटी पहुंचने के बाद नड्डा ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उनके साथ असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री अर्जुन मुंडा समेत कई अन्य नेता भी मौजूद थे.

खच्चर खाते-मनी लांड्रिंग के बारूद पर बैठे हैं बैंक

अंशुमान तिवारी

खाता, खाता फरेब... क्या बैंक मनी लॉन्ड्रिंग के बारूद पर बैठे हैं? बैंकों के भीतर बेचैनी खौल रही है. पता नहीं किस खाते को, किसी खाते को, कोई तीसरा इस्तेमाल कर रहा है? किसका खाता, खच्चर यानी म्यूल एकाउंट बन गया है, किसी को पता नहीं. खच्चर खातों के सैलाब के आगे केवाईसी और डिजिटल पहरेदारी सर पीट रही है.ये क्या तिलिस्म है

बायोकैश ने बीते दिसंबर में भारत में 350 मिलियन बैंक संचालनों को खंगाला था. पता चला कि 55 फीसदी संचालन वास्तविक खाताधारक नहीं, बल्कि कोई तीसरा (थर्ड पार्टी) कर रहा था. आरबीआई ने बीती जुलाई में म्यूल एकाउंट्स को लेकर खतरे का सायरन बजाया. बात आई गई हो गई, मगर, इन खच्चर खातों का पानी गले तक आ गया है. बैंकों के सतर्कता तंत्र की सांस अटकी है.

म्यूट एकाउंट्स की दोनों किस्में भारत में फल-फूल रही हैं. तमाम लोगों के खाते खच्चर बना लिये गए हैं, जो भुगतानों को इधर-उधर करने के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं. न बैंकों को पता है न खाताधारकों को. दूसरी किस्म ऐसे खातों की है ही जिन्हें जरायम इस्तेमाल के लिए खोला जा रहे हैं.

भारत साइबर अपराधियों का अभयारण्य है, जो म्यूल अकाउंट के रास्ते बैंकों के सिस्टम में पैठ गए हैं. इन खच्चर खातों का इस्तेमाल भ्रष्टाचार का पैसा लेने, बेनामी निवेश करने, नकदी को घुमा कर सफेद करने के लिए हो रहा है. एनएसडीक्यू ग्लोबल फाइनांसियल क्राइम की 2023 की रिपोर्ट ने बताया था कि दुनिया में इन खच्चर खातों के जरिए 3.1 ट्रिलियन डॉलर की मनी लॉन्ड्रिंग हुई. 47 प्रतिशत वित्तीय अपराधों में इन्हीं खातों का इस्तेमाल हुआ.

फ्रॉड प्रिवेंशन प्लेटफार्म ब्यूरो ने बैंकों में करीब तीन लाख म्यूल अकाउंट पकडे. एजेंसी बता रही है कि केवल 10 फीसदी खच्चर खाते अभी रिपोर्ट हुए हैं. नए खातों के 50 फीसदी आवेदन म्यूल होने का खतरा है. बैंक खाते चुटकियों में खुलते हैं. खाते खोल कर बैंक बेफिक्र हो लेते हैं. बहुतेरे लोग यह माने बैठे हैं कि केवाईसी और डिजिटल संचालनों के कारण सब धतकरम बंद हो गए हैं. मगर आरबीआई को खुद लंबे समय के बाद यह अहसास हुआ कि उसके केवाइसी नियमों और डिजिटल किले में छेद नहीं बल्कि सुरंगे बन गईं हैं, जिनसे मनी लॉन्ड्रिंग के कारवां गुजर रहे हैं.

खच्चर खाते पकड़ने के लिए आरबीआई ने कवायद (एआई) शुरू की है. नतीजे अभी दूर हैं. सतर्क रहिए, कहीं आपका खाता खच्चर न बन जाए !

उससे कहो खुलूस से लूटा करे मुझे
मेरी फरेब खाने की आदत नहीं गई – मुबारक सिद्दीकी...

नोटः लेखक वरिष्ठ पत्रकार और आर्थिक मामलों के जानकार हैं. यह लेख उनके सोशल मीडिया एकाउंट एक्स से लिया गया है.

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री अपने पास रखा, तो जाएंगे जेल

- चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना और डाउनलोड करना दोनों अपराध

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री डाउनलोड करना और उसे अपने पास रखना दोनों अपराध है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति इस तरह की सामग्री को मिटाता नहीं है या पुलिस को इसके बारे में सूचना नहीं देता, तो पॉक्सो एक्ट की धारा 15 इसे अपराध करार देती है.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस बारे में मद्रास हाईकोर्ट का फैसला पलट दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानूनन ऐसी सामग्री को रखना भी अपराध है. हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज केस यह कहते हुए निरस्त कर दिया था कि उसने चाइल्ड पोर्नोग्राफी सिर्फ डाउनलोड किया और अपने पास रखा. उसने इसे किसी और को नहीं भेजा.

पॉक्सो एक्ट में बदलाव की दी सलाह : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सलाह दी है कि वह पॉक्सो एक्ट में बदलाव कर चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्सुअली अब्यूसिव एंड एक्सप्लोसिव मटेरियल लिखे. चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के सदस्य जस्टिस जेबी पारदीवाला ने 200 पन्ने का फैसला लिखा है. कहा कि जब तक पॉक्सो एक्ट में बदलाव को संसद की मंजूरी नहीं मिलती है, तब तक के लिए एक अध्यादेश लाया जाए. कोर्ट ने देश भर की अदालतों को भी सलाह दी है कि वह अपने आदेशों में सीएसएईएम ही लिखें.

पॉक्सो एक्ट की उपधारा 1 अपने आप में पर्याप्त : पॉक्सो एक्ट की धारा 15 की उपधारा 1 बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री रखने को अपराध करार देती है. इसके लिए 5 हज़ार रुपए के जुर्माने से लेकर 3 साल तक की सज़ा का प्रावधान है. धारा 15 की उपधारा 2 में ऐसी सामग्री के प्रसारण और उपधारा 3 में व्यापारिक इस्तेमाल को अपराध कहा गया है. मद्रास हाई कोर्ट ने उपधारा 2 और 3 को आधार बनाते हुए आरोपी को राहत दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि उपधारा 1 अपने आप में पर्याप्त है.

किसी ने वॉट्सऐप पर भेजा तो क्या फंसेंगे

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ये जरूरी नहीं कि आपके फोन में अगर चाइल्ड पोर्न है, तो आप अपराधी हो जाएंगे. लेकिन यदि आपको कोई चाइल्ड पोर्न फॉर्वर्ड करता है और आप उसे डाउनलोड कर लेते हैं या फिर देखते हैं, तो आप अपराध की श्रेणी में आ जाएंगे. अदालत ने साफ किया कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और उसे देखना पॉस्को एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में रखा गया है.

-शेष पेज 11 पर

ब्रीफ खबरें

प्रशासन से 13 अक्टूबर को विसर्जन की अनुमति मांगी

आदित्यपुर । सहारा गार्डन सिटी आदित्यपुर दुर्गा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक एवं लाइसेंसी शशांक गांगुली ने प्रशासन से अपील की है कि माता रानी के विसर्जन की तिथि 13 अक्टूबर को तय की जाय. श्री गांगुली ने कहा 12 अक्टूबर को सुबह से नवमी की पूजा होगी उसके बाद हवन कन्या पूजन, फिर दशमी की पूजा, सिंदूर खेला करते करते काफी लेट हो जायेगा. इसलिए माता रानी का विसर्जन 13 अक्टूबर को तय किया जाय. सहारा गार्डन सिटी आदित्यपुर का विसर्जन जुलूस सहारा के अंदर ही होता है बाहर नहीं इसलिए विधि व्यवस्था की भी बात भी नहीं होगी.

गीता थिएटर का संडे ओपन स्टेज कार्यक्रम 29 को

जमशेदपुर । गीता थिएटर की ओर से संडे ओपन स्टेज कार्यक्रम का आयोजन 29 सितंबर को मानगो गांधी घाट में किया जाएगा. थियेटर में रूचि रखने वाले युवा उक्त कार्यक्रम में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं. प्रेम दीक्षित ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को गीता थिएटर द्वारा सम्मान पत्र एवं विशेष प्रस्तुति करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा. कार्यक्रम में जमशेदपुर के 18 सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों से छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया है. मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सरयू राय मौजूद रहेंगे.

सहायक अध्यापक बिदेशी गोप का आकस्मिक निधन

डुमरिया । डुमरिया के सहायक अध्यापक बिदेशी गोप का निधन सोमवार को इलाज के दौरान हो गया. विगत जून से वे गंभीर बिमारी से पीड़ित हो गये थे. दो दिन पूर्व उन्हें इलाज के रिम्स रांची में एडमिट कराया गया था. शारीरिक रूप से निशक्त होने के बावजूद उनका शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान रहा. उनके निधन से शिक्षा जगत ने गहरा शोक जताया है. स्कूल प्रबंधन के देवानंद गिरी ने सहायक अध्यापक बिदेशी गोप के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है.

योगगुरु अंशु सरकार को 'बंगो गौरव' अवार्ड

जमशेदपुर । वर्ल्ड बुक ऑफ स्टार रिकॉर्ड्स एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति विकास संस्था, इंडिया के तत्वावधान में कोलकाता के ताज सिटी सेंटर में आयोजित समारोह में शहर की योग संस्था 'सरकार योग अकादमी' के संस्थापक सह वर्ल्ड फिटनेस फेडरेशन ऑफ योगासना स्पोर्ट्स इंडिया के अध्यक्ष योगगुरु अंशु सरकार को 'बंगो गौरव' अवार्ड देकर सम्मानित किया गया. यह सम्मान उन्हें डॉ स्वरूप प्रसाद घोष (निदेशक, मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, भारत सरकार) ने उनकी उपलब्धि, कड़ी मेहनत एवं उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया.

हाई कोर्ट में केस हार चुके थे होटल मालिक, शुक्रवार को दिया था होटल खाली करने का आदेश

स्टेशन के बाहर चार दशक पुराने मोहित होटल को रेलवे ने तोड़ा

- पब्लिक युटीलिटी के रूप में जगह का होगा इस्तेमाल

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

टाटानगर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित मोहिल होटल को सोमवार को जमींदोज कर दिया गया. रेलवे प्रशासन ने उक्त होटल को पोकलेन लगाकर तोड़ दिया. इससे पहले शुक्रवार को होटल मालिक करन सिंह को होटल खाली करने का आदेश दिया गया था. होटल तोड़े जाने के दौरान काफी संख्या में आरपीएफ के जवान मौजूद रहे. इससे पहले सुबह दंडाधिकारी की मौजूदगी में आरपीएफ ने अनाउंस करके जगह खाली करने के लिए कहा. हालांकि होटल का अधिकांश समान हटा लिया गया था. लेकिन एक-आध सामान अंदर रह गया था. जिसे तोड़ने के दौरान हटाया गया.

मौके पर दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त शैला मिंज ने बताया कि मोहित होटल मामले में दो वर्ष पहले रेलवे के पक्ष में फैसला आया. उसके बाद होटल खाली करने का आदेश दिया गया. लेकिन होटल खाली नहीं किया गया. उन्होंने कहा कि मोहित होटल की ओर से कोर्ट में केस दायर किया गया. जिसे बाद में उन लोगों ने वापस ले लिया. किसी तरह का स्टे ऑर्डर नहीं होने के कारण इसे तोड़ना पड़ा. दंडाधिकारी ने बताया कि इस खाली जगह का उपयोग पब्लिक यूटिलिटी के रूप में होगा.

ज्ञात हो कि इससे पहले लगभग दो वर्ष पहले सिंह हिंदू होटल को रेलवे ने तोड़ दिया था. हाल ही में 16 सितंबर को प्रधानमंत्री के टाटानगर दौरे को देखते हुए रेलवे ने सिंह हिंदू होटल वाली जमीन को समतल कर वहां पार्किंग का निर्माण कर दिया. उम्मीद की जा रही है कि मोहित होटल को भी समतल कर पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा. मोहित होटल को जमींदोज किए जाने के बाद स्टेशन और इसके आस-पास रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण कर सालों से रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया है. अब उन्हें लग रहा है कि उनका आशियाना अब बचने वाला नहीं है.

बगैर नोटिस के होटल तोड़ा: करन सिंह

मोहित होटल के मालिक करन सिंह ने बताया कि चार दशक पहले से उनका होटल यहां चल रहा है. 40 वर्ष पहले उनके पिता ने यहां होटल चलाना शुरू किया. स्टेशन के समीप यात्रियों के खाने-पीने का कोई होटल नहीं होने के कारण यात्री यहां आकर खाना खाते थे. करन सिंह ने बताया कि रेलवे से उनका हाई कोर्ट में केस चल रहा था. 2017 उनके पिता केस हार गए. उसके बाद वे लोग अपील में गए. लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई. इस बीच होटल तोड़े जाने की सुगबुगाहट होने के बाद सांसद के माध्यम से रेलवे के अधिकारियों से वार्ता की गई. जिसमें रेलवे के अधिकारियों ने दुर्गा पूजा बाद कार्रवाई करने की बात कही. लेकिन उससे पहले ही बिना नोटिस के होटल को तोड़ दिया गया.

मुआवजे की मांग को लेकर मजदूरों ने गेट जाम किया
जोजोबेड़ा सीमेंट प्लांट में वाहन से कुचलकर कर्मचारी की मौत

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जोजोबेड़ा स्थित नुवोको सीमेंट प्लांट में सोमवार को एक हादसे में ठेका कर्मचारी संदीप कुमार की मौत हो गई. घटना के बाद गुस्साए मजदूरों ने मुआवजे की मांग को लेकर कंपनी का गेट जाम कर दिया. साथ ही परिसर के अंदर भी प्रदर्शन किया. संदीप कुमार बिहार के नवादा जिले का रहने वाला था. घटना के संबंध में बताया जाता है कि संदीप कुमार सुबह ट्रांसपोर्ट विभाग में काम कर रहा था. इसी दौरान वह एक गाड़ी की चपेट में आ गया. इससे कुचलकर वह बुरी तरह जख्मी हो गया. घटना के बाद उसे कंपनी की गाड़ी से टीएमएच पहुंचाया गया. वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस घटना के बाद से प्लांट में हंगामा शुरू हो गया. सूचना के बाद गोविंदपुर एवं टेल्को थाना की पुलिस पहुंची, लेकिन मजदूर गेट से हटने को तैयार नहीं हुए. मृतक के परिजनों को 25 लाख रुपये देने की मांग कर रहे हैं. दूसरी ओर घटना की सूचना उसके पैतृक गांव में दे दी गई है. वहां से परिजनों के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा.

जोजोबेड़ा स्थित नुवोको सीमेंट प्लांट के गेट पर प्रदर्शन कर रहे लोग.

पोटका में सांसद प्रतिनिधि की पत्नी घायल

जमशेदपुर । पोटका के सांसद प्रतिनिधि उपेन्द्र नाथ सरदार की पत्नी सावित्री सरदार सोमवार को अज्ञात कार की चपेट में आकर घायल हो गई. घटना जुड़ी हाता मुख्य मार्ग पर दुर्गा मंदिर के समीप हुई. घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से सावित्री सरदार को उठाकर तारा सेवा सदन लाया गया. वहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें टीएमएच रेफर कर दिया गया. जानकारी के अनुसार सावित्री सरदार भाजपा के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों को आमंत्रित करके लौट रही थीं. उसी दौरान यह घटना हुई. दूसरी ओर सूचना मिलने के बाद सांसद बिद्युत बरण महतो, होपना महाली, पूर्व विधायक मेनका सरदार समेत कई भाजपा नेता सावित्री सरदार को देखने अस्पताल पहुंचे.

बड़ाबांकी में ईंट लदा 407 पलटा, तीन घायल

जमशेदपुर | एमजीएम थाना क्षेत्र के बड़ाबांकी के समीप सोमवार को ईंट लदा 407 वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया. इससे वाहन का चालक समेत तीन मजदूर घायल हो गये. घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार 407 वाहन पटमदा की ओर से ईंट लेकर जमशेदपुर आ रहा था. उसी दौरान वह अनियंत्रित होकर पलट गया. इससे चालक दब गया. स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया. हालांकि उसके सिर में गंभीर चोट लगी है. घायलों में 407 का चालक चीनी तथा मजदूर झनू सरदार और मोसाई शामिल हैं.

सम्मानित किए गए कवि डॉ यमुना तिवारी

जमशेदपुर। पिछले छह सालों से हर रोज कविता लिखने के लिए कवि डॉ यमुना तिवारी व्यथित को विधायक सरयू राय ने सराहा. श्री राय ने मनीफीट गुरुद्वारा रोड स्थित उनके आवास पर जाकर सम्मानित किया. इस दौरान विधायक सरयू राय ने डॉ यमुना तिवारी व्यथित की कविता संग्रह को देखकर उनकी खूब प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि छह सालों तक लगातार प्रतिदिन सामायिक व तत्कालीक घटनाओं पर अपने भावों को कविताओं में अभिव्यक्त करने की इनकी पहल काबिले तारीफ है. यह सब के वश की बात नहीं है. तिवारी जी ने ऐसा कर कीर्तिमान स्थापित किया है.

आशीष अग्रवाल ने पदभार ग्रहण किया

आदित्यपुर । आशीष अग्रवाल ने सोमवार को परियोजना निदेशक आईटीडीए सरायकेला-खरसावां रूप में प्रभात कुमार बरदियार से पदभार ग्रहण किया. पदभार ग्रहण के पाश्चात्य श्री अग्रवाल ने कार्यालय प्रकोष्ठ में एक परिचयात्मक बैठक में अपने अधीनस्थ कार्यालय के कर्मचारियों के साथ बातचीत की तथा पदाधिकारियों व कर्मचारियों से सार्वजनिक महत्व के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करने का आग्रह किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार जनहित में कई कल्याणकारी योजनाए संचालित कर रही है, हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि सभी योग्य लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिले.

कचरा प्रबंधन को लेकर विशेष पदाधिकारी से मिले विधायक

- जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष सिंह एवं मानिक मलिक रहे मौजूद

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जुगसलाई विधानसभा अंतर्गत पड़ने वाले अर्द्ध शहरी क्षेत्र में साफ सफाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है. जिसके कारण क्षेत्र में जगह-जगह कचरे का अंबार लगा रहता है. इस समस्या को लेकर सोमवार को विधायक मंगल कालिंदी, जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष सिंह एवं झामुमो नेता मानिक मल्लिक ने जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार से मुलाकात की. इस दौरान कचरा निष्पादन को लेकर विस्तृत चर्चा की. इस संबंध में विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के घोड़ाबांधा, गोविंदपुर,परसुडीह एवं अन्य क्षेत्र में कचरा प्रबंधन की कोई व्यवस्था नहीं है जिसको लेकर पूर्व में डोर टू डोर कचरा उठाव के लिए पूर्व में विधायक निधि से छह गाड़ी की व्यवस्था की गई थी. लेकिन वह पर्याप्त नहीं है. उन्होंने कहा कि विशेष पदाधिकारी ने कुछ ठोस उपाय निकालने का आश्वासन दिया.

शौचालय निर्माण व स्वच्छता रेटिंग में पिछड़ गया पूर्वी सिंहभूम, असंभव दिख रहा लक्ष्य पूरा करना

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

- स्वच्छ भारत व जल जीवन मिशन की समीक्षा में आए चौंकाने वाले आंकड़े

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में सोमवार को चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए. गावों को स्वच्छ बनाने के लिए शुरू किए गए शौचालय निर्माण एवं जल प्रबंधन में जिला लक्ष्य से काफी पीछे हैं.

इसे लेकर वरीय अधिकारियों ने काफी नाराजगी जाहिर की. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज 2 के तहत जमशेदपुर प्रमंडल के 1197 ग्रामों में से 1043 ग्राम एवं आदित्यपुर प्रमंडल के 443 ग्रामों में 246 अदद ग्राम ही स्वच्छता की रेटिंग में 1 स्टार, 3 स्टार, एवं 5 स्टार की श्रेणी में दिख रहे हैं.

सबसे बदतर स्थिति तो व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की है. जमशेदपुर प्रमंडल में कुल निर्धारित लक्ष्य 13218 के विरूद्ध 231 एवं आदित्यपुर प्रमंडल में कुल निर्धारित लक्ष्य 6593 के विरूद्ध 76 व्यक्तिगत शौचालयों का ही अब तक निर्माण हो पाया है. जबकि दिसंबर 2014 तक लक्ष्य पूरा करना है. तीन माह में लक्ष्य पूरा होगा, यह असंभव है.

इतनी खराब स्थिति पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार ने दोनों प्रमंडल के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की. उन्होंने निर्देश दिया कि योग्य लाभुकों को प्रेरित करते हुए स्वयं से शौचालय निर्माण कर लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें. कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए अबुआ आवास में चिन्हित योग्य लाभुक जिनको पूर्व में शौचालय का लाभ नहीं मिला है उन्हें आवास निर्माण के साथ-साथ शौचालय निर्माण के लिए प्रेरित कर लक्ष्य प्राप्त करें.

परेशानी जन कल्याण मोर्चा ने एसडीएम कोर्ट में दर्ज करा रखा है केस, नए एसडीएम से जगी उम्मीद

टाटा-कांड्रा व कांड्रा-सरायकेला मुख्य मार्ग की देखरेख नहीं कर रहा जेएआरडीसीएल

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर-टाटा-कांड्रा और कांड्रा-सरायकेला मुख्य मार्ग की देखरेख सड़क निर्माण एजेंसी जेएआरडीसीएल ने बंद कर दिया है. इसके विरुद्ध सामाजिक संस्था जन कल्याण मोर्चा ने एसडीएम सरायकेला न्यायालय जनहित में केस दर्ज करा रखा है. इसपर तत्कालीन एसडीएम सुनील कुमार प्रजापति सुनवाई कर रहे थे, लेकिन दो दिन पूर्व उनका स्थानांतरण महज पदस्थापना के 4 महीने में ही कर दिया गया. इससे मोर्चा आहत है और मोर्चा के अध्यक्ष अधिवक्ता ओम प्रकाश ने नए एसडीएम से जनहित में इस मामले में जल्द सुनवाई कर न्याय मिलने की उम्मीद जताई है. उन्होंने बताया कि आदित्यपुर से जिला मुख्यालय सरायकेला तक करीब 35 किलोमीटर का मुख्य सड़क जिले की लाइफ लाइन मानी जाती है. इसका निर्माण वर्ष 2011 में तत्कालीन झारखंड सरकार ने पीपीपी मोड पर कराई थी. इसमें यह शर्त रखा गया था कि आने वाले 15 वर्षों तक सड़क निर्माण एजेंसी जेएआरडीसीएल इसका रख-रखाव आदि करती रहेगी. लेकिन एजेंसी ने पिछले 2 वर्षों से सड़क का रख रखाव का काम भगवान भरोसे छोड़ दिया है. मुख्य मार्ग जहां जर्जर हो चुका है वहीं मुख्य की स्ट्रीट लाइटों का भी बुरा हाल हो गया है जिसके विरुद्ध मोर्चा ने एसडीएम कोर्ट में प्राथमिकी दर्ज कराई है.

जिला प्रशासन का प्रयास साबित हो रहा है नाकाफी

ऐसा भी नहीं है कि इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने कुछ उपाय नहीं किया है. यहां तक कि ट्रैफिक पुलिस और सड़क सुरक्षा समिति भी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रयासरत है. इसे लेकर जिलेभर में 32 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये हैं, ताकि लोग वाहन चलाते वक्त सतर्क रहें. फिर भी सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगना कहीं न कहीं साबित करता है कि जिला प्रशासन के अब तक के सारे उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं. इसकी एक वजह सड़कों का उचित रख-रखाव नहीं होना भी है.

चार साल में 400 से अधिक सड़क हादसे में 218 लोगों की मौत

रख-रखाव के अभाव में ही इस सड़क पर दुर्घटनाओं का दौर जारी हो गया है. बात इतनी ही नहीं जिले के लगभग सभी सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, जिसे जेएआरडीसीएल ने ही बनाया है. इसमें चौका-कांड्रा और राजनगर मेन रोड भी शामिल है. दुर्घटनाओं के आंकड़ों पर गौर करें तो सरायकेला जिले में जनवरी 2021 से 2024 तक 400 से अधिक सड़क हादसे हुए. इसमें 218 लोगों की जान चली गयी है. आये दिन सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है. टाटा-कांड्रा-सरायकेला और चौका-कांड्रा-सरायकेला रोड पर हाल के महीनों में कई हादसों में लोग अपनी जान गंवा चुके हैं. इस लिहाज से 15 महीने में जिले में मरने वालों की संख्या 200 छूने के करीब आ पहुंची है. बावजूद इसके जर्जर सड़क पर बेतरतीब ढंग से चलती छोटी-बड़ी गाड़ियों की संख्या और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार नहीं होने की वजह से आगे भी हादसों का खतरा बना हुआ है. बता दें कि आदित्यपुर की सामाजिक संस्था जन कल्याण मोर्चा के बैनर तले स्थानीय लोगों ने लंबे समय तक आंदोलन किया. यहां तक कि कानूनी लड़ाई भी लड़ी गई. नतीजन आदित्यपुर-टाटा-कांड्रा फोरलेन सड़क का निर्माण हुआ. बावजूद इसके जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी नहीं आई है.

सड़क पर बेतरतीब ढंग से वाहन खड़ा करना है बड़ी परेशानी

इस बीच जिले भर में मेन रोड पर बेतरतीब ढ़ंग से वाहन खड़ा करना भी भारी परेशानी का कारण बना हुआ है. आकाशवाणी चौक पर बेतरतीब ढंग से लगने वाले ऑटो स्टैंड हादसों का सबब बन गया है. इसके अलावा सड़क किनारे बने होटलों और ढाबों के सामने लाइन से भारी वाहन खड़े कर दिये जा रहे हैं. इसके अलावा आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी कुछ इसी तरह सड़क किनारे जहां-तहां बड़े वाहनों का लगा रहना आम बात है. ये दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए बेहद घातक साबित हो रहे हैं. आंकड़ों की ही बात करें तो जिले की सड़कों पर खड़े वाहनों में ठोकर मारने से बीते 14 महीने में 95 लोगों की मौत हो चुकी है. इस तरह की अधिकांश दुर्घटनाएं टाटा-कांड्रा के अलावा सरायकेला-कांड्रा, चौका-कांड्रा और राजनगर-हाता रोड पर हुई है.

न्यूज अपडेट

श्रम कानूनों के खिलाफ काला दिवस मनाया

जमशेदपुर । मजदूर विरोधी श्रम कानून के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियन तथा संयुक्त किसान मोर्चा ने सोमवार को काला दिवस मनाया. जमशेदपुर के नेताओं ने रैली निकालकर उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया. प्रधानमंत्री एवं श्रम मंत्री को संबोधित मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा. ट्रेड यूनियन के संयुक्त मंच कोल्हान की ओर से विश्वजीत देब ने बताया कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि कई मौकों पर वैकल्पिक नीतियों के रूप में जन मुद्दों पर मांग उठाने के बावजूद केंद्र सरकार उन मांगों को उचित प्राथमिकता नहीं दे रहे है. मजदूर विरोधी श्रम कानून का पूरे देश में विरोध हो रहा है. प्रदर्शन में केके त्रिपाठी, संजय कुमार, जे मजूमदार, गुप्तेश्वर सिंह, टी मुखर्जी, बिमान चटर्जी नागराजू, केपी सिंह, वाई डी मौली, विनय कुमार आदि शामिल रहे.

जिला शिक्षा अधीक्षक से की कार्रवाई की मांग

जमशेदपुर । मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले कमजोर एवं अभिवंचित वर्ग के बच्चों को स्कूल फी नहीं देने के कारण 5-5 घंटे तक स्कूल के ऑफिस में बैठाकर रखा जाता है. जिससे उनकी कक्षाएं छूट रही हैं. जमशेदपुर अभिभावक संघ ने सोमवार को इसकी शिकायत जिला शिक्षा अधीक्षक से की. अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि आरटीई के तहत इन बच्चों का स्कूल ने नामांकन लिया था. 8वीं से 9वीं एवं 10वीं में जाने वाले बच्चों से पूरी फी मांगी जा रही है. अभिभावकों ने कुल फी का 25 से 30 प्रतिशत तक ही फी लेने का अनुरोध किया. जिसे स्कूल प्रबंधन ने ठुकरा दिया. इसी समस्या को लेकर अभिभावकों ने जिला शिक्षा अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की.

शिव गुरु चर्चा को लेकर पहुंचे तीन जिले के शिष्य

घाटशिला । नेताजी नगर भवन परिसर घाटशिला में सोमवार को आध्यात्मिक कार्यक्रम शिव गुरु चर्चा को लेकर काफी संख्या में चाईबासा, सरायकेला एवं जमशेदपुर की भगवान शिव गुरु की शिष्या शामिल हुईं. मुख्य वक्ता के रूप में बरखा सिन्हा ने कहा कि इस कालखंड के प्रथम शिष्य साहब हरिंदर नंद जी एवं दीदी नीलिमानंद जी ने भगवान शिव को गुरु बनकर उनके होने के लिए तीन सूत्र दिए हैं. पहला सूत्र अपने गुरु शिव से यह मुख्य संवाद प्रतिदिन संप्रेषित करें कि हे शिव आप मेरे गुरु हैं मैं आपका शिष्य हूं मुझ शिष्य पर दया कीजिए. दूसरा सूत्र सबको सुनाना और समझाना है कि शिव गुरु हैं ताकि दूसरे लोग भी शिव को अपना गुरु बनाएं एवं अंत में तीसरा सूत्र अपने गुरु शिव को मन ही मन प्रणाम करना है.

दुर्गा पूजा से पहले बागबेड़ा में सफाई की मांग

जमशेदपुर । बागबेड़ा क्षेत्र में चारों ओर फैली गंदगी की सफाई कराने की मांग विधायक संजीव सरदार से की गई. इस आशय का एक पत्र सोमवार को पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता एवं उप मुखिया संतोष ठाकुर ने विधायक को सौंपा. जिसमें दुर्गा पूजा से पहले बागबेड़ा कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्रो में साफ सफाई कराने की मांग की गई. सुनील गुप्ता ने बताया कि मुख्य सड़क से लेकर चौक चौराहों सहित गली में कचरे का ढेर लगा हुआ है. पंचायत क्षेत्र में सफाई की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानी होती है. इसलिए विधायक से पहलकर सफाई कराने की मांग की गई. विधायक संजीव सरदार ने आश्वस्त किया कि विभाग के पदाधिकारियों से वार्ता कर साफ सफाई जल्द से जल्द कराई जाएगी.

निगम की नई उप नगर आयुक्त से मिले, दी बधाई

आदित्यपुर । सरायकेला और धालभूम की एसडीएम रहीं तेज तर्रार अधिकारी पारुल सिंह का नगर निगम की उप नगर आयुक्त के रूप में पदस्थापना हुआ है. उनके उप नगर आयुक्त बनने से यहां के लोगों में एक स्वच्छ आदित्यपुर बनने की आस जगी है. चूंकि एक प्रशासनिक ऑफिसर के रूप में वह आदित्यपुर में कई बेहतर काम कर चुकीं हैं. सोमवार को उनके पदस्थापना के बाद आईएमए की प्रदेश कमेटी के संयुक्त सचिव और संजीवनी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ अशोक कुमार ने उनसे मिलकर बधाई दी और स्वच्छता के मामले में लगातार पिछड़ रहे आदित्यपुर को एक स्वच्छ और क्लीन शहर बनाने की पहल करने की अपील की. पारुल सिंह ने आश्वासन दिया कि यहां के जिम्मेवार नागरिक अगर उन्हें परस्पर सहयोग करेंगे तो वो निश्चित रूप से आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र को स्वच्छ और क्लीन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी.

रक्तदाताओं के साथ अर्जुन मुंडा ने किया संवाद

आदित्यपुर । पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपने जमशेदपुर स्थित घोड़ाबांधा आवास पर भाजयुमो सरायकेला खरसावां एवं भाजयुमो जमशेदपुर महानगर के युवा ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित किया साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा के तहत भाजयुमो द्वारा आयोजित सफल रक्तदान शिविर कार्यक्रम के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया. इस अवसर पर समाजसेवी डॉ मीरा मुंडा, सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव, भाजयुमो सरायकेला अध्यक्ष अनुराग जायसवाल, जमशेदपुर महानगर जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा, भाजयुमो जमशेदपुर अध्यक्ष नीतीश कुमार एवं प्रदेश एवं जिला के सभी वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं रक्तदाता मौजूद थे.

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा की शिकायत

डुमरिया । डुमरिया प्रखंड बड़ाअस्ति मौजा के हाटअस्ति में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर घर बनाए जाने की शिकायत लेकर ग्रामीणों ने सोमवार को अंचलाधिकारी के कार्यालय पहुंचे. ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी चंचला कुमारी को आवेदन देकर बताया कि जामदा गांव के मोसो टुडू एवं बड़ाअस्ति के संजय किस्कू द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा जमा कर घर बनाया जा रहा है. जबकि सरकारी दस्तावेज के अनुसार उस जमीन पर सड़क दर्शायी गयी है. वहीं आस्ताकोवाली गांव के श्यामपदो नायेक पर सड़क तक की घेराबंदी करने का आरोप है. जिसके कारण आमजन को उस सड़क से आवागमन करने में दिक्कत हो रही है. ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में आग्रह किया है कि उक्त स्थलों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाय.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

www.lagatar.in | जमशेदपुर, मंगलवार 24 सितंबर 2024 | आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ | वर्ष : 2, अंक : 166 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बहरागोड़ा के शाखा मैदान से कोल्हान में भाजपा की परिवर्तन यात्रा का आगाज

भाजपा के दिग्गजों ने भरी चुनावी हुंकार

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा : शिवराज

कहा-भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही 287000 लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के शाखा मैदान से सोमवार को झारखंड में राजनीतिक परिवर्तन का शंखनाद करते हुए भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड के पार्टी प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अब जुल्म, मर्डर और माफिया की सरकार बंद कर रह गई है. हेमंत सरकार सत्ता में आने से पूर्व पांच लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का किया गया अपना वादा भी पूरा नहीं कर पाई. लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही दो लाख सतासी हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी. साथ ही झारखंड में घुसपैठ करने वाले विदेशी लोगों को निकाल फेंकने का काम किया जाएगा.

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि इस राज्य में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में माटी, रोटी और बेटी सुरक्षित नहीं है. एक महिला द्वारा दी गई यहां की मिट्टी को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा इनकी रक्षा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी. भाजपा की सरकार बनी तो गरीब लोगों के लिए बनने वाले तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास के लिए बालू फ्री में उपलब्ध कराएगी.

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन यात्रा का मुख्य उद्देश्य बालू ,कोयला ,पत्थर व सेना की जमीन बेच कर सत्ता में आने वाली सरकार को उखाड़ फेंकना ही परिवर्तन है. दो दिन परीक्षा के नाम से इंटरनेट सेवा बंद कर हेमंत सोरेन ने लोगों को ठगने का काम किया है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों के नाम पर राजनीति नहीं करके आदिवासियों के हित में काम करना चाहिए. जो हेमंत सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल में नहीं हो सका.

परिवर्तन सभा को संबोधित करते हुए डॉक्टर दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि वर्तमान झारखंड की सरकार ने अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में युवाओं के साथ-साथ यहां के लोगों को भी ठगने का काम किया है. यहां स्वर्णरेखा नदी से अवैध तरीके से बालू का निकासी कर नदी का अस्तित्व को खतरे में डालने का काम किया है. यही नहीं अंचल कार्यालय जमीन दाखिल खारिज के लिए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है

जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो ने कहा कि वर्तमान हेमंत सोरेन की सरकार के कार्यकाल में सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भवन तो आलीशान बने हैं लेकिन चिकित्सक की घोर कमी के कारण स्थानीय लोगों को दूसरे राज्य के ऊपर निर्भर होना पड़ रहा है.

साथ ही विद्यालय में शिक्षकों की कमी के कारण शिक्षा व्यवस्था लचर हो गई है. वहीं भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल याद दिलाते हुए उन्होंने कहा नक्सलवाद पर लगाम लगाने के लिए राज्य में सड़कों का जाल बिछाया गया था

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की झारखंड के वर्तमान हेमंत सरकार ने महिलाओं, बहनों तथा युवाओं ठगने का काम किया है. वहीं विधानसभा चुनाव से पूर्व मंईयां योजना के तहत हजार रुपया देकर फिर से अपने जाल में फंसाने का कार्य कर रही है. इसलिए आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव में कोल्हान की 14 सीटों में से 14 सीटों में भाजपा का परचम लहराने का संकल्प लेना है.

कोल्हान की 14 सीटों पर भाजपा का परचम लहराने का संकल्प लें . अर्जुन मुंडा

स्वास्थ्य केंद्र में भवन है लेकिन चिकित्सक की कमी : बिद्युत बरण महतो

वर्तमान सरकार झारखंड के युवाओं को ठगा : दिनेशानंद गोस्वामी

सहेंगे ना कहेंगे बदल कर ही रहेंगे: बाबूलाल मरांडी

बिसटी आबार शुरू होइगेछे, इंद्रो भगवान मनाछे नाई...

घाटशिला | घाटशिला के राज स्टेट मैदान में सोमवार को आयोजित परिवर्तन यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे . शाम में हो रही झमाझम बारिश में उपस्थित जनसमूह एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया . संबोधन के पहले उन्होंने कहा कि बिसटी आबार शुरू होइगेछे, इंद्रो भगवान मनाछे नाई ... उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ परिवर्तन करने के लिए इस राज स्टेट मैदान से संकल्प लेकर जाना होगा . कार्यक्रम का संचालन भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रंगलाल महतो ने किया . धन्यवाद ज्ञापन भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार ने किया . परिवर्तन यात्रा सभा में मुख्य रूप से पूर्व सांसद गीता कोड़ा, दिनेश साव, गीता मुर्मू, देवयानी मुर्मू, सत्य तिवारी, सुजान मान्ना सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे .

भगवान शिव की पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई परिवर्तन यात्रा

बहरागोड़ा | झारखंड में राजनीतिक परिवर्तन का शंखनाद करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ सोमवार को बहरागोड़ा के चित्रेश्वर धाम से हुआ . इस यात्रा की शुरुआत से पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और परिवर्तन यात्रा के कोल्हान प्रभारी डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने चित्रेश्वर शिव मंदिर परिसर में पूजा अर्चना की . मंदिर के मुख्य पुजारी दिलीप सतपति ने पूजा अर्चना कराई . वहीं रथयात्रा में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता बड़ी संख्या में उपस्थित थे . इसके पश्चात यात्रा बहरागोड़ा के शाखा मैदान तक पहुंची . वहां पर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया .

एनएच की बदहाल सर्विस रोड में फंसा केंद्रीय मंत्री का वाहन

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच 18 और 49 की बदहाल सर्विस रोड में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का वाहन फंस गया . इसके बाद आनन-फानन में प्रशासन ने दूसरे वाहन की व्यवस्था की . इसके बाद वे हेलीपैड के लिए रवाना हुए . वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएचएआई की गलत रोड डिजाइनिंग की वजह से बाईपास सड़क पर दौड़ते भारी वाहन दौड़ते हैं . इसके कारण सड़क निर्माण के कुछ दिनों बाद ही टूट जाता है और स्थानीय लोगों और वाहनों को इसी गड्ढे से होकर आना-जाना करना पड़ता है, लेकिन इसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है . संबंधित विभाग भी खामोश है . जबकि इसी सड़क से हजारों की संख्या में वाहनों की आवाजाही आए दिन होती है . इसमें टोल टैक्स के जरिए लाखों रुपए की वसूली प्रतिदिन होती है . वहीं टोल टैक्स वसूली करने वाली कंपनी अपना कर्तव्य भूल रही है .

डॉ. अजय पर विधायक सरयू राय का पलटवार

कहा- चुनाव लड़ने के लालच में झूठ-फरेब का सहारा ले रहे

सरयू राय ने सोमवार को 15वें वित्त आयोग के मद से लगभग 11 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से क्रियान्वित होने वाली कुल दस योजनाओं का शिलान्यास किया. जिसमें 90 लाख की लागत से बिरसानगर, जोन नं. 1 'बी' में शिशु विद्या मंदिर के समीप तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन शामिल है.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कांग्रेस नेता पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार के जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में विकास एवं ज्वलंत मुद्दों से जुड़े सवाल उठाए जाने पर विधायक सरयू राय ने जोरदार पलटवार किया. सोमवार को विज्ञप्ति जारी कर विधायक सरयू राय ने डॉ. कुमार को झूठ, फरेब और अज्ञान का चलता-फिरता नमूना करार दिया. विधायक ने कहा कि 2014 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद 10 साल तक गायब रहने के बाद 2024 में विधानसभा चुनाव लड़ने की लालच में वे जमशेदपुर पूर्वी की जनता के सामने हाथ पसार रहे हैं. लेकिन विगत पांच वर्ष में जमशेदपुर पूर्वी क्षेत्र में विकास के कितने कार्य हुए हैं यह उन्हें नहीं दिखता.

सांसद रहते एक बार भी नहीं उठाई आवाज

सरयू राय ने कहा डॉ. अजय जिस अवधि में सांसद थे, उस समय भी मोहरदा पेयजल परियोजना की समस्या थी. एक बार भी इन्होंने आवाज नहीं उठायी. अब जब विगत पांच वर्षों में मोहरदा पेयजल परियोजना में काफी सुधार हुआ है और इसका फेज-2 शुरू होने जा रहा है, तब डॉ. अजय कुमार को मोहरदा योजना की याद आ रही है. उन्हें शायद नहीं पता कि मोहरदा पेयजल परियोजना का परिचालन जुस्को (अब टीएसयूआईएल) कर रही है. जब भी प्रदूषित पेयजल की आपूर्ति होती है तो केवल मैं ही इसपर सवाल उठाता हूं, इसे ठीक कराता हूं. डॉ. अजय इस बारे में टाटा स्टील के अधिकारियों से जानकारी ले लें और उनके विरुद्ध आवाज उठाने की हिम्मत करें. विधायक ने कहा कि वे जमशेदपुर में सीधे चांडिल डैम के पानी से पेयजल आपूर्ति की मांग कर रहे हैं. पर झारखंड सरकार इसे नहीं मान रही है. क्या डॉ. अजय मेरे साथ हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत करेंगे?

हिम्मत है तो कंपनियों के खिलाफ मुंह खोलें

जमशेदपुर वासियों को मालिकाना हक देने के मामले में कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने 2018 में 20 डिसमिल तक जमीन लीज देने का निर्णय किया है. यह निर्णय बदलने का प्रस्ताव सरकार के सामने विचाराधीन नहीं है. इस मामले में डॉ. अजय को कठघरे में खड़ा करते हुए विधायक सरयू राय ने कहा कि वास्तव में जमशेदपुरवासियों को मालिकाना हक देने का विरोध डॉ. अजय कुमार की झारखंड सरकार ही कर रही है. ऐसे में अज्ञानता में सवाल करना डॉ. अजय के फरेब का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है. जेम्को से साउथ गेट तक सड़क की बदहाली और यातायात समस्या पर विधायक ने कहा कि उनके प्रयास से पूर्वी विधानसभा में कई सड़कों का निर्माण हुआ है. जेम्को-साउथ गेट सड़क से टाटा स्टील की कई अनुषंगी ईकाइयों की गाड़ियां आना-जाना करती हैं. कहा कि अगर हिम्मत है तो डॉ. अजय कुमार कंपनियों के खिलाफ मुंह खोलें. लेकिन वे वैसा नहीं करेंगे. इसी तरह इन्द्रा नगर-कल्याण नगर बस्तियों के घरों को तोड़ने के मामले में भी उनका सफेद झूठ जनता के सामने आ गया है. बड़े वकील खड़े करने के उनके दावे दिखावा साबित हुए.

यूसिल की भाटीन यूरेनियम प्रोजेक्ट के कर्मचारियों को ग्रामीणों ने जबरन माइंस गेट से बाहर खदेड़ा

संवाददाता। जादूगोड़ा

नियोजन को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है व बेरोजगार युवा किसी भी हद तक जाने को विवश हैं. ताजा मामला यूसिल की आउटसोर्सिंग भाटीन यूरेनियम प्रोजेक्ट का है. भाटीन गांव के ग्रामीणों का एक गुट ने स्थाई स्किल्ड कर्मचारियों बाहरी बताकर आज सोमवार को जबरन माइंस गेट से बाहर खदेड़ दिया. जिससे आज दिन भर यूरेनियम उत्पादन ठप रहा. बवाल होता देख मजदूर वापस घर लौट गए. इधर माइंस बंदी को लेकर ग्रामीणों का दो गुटों के बीच तनातनी की व हिंसक संघर्ष की स्थिति बनी हुई है. स्थायी स्किल्ड कर्मचारियों को माइंस गेट से बाहर खदेड़े जाने के बाद यूसील की ठेका कंपनी एमएफबी जियोटेक का साढ़े चार सौ टन प्रतिदिन होने वाला यूरेनियम उत्पादन ठप रहा जिससे करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ा. घटना के बाद से ठेकाकर्मियों में दहशत व्याप्त है.

यहां बताते चलें कि इस माइंस को कंपनी ने 10 साल पहले तकनीकी कारणों से बंद कर दिया था. इसके बाद क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व मुखिया खेला राम मुर्मू की पहल पर 2022 में इसे खोला गया और ठेका कंपनी एम एफ बी जियोटेक को सौंप दिया गया. माइंस में आधिपत्य को लेकर लगातार एक गुट उत्पादन को बाधित करने में जुटी है.

जादूगोड़ा थाना में भागवत मुर्मू ने की लिखित शिकायत

यूसिल की भाटीन यूरेनियम माइंस को बाधित करने वालों के खिलाफ जादूगोड़ा थाना में स्थानीय ग्राम प्रधान भागवत मुर्मू ने सोमवार को लिखित शिकायत दर्ज कराई है . थाना प्रभारी को लिखे पत्र में भाटीन गांव के ग्राम प्रधान भागवत मुर्मू ने कहा कि अब तक माइंस में 250 स्थानीय लोगों को नियोजन दिया गया है और आगे भी कंपनी के विस्तारीकरण के बाद शेष बचे युवाओं को भी यूसिल की भाटीन यूरेनियम प्रोजेक्ट की ठेका कंपनी एम एफ बी जियोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में समायोजन किया जाएगा . इसके अतिरिक्त कंपनी के आसपास के गांव के ग्रामीणों को रोजगार देकर कंपनी ने क्षेत्र के पलायन की रोकने का काम किया है . पत्र में क्षेत्र के मुखिया सिराम सोरेन व कथित ग्राम प्रधान मोहन मुर्मू पर युवाओं का गुमराह कर माइंस बाधित करने का आरोप लगाया गया है .

पोटका में बारिश से भाजपा के सभा स्थल का टेंट गिरा

संवाददाता। जादूगोड़ा

पोटका में आज शाम अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश से पोटका के जुड़ी स्टेडियम में परिवर्तन रैली के लगा भाजपा का टेंट गिर गया. कल 24 सितंबर को घाटशिला से परिवर्तन यात्रा को पोटका पहुंचना है. इसके पूर्व ही सभा स्थल का टेंट गिर जाने से तैयारियों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को बड़ा झटका लगा है. सूचना मिलने पर भाजपा नेता उपेंद्र सरदार, मनोज सरदार, होपना महाली समेत पार्टी के कई नेता सभास्थल पर पहुंचे और जायजा लिया. सभास्थल से लौटे भाजपा नेता होपना महाली ने कहा कि रातों-रात टेंट को दोबारा सजाने में पार्टी कार्यकर्ता जुट गए हैं. समय से पूर्व पंडाल को तैयार कर लिया जाएगा. कार्यक्रम में कोई बाधा नहीं पहुंचेगी. यहां बताते चलें कि 24 सितंबर को पोटका के जुड़ी मैदान में सभा का आयोजन होना है. जिसमें झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा,जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो, प्रदेश अध्यक्ष बाबू लाल मरांडी समेत कई नेता भाग लेंगे.

'जनमत' ने की 41 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा सीएम का चेहरा होंगे झापीपा के सूर्य सिंह बेसरा

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड विधानसभा चुनाव में 10 दलों को मिलाकर बने गठबंधन 'जनमत' का मुख्यमंत्री चेहरा पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा होंगे. इसकी सहमति सोमवार को सभी दलों की परिसदन में हुई बैठक में दी गई. बैठक में पहले चरण में 41 विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ने एवं उम्मीदवारों की घोषणा की गई. इसमें पांच सीटें सूर्य सिंह बेसरा की झारखंड पीपुल्स पार्टी को दी गई, जबकि अन्य सहयोगी दलों को चार-चार सीटें मिली हैं. सूर्य सिंह बेसरा दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे. इसमें पहली घाटशिला तथा दूसरी पोटका विधानसभा है.

तीन सीटों में जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी तथा लोहरदगा सीट शामिल है. हालांकि 40 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा अभी बाकी है.

जनमत का शपथ पत्र जारी करते सूर्य सिंह बेसरा व अन्य.

मीडियाकर्मियों से देते हुए सूर्य सिंह बेसरा ने कहा कि जनमत गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को शपथ पत्र देना होगा. उसके बाद ही उनकी उम्मीदवारी पर विचार किया जाएगा.

पार्टी ने अपना घोषणापत्र भी तैयार कर लिया है. साथ ही पांच वर्षों तक सरकार चलाने का खाका जनता के सामने लाया है. जेपीपी के जमशेदपुर पूर्वी से माधवेंद्र मेहता, जुगसलाई से विष्णु कालिंदी और लोहरदगा से अनिल टाना भगत प्रत्याशी होंगे.

जमशेदपुर पश्चिम से रंजीत दास (आदर्श संग्राम पार्टी), इंचागढ़ से श्याम बिहारी प्रजापति (भागीदारी पार्टी), सरायकेला से पूर्व सांसद कृष्णा मार्डी के पुत्र तिलक मार्डी (झारखंड मुक्ति मोर्चा - उलगुलान) के प्रत्याशी हैं .

वापसी में सक्रिय हुआ मानसून 27 तक बारिश होने का अनुमान

वरीय संवाददाता ।जमशेदपुर

दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की झारखंड से वापसी हो रही है. पश्चिमी राजस्थान, कच्छ के रास्ते इसकी वापसी हो रही है. 24 घंटे में यह पंजाब, गुजरात के रास्ते आगे बढ़ेगा. वापसी के कारण झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हुआ है. ऐसा बंगाल की खाड़ी में बना निम्म दवाब है. जिसके कारण झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में सोमवार से इसकी सक्रियता देखने को मिल रही है. खासकर कोल्हान में दोपहर बाद आसमान में बादल छाए रहे. साथ ही कई जगहों पर आंशिक एवं मध्यम दर्जे की वर्षा हुई.

मौसम विभाग के पूर्वानुमान पदाधिकारी डॉ. अभिषेक आनंद ने बताया कि मानसून की अब वापसी हो रही है. ऐसे में बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव खासकर वेस्ट सेंट्रल बंगाल में बना है. जिसके कारण हवा में नमी है. इसी कारण वर्षा की स्थिति उत्पन्न हुई हैं. उन्होंने कहा कि मॉश्चर व डिप्रेशन के चलते गर्जन एवं वज्रपात की स्थिति देखने को मिल सकती है. यह स्थिति 27 सितंबर तक रहने की संभावना है. हालांकि 24 सितंबर को कहीं-कहीं वर्षा का पूर्वानुमान है. जबकि 26 सितंबर को पूरे झारखंड में वर्षा के आसार हैं. कोल्हान के तीनों जिलों में वर्षा होगी. उन्होंने कहा कि 27 सितंबर से वर्षा में कमी देखने को मिलेगी. जमशेदपुर में सोमवार को तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा. जो राज्य में सबसे ज्यादा है. इस दौरान 0.3 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई.

चांडिल के देवलटांड में डायरिया का प्रकोप, एक दर्जन से अधिक बीमार

संवाददाता । चांडिल

ईचागढ़ प्रखंड के देवलटांड में डायरिया का प्रकोप है. मुखिया विपिन सिंह मुंडा समेत गांव के लगभग एक दर्जन से अधिक लोग डायरिया की चपेट में आ चुके हैं. इलाजरत सभी मरीज खतरे से बाहर हैं. सोमवार को तीन नए पीड़ितों की पहचान की गई. इनमें संजय प्रमाणिक, शकुंतला मुंडा, घनश्याम मुंडा और गुणाधर महतो की पत्नी शामिल हैं. गुणाधर महतो की पत्नी और संजय प्रमाणिक को इलाज के लिए रांची ले जाया गया है. क्षेत्र में इलाज की सुविधा नहीं रहने के कारण इनमें से आधे से अधिक का इलाज क्षेत्र से बाहर चल रहा है. डायरिया से पीड़ित देवलटांड़ पंचायत के मुखिया का इलाज सिल्ली के पास सिंहपुर में चल रहा है. गांव के मुकेश प्रमाणिक, गीता देवी मुंडा, संजय प्रमाणक का इलाज रिम्स, रांची में कराया जा रहा है. वहीं गांव के दुर्गा महतो व उनकी पत्नी, सुरेश महतो, संपत्ति देवी आदि को इलाज के लिए पातकुम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईचागढ़ में भर्ती कराया गया है.

शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की मांग

अस्पताल में इलाजरत मुखिया विपिन सिंह मुंडा.

डायरिया का प्रकोप बढ़ने के कारण देवलटांड़ में ग्रामीणों के बीच भय का माहौल है . ग्रामीणों ने तत्काल शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है . ग्रामीणों ने कहा कि गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र है . वहां मरीजों के लिए बेड की भी सुविधा है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग पीड़ितों को गांव में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सक्रिय नहीं है . गांव में ब्लीचिंग व डीडीटी का छिड़काव करने की भी मांग की गई है . ग्रामीण गांव के चापाकलों के पानी की जांच कराने और सोलर पानी टंकियों की भी सफाई कराने की मांग कर रहे हैं . दूषित पानी से भी बीमारी बढ़ने की आशंका है . बहरहाल, देवलटांड़ में डायरिया फैलने के बाद संबंधित जिम्मेदार मौन धारण किए हुए हैं . डायरिया का प्रकोप फैलने के बाद भी गांव की स्वास्थ्य व्यवस्था नर्स के हाथों में है . सरकारी नर्स गांव में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक मरीजों की खोज करने के साथ इलाज भी कर रही हैं . अबतक गांव में सरकारी चिकित्सक कैंप नहीं किए हैं .

ओडीएफ गांव है देवलटांड

गांव में डायरिया का प्रकोप की बड़ी वजह दूषित पानी और गंदगी को माना जा रहा है . देवलटांड़ में डायरिया फैलने के बाद खुले में शौच मुक्त और लोगों को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति कराने के सरकार व प्रशासन के सारे दावों की पोल खुल रही है . डायरिया फैलने की मुख्य वजह खुले में शौच, दूषित भोजन व पेयजल को माना जाता है . विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के आंकड़ों के अनुसार भारत की ग्रामीण आबादी का कम से कम छठा हिस्सा अब भी खुले में शौच करता है और एक चौथाई के पास स्वच्छता की बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं . वास्तविकता यह है कि खुले में शौच बंद नहीं हुआ है और अभी भी यह काफी हद तक प्रचलित है . अब समय आ गया है कि देवलटांड के ग्रामीण अपने मील के पत्थर ओडीएफ का पुनर्मूल्यांकन करें, ताकि गांव में किसी प्रकार की महामारी दोबारा नहीं हो . बताया जा रहा है कि गांव की मुख्य सड़क पर जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा रहता है . प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए नहीं तो गांव में स्थिति भयावह हो सकती है .

ब्रीफ खबरें

जांच के दौरान चोरी की बाइक बरामद

रामगढ़। बाइक चोर गिरोह के सदस्य अपने आप को छुपाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाते हैं. लेकिन कई बार घूमना उन्हें महंगा पड़ जाता है. ऐसा ही एक मामला रामगढ़ शहर में सोमवार की शाम सामने आया. जब जांच के दौरान एक चोर बाइक से घूमता हुआ पकड़ा गया. रामगढ़ यातायात पुलिस की सक्रियता से न सिर्फ चोर गिरफ्तार हुआ, बल्कि चोरी की बाइक भी जप्त कर ली गई. जानकारी के अनुसार रामगढ़ यातायात प्रभारी रजत कुमार सोमवार को शहर के बाजारटांड़ में खुद जांच अभियान में जुटे थे. इसी दौरान एक बाइक सवार मस्ती से राइड करता हुआ आया. हेलमेट नहीं पहनने की वजह से यातायात थाना प्रभारी ने उसे रुकवाया.

ससुराल घूमने गए थे लोग, लाखों की चोरी

रामगढ़। रामगढ़ शहर के गोलपार्क पूर्णी मंडप में चोरों ने एक घर को अपना निशाना बनाया. घर के मलिक पूरे परिवार के साथ ससुराल घूमने गए थे. इधर चोरों ने उनका पूरा घर खाली कर दिया. इस मामले में घर के मालिक राकेश रंजन ने सोमवार को रामगढ़ थाने में सूचना दर्ज कराई है. उन्होंने बताया कि 20 सितंबर को वह अपने परिवार के साथ अपने ससुराल जमुई जिला गए हुए थे. सोमवार को जब वे रामगढ़ अपने घर लौटे तो देखे कि उनके घर का दरवाजा टूटा हुआ है. घर के अंदर गए तो पाया कि अलमारी का ताला भी चोरों ने तोड़ दिया है. छानबीन के दौरान पता चला कि चोरों ने उनके घर से 25000 रुपए नगद, लगभग दो लाख रुपए मूल्य के सोने और चांदी के जेवर व इलेक्ट्रॉनिक सामान चुरा लिया है. पुलिस इस मामले की छानबीन कर रही है.

अस्पताल में बेहतर होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सुंदरीकरण समेत अन्य सुविधा बहाल करने को लेकर तीन करोड़ 15 लाख 55 हजार 900 रुपये खर्च किये जायेंगे. यह कार्य जिला परिषद द्वारा बीएमएफटी मद से होगा. मरीजों की स्वास्थ्य सुविधा, भवन मरम्मत और सुंदरीकरण पर खर्च होगा. अस्पताल परिसर में मरीजों के लिए स्ट्रेचर, व्हील चेयर की खरीदारी, परिसर में पथ निर्माण और एक वार्ड से दूसरे वार्ड मरीजों को ले जाने के लिए स्ट्रेचर चलने लायक पथ बनाया जायेगा. इस पर 83 लाख 60 हजार 900 रुपये खर्च किया जायेगा. ट्रामा सेंटर और मरीज निबंधन भवन के सुंदरीकरण पर 53 लाख 39 हजार 300 राशि खर्च होगी. इसके अलावा लेबर रूम की व्यवस्था पर 36 लाख 40 हजार 900, आयुष भवन के उन्यन कार्य पर 11 लाख 81 हजार 600 खर्च किये जायेंगे.

पोषण माह अभियान के तहत हुई प्रतियोगिता

हजारीबाग। अन्नदा कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने पोषण माह अभियान के तहत सोमवार को कुपोषण से पोषण की ओर थीम पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया. इसका उद्देश्य लोगों को पोषण युक्त खाद्य पदार्थ के सेवन पर जोर देना था. प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में कुपोषण होने के कारण और उससे बचने के उपाय से संबंधित पोस्टर बनाए गए. पहले स्थान पर साक्षी कुमारी, दूसरे मीनाक्षी कुमारी व तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से श्वेता व श्रृष्टि कुमारी रहीं.

कॉमर्स विभाग ने एजीयू डिपार्टमेंटल ब्रिलियेंस अवार्ड पर कब्जा जमाया

एजीयू एस्पायर अवार्ड में आईसेक्ट विश्वविद्यालय का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट ग्रूप ऑफ यूनिवर्सिटीज की ओर से भोपाल के होटल ताज में आयोजित एजीयू एस्पायर अवार्ड-2024 में आईसेक्ट विश्वविद्यालय का शानदार प्रदर्शन रहा, जहां विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग ने एजीयू डिपार्टमेंटल ब्रिलियेंस अवार्ड पर कब्जा जमाया. वहीं शाइनिंग स्टार्स पीआर एक्सीलेंस अवार्ड आईसेक्ट विश्वविद्यालय के पीआरओ मो. शमीम अहमद ने अपने नाम किया. यूनिवर्सिटी रिकमेंडेड अवार्ड्स की फेहरिस्त में डिपार्टमेंट एक्सिलेंस अवार्ड विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग को प्राप्त हुआ.

डॉ एसआर रथ की अगुवाई में रितेश कुमार, राजेश रंजन और अजय वर्णवाल ने एजीयू के चेयरमैन व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे के हाथों यह अवार्ड ग्रहण किया. फैकल्टी अपस्किलिंग अवार्ड वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार, बेस्ट एजुकेटर अवार्ड कृषि विभाग के एचओडी डॉ सत्य प्रकाश, आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशंस टू रिसर्च अवार्ड विज्ञान विभाग की एचओडी सबीता कुमारी, एडमिनिस्ट्रेटिव लीडरशिप एक्सिलेंस अवार्ड सहायक कुलसचिव अमित कुमार, गाइडिंग स्टार अवार्ड इन एडमिशन काउंसलिंग सहायक कुलसचिव चांदनी कुमारी, इमर्जिंग एजुकेटर अवार्ड सहायक प्राध्यापक डॉ आलोक राय, लैब टेक्नीशियन डिस्टिंक्शन अवार्ड राजेश कुमार व टेली परफार्मेंस अवार्ड मीना कुमारी ने अपने नाम किया. इस अवार्ड सेरेमनी में आईसेक्ट विश्वविद्यालय के परफार्मेंस पर खुशी जाहिर करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने कहा कि पहली बार एजीयू की ओर से आयोजित इस अवार्ड सेरेमनी में आईसेक्ट विश्वविद्यालय ने जो प्रदर्शन किया है, वह सुकून देने लायक है. डिपार्टमेंटल, एडमिनिस्ट्रेटिव लीडरशिप, लैब टेक्नीशियन, फैकल्टी अपस्किलिंग, पीआर एक्सीलेंस, काउंसलिंग व टेली परफार्मेंस जैसे क्षेत्रों में अवार्ड पाना यह साबित करता है कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय लगातार अपने आपको अपग्रेड किया है.

एजीयू अवार्ड सेरेमनी में ये रहे शामिल

भोपाल के होटल ताज में आयोजित एजीयू अवार्ड सेरेमनी में आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक व कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद के अलावा डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार, डीआर विजय कुमार, सहायक कुलसचिव ललित मालवीय, सहायक कुलसचिव चांदनी कुमारी, सहायक कुलसचिव अमित कुमार, सहायक कुलसचिव राजीव रंजन, पीआरओ मो शमीम अहमद, एनएसएस समन्वयक डॉ रोजीकांत, प्राध्यापक डॉ अरविंद कुमार, सीएस एंड आईटी डीन डीन उदय रंजन, एनएसएस अधिकारी डॉ प्रीति व्यास, डॉ सत्य प्रकाश, सबीता कुमारी, डॉ आलोक राय, रविकांत, रितेश कुमार, कुमारी सीमा, अजय वर्णवाल, सबा प्रवीण, कोमल पल्लवी भेंगरा, यशवंत कुमार, पंकज प्रज्ञा, मुकेश कुमार साव, राजेश रंजन, राहुल राजवार, ओमप्रकाश दास, दीपेंद्र कुमार, सन्नी कुमार पाण्डेय, लक्ष्मी तिग्गा, रोहित कुमार आदि शामिल रहे.

एनटीपीसी की सीबी परियोजना से प्रभावितों ने एसडीओ को सौंपा मांगपत्र

मांगें नहीं माने जाने पर 25 से रोक दी जायेगी कोयले की ट्रांसपोर्टिंग

संवाददाता। केरेडारी

एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना से प्रभावित भू रैयतों व ग्रामीणों ने सोमवार को केरेडारी प्रमुख सुनीता देवी के नेतृत्व में हजारीबाग सदर एसडीओ को बीस सूत्री मांग पत्र सौंपा. इसमें कहा गया है कि एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना से जोरदाग गांव के ग्रामीण सड़क से ओएसएल, पीएनएम व नकाश सहित कई ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों द्वारा कोयले की ढुलाई लगातार की जा रही है. इस मामले को लेकर एनटीपीसी के अधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वार्ता हुई थी, जिसमें तीन महीने के भीतर ट्रांसपोर्टिंग के लिए अलग सड़क का निर्माण करने को लेकर सहमति बनी थी लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है. अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो 25 सितंबर से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग अनिश्चितकाल के लिए रोक दी जायेगी.

भू रैयतों के द्वारा सौंपे गए मांगपत्र में बड़ा तालाब जोरदाग के समीप ओबी गिराकर अतिक्रमण की जा रही भूमि को अविलंब रोकने, जोरदाग के सभी धार्मिक स्थलों को चहारदीवारी से सुरक्षित करने, प्रदूषण की वजह से तालाब में मर रही मछलियों की क्षतिपूर्ति देने, मूलभूत सुविधा बिजली, पानी, शिक्षा व स्वास्थ्य की व्यवस्था करने, आम जनता के लिए बनी सड़क से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग को रोकने, फसलों की क्षतिपूर्ति देने, परियोजना से विस्थापित भू रैयतों के मकान का मुआवजा सभी को समान रूप से देने की मांग की गई है. इसी प्रकार स्थानीय प्रभावित युवाओं को रोजगार से जोड़ने व बाहरी को हटाने, नया भवन बन जाने तक उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोरदाग में किसी प्रकार का बदलाव नहीं करने, पूर्व से बने ग्रामीण सड़कों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करने की मांग भी की गई है. वहीं भू रैयतों ने स्थानीय भू रैयतों को संबंधित कंपनी के अधिकारियों से मिलने के दौरान दुर्व्यवहार नहीं करने, जमीन पेड़ व सभी संपत्तियों का मुआवजा एकमुश्त देने, भूमि अधिग्रहण के बाद जिन लड़कियों की शादी हुई है उन्हें भी पुनर्स्थापन का लाभ देने की मांग शामिल है. जोरदाग गांव के स्कूली बच्चों को विद्यालय जाने के लिए वाहन की व्यवस्था करने, 80 वर्ष से अधिक वृद्ध जो मृत हो चुके हैं उनके परिवारों को लाभ प्रदान करने, माइनिंग में हेवी ब्लास्टिंग को रोकने, बिरहोर परिवारों को सुरक्षित स्थान पर बसाने व प्रभावित क्षेत्र में 24 घंटे बिजली प्रदान करने की मांग की गई है. आवेदन में केरेडारी प्रमुख सुनीता देवी, उपमुखिया कौलेशवर महतो, अख्तर आजाद, संतोष सिंह, मनोज कुमार गुप्ता, आरती देवी, कांग्रेस नेता व समाजसेवी प्रेमरंजन पासवान, उदय पासवान, कैलाश साव, सुरेंद्र साव, पदुम महतो, जगदेव महतो, रोहित साव, भोला साव, आशीष कुमार दास, राहुल कुमार माली, ललिता देवी, मालती कुमारी, अरविंद साव व आरती कुमारी का नाम शामिल है.

खास बातें

- प्रभावित क्षेत्र में 24 घंटे बिजली देने की मांग
- सभी संपत्तियों का मुआवजा एकमुश्त देने की मांग

बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था पर यशवंत सिन्हा ने जताई चिंता

हजारीबाग। अटल विचार मंच के संस्थापक यशवंत सिन्हा ने हजारीबाग जिले के ट्रैफिक व्यवस्था पर अपनी गहरी चिंता जताते हुए पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त को पत्र के माध्यम से आग्रह किया कि जिले में बिगड़ती जा रही ट्रैफिक व्यवस्था को अविलंब दुरुस्त किया जाए, जिससे जनता को राहत महसूस हो. साथ ही उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए उपलब्ध नहीं करवाएं. आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं में उन बच्चों की जान जा रही है. साथ ही आने-जाने वाले राहगीर भी दुर्घटना का शिकार बनकर बेवजह अपनी जान गंवा रहे हैं. इस पर सख्ती से जांच करते हुए बिना समुचित कागजात के कोई भी व्यक्ति बाहन न चलाएं इसकी गहनता पूर्वक जांच की जाए. सिन्हा ने पदाधिकारी से आग्रह किया कि उचित पार्किंग की व्यवस्था भी की जाए, जिससे आम लोगों को जाम से मुक्ति मिल सके.

नए हजारीबाग सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने लिया प्रभार

हजारीबाग। नए सदर अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में अशोक कुमार ने सोमवार को प्रभार ग्रहण किया. निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी शैलेश कुमार ने नए अनुमंडल पदाधिकारी सदर को अपना प्रभार सौंपा. कार्यालय की ओर से नए अनुमंडल पदाधिकारी को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया. इस दौरान एसडीओ कार्यालय के गोपाल कुमार पासवान, मयंक कुमार, निशिकांत उपाध्याय एवं अशोक दास व अन्य मौजूद रहे.

न्यूज अपडेट

स्वच्छता ही सेवा के तहत कार्यशाला का आयोजन

रामगढ़। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु सोमवार को गोला प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में प्रखंड सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें बताया गया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने हेतु गोला प्रखंड की सभी जल सहिया ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगी. प्रतिदिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित कराना सुनिश्चित करेंगे. कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं जल सहिया को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई.

कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता ने किया जनसंपर्क

हजारीबाग। सदर विधानसभा के कांग्रेस नेता आरसी मेहता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के साथ चुटियारो पंचायत के सरौनी डूमर गुरहेट केसुरा सिंघानी इत्यादि गांवों में जनसंपर्क किया. इस दौरान सैकड़ों लोगों से मिले और प्रदेश सरकार की योजनाओं का जिक्र किया. मौके पर कांग्रेस नेता एडवोकेट संजय रविदास, सिंघानी मुखिया नारायण कुशवाहा, मौलाना मुख्तार शैलेंद्र सिंह, प्रोफेसर बीके मेहता, संजय रविदास, रामचंद्र राम, कुलदीप भुइयां, राकेश गुप्ता, मीना देवी, रेखा देवी, समीना खातून, सीता देवी, मुकेश रजक, विकास राम, सोनी देवी, रीना देवी, पूनम देवी इत्यादि मौजूद रहे.

कुंदरूकलां में हुई युवा आजसू की बैठक आयोजित

रामगढ़। रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत कुंदरूकलां में प्रखंड स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने को लेकर रविवार को युवा आजसू की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में युवा नेता पीयूष चौधरी व विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो उर्फ डीएम, कुंदरूकलां मुखिया किशुनराम मुंडा एवं बारलोंग मुखिया रेखा देवी शामिल हुए. बैठक में 25 सितंबर से युवा आजसू के तत्वावधान में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने का निर्णय लिया गया. मौके पर कुंदरूकलां के उपमुखिया मोहराय महतो, आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष मोहरलाल महतो, खेल प्रभारी जगदेव महतो, संजय सिंघानिया, महेश कुमार महतो, प्रदीप नायक, तुलसी महतो, शंकर यादव, धनेश्वर यादव, संतोष महतो, सतीश आर्यन आदि उपस्थित रहे.

जयंती पर विनोद बिहारी महतो को दी गयी श्रद्धांजलि

विष्णुगढ़। शिवाजी समाज के संस्थापक और झारखंड अलग राज्य आंदोलन के योद्धा विनोद विहारी महतो की जयंती सोमवार को को स्थानीय हॉस्पिटल चौक में मनाई गई. कार्यक्रम का आयोजन आजसू पार्टी की विष्णुगढ़ प्रखंड इकाई द्वारा किया गया था. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष व पंचायत समिति सदस्य अजय कुमार मंडल ने कहा कि विनोद बाबू के सपनों का झारखंड बनाना हमारा संकल्प है. उन्होंने झारखंड अलग राज्य की लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाया ही, शिवाजी समाज के जरिये समाज में फैली कुरीतियों का भी उन्होंने दमन किया. कहा कि झारखंड अलग राज्य तो मिल गया, समस्याएं और चुनौतियां आज भी हैं.

शहजाद अनवर ने रामगढ़ जिला अध्यक्ष को किया अपमानित

संवाददाता। रामगढ़

झारखंड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और ऐसे में कांग्रेस के वरीय नेताओं के जुबान भी फिसलने लगे हैं. वरीय नेता आम लोगों पर नहीं बल्कि अपने पार्टी के पदाधिकारियों के साथ ही अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं. सोमवार को रामगढ़ जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजाद अनवर पर मर्यादित भाषा का प्रयोग करने, गाली गलौज करने और अपमानित करने का आरोप लगाते हुए रामगढ़ थाने में आवेदन दिया है. उन्होंने कहा है कि एक दलित के साथ उन्होंने ऐसा व्यवहार किया है. जिस वक्त पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर आपे से बाहर थे, उस वक्त जिला अध्यक्ष पार्टी कार्यालय में ही मौजूद थे. मुन्ना पासवान ने यह आरोप लगाया है कि चितरपुर निवासी शहजाद अनवर सोमवार की दोपहर पार्टी कार्यालय रामगढ़ में आकर सार्वजनिक रूप से भरी सभा में उन्हें छोटा जाती कहते हुए कई अपशब्दों का प्रयोग किया.

जिला अध्यक्ष ने लगाया बेबुनियाद आरोप

इस प्रकरण पर कांग्रेस के वरीय नेता शहजाद अनवर नेवी अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है. उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान ने उन पर बुनियाद आरोप लगाए हैं. उन्होंने उतावलेपन और बेहद जल्दबाजी में ऐसे आरोप लगाए हैं. इस प्रकरण की निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए. यह पूरा मामला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने बताया कि सार्वजनिक कार्यक्रम में कई बड़े नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे. अगर कोई किसी के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करता है, तो उसे सभा में मौजूद सभी लोग सुनेंगे, ना कि केवल एक व्यक्ति.

खेलो झारखंड अंडर 19 बालक वर्ग में कटकमदाग टीम ने मारी बाजी

अंडर 17 प्रतियोगिता में चुरचू बना विजेता

संवाददाता। हजारीबाग

जिला स्कूल मैदान में जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता में बालक वर्ग की अंडर 17 एवं अंडर 19 वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. अंडर 17 बालक वर्ग में चुरचू प्रखंड की टीम डांडी प्रखंड की टीम को पराजित कर विजेता बनी. अंडर 19 में कटकमदाग प्रखंड ने बाजी मारी. इससे पहले अंडर 17 क्वार्टर फाइनल में डाडी, पदमा, इचाक, चुरचू, चौपारण एवं विष्णुगढ़ के बीच संघर्ष हुआ. डाडी, इचाक, चुरचू एवं चौपारण की टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई. फाइनल मैच डाडी एवं चुरचू के बीच खेला गया, जिसमें चुरचू की टीम विजेता बनी. वहीं अंडर 19 बालक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में बरही, डाडी, सदर, केरेडारी, कटकमदाग, चुरचू एवं बड़कागांव ने जगह बनाई. सेमीफाइनल मुकाबले में कटकमदाग, बड़कागांव, डाडी एवं सदर की टीम के बीच खेले गये. फाइनल मैच के लिए डाडी बनाम कटकमदाग की टीम के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबले में कटकमदाग प्रखंड की टीम विजेता बनी. खेलो झारखंड वालीबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभागियों में खेल के प्रति काफी उत्साह देखा गया. बालक वर्ग के सभी वर्गों के विजेता और उपविजेता टीमों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन ने बताया कि जिस प्रकार से प्रखंड स्तर से आकर जिले में अपना बेहतर प्रदर्शन दे रहे हैं उसी प्रकार से राज्य स्तर पर भी खिलाड़ी परचम लहराएं.

प्रतियोगिता को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षक मधूसूदन कुमार सिंह, सरोज मालाकार, सुनिल यादव, अश्विनी श्रीवास्तव, अनुप मेहता, पवन कुमार, राजन गुरूंग, राहुल कुमार, कुंवर प्रसाद, संजू कुमारी, प्रिया कुमारी, अभिनव, गुप्ता प्रमोद दास, अनीश, विशाल यादव, त्रिवेणी कुमार, गोपाल राम, सागर, सुरेंद्र कुमार आदि का योगदान रहा.

विस चुनाव महानगर कांग्रेस कमेटी की बैठक के बाद बंद लिफाफे में पर्यवेक्षक को सौंपे गये नाम

सदर सीट से कांग्रेस के पांच प्रमुख दावेदारों के नाम तय

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार सोमवार को महानगर कांग्रेस कमेटी की बैठक कांग्रेस कार्यालय में हुई. इसकी अध्यक्षता महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने की. इस दौरान प्रभारी जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, मनोज मेहता, महानगर कांग्रेस उपाध्यक्ष परवेज अहमद, अधिवक्ता इजहार हुसैन, महानगर उपाध्यक्ष गुड्डू सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे. बैठक में मुख्य रूप से हजारीबाग सदर सीट से 34 कांग्रेसजनों ने अपनी दावेदारी पेश की है. हजारीबाग नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा सदर विधानसभा क्षेत्र के सभी 34 नामों पर गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श के बाद अंतत पांच नाम पर सर्वसमिति बनी. इन पांचों उम्मीदवारों के नाम बंद लिफाफे में पर्यवेक्षक को सौंपे गये. बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को जीतने हेतु कांग्रेस पार्टी के नगर के पदाधिकारी और वार्ड के अध्यक्षों ने रणनीति बनाई.

बैठक को संबोधित करते हुए महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज नारायण भारत ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सभी पदाधिकारी और वार्ड के अध्यक्ष व पदाधिकारी गण तन मन से लग जाए और मजबूत संगठन ही कांग्रेस का मूल मंत्र है. इस अवसर पर प्रभारी कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष प्रवक्ता निसार खान में कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन के रीढ़ होते हैं. संगठन को वार्ड और बूथ स्तर पर मजबूती प्रदान करना एक-एक कार्यकर्ताओं की जिम्मेवारी है. हम लोगों को दोबारा सभी के प्रयास से नगर क्षेत्र में कांग्रेस का परचम लहराना है. बैठक में मुख्य रूप से युवा अध्यक्ष प्रकाश यादव, महिला अध्यक्ष बेबी देवी, महानगर कांग्रेस के उपाध्यक्ष कृष्ण किशोर प्रसाद, मुंगेश्वर चौधरी, महासचिव सीताराम यादव सुंदर ठाकुर, निसार अहमद भोला, रत्नेश कुमार सिंह, सुशील बोरई, दिलदार अंसारी, गणेश मेहता, राम कुमार पटेल, जुबैर खान, नरेश गुप्ता, तारिक रजा, गोविंद राम, रघु जायसवाल, अर्जुन सिंह, ऋषिकेश, अभिषेक यादव, मो प्यार, नन्हे, पवन मालाकार, सनी वर्मा, अनिल कुमार मेहता, संतोष कुशवाहा, रंजीत यादव, करण कुमार, प्रभात कुमार यादव, चिंतामणि साव, गुड्डू, अमर सिंह यादव, बाबू खान, एमआई हुसैन, राज किशोर मेहता, खालिद मोहम्मद, मुकेश साव, रिंकू डीश, लक्की खान, कमरूउद्दीन, अजय कुमार मेहता, मो. मुस्ताक, मनोज राम, सोनू वर्मा, गणेश रजक, अजय प्रजापति, मोहन गुप्ता आदि उपस्थित थे.

सहकारी समिति महिलाओं के लिए नई राहें खोल रही

संवाददाता। रामगढ़

दुलमी प्रखंड होन्हे मंडा परिसर में सिकनी आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया. बतौर मुख्य अतिथि दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, कैनरा बैंक कुल्ही के मैनेजर आशीष भगत, होन्हे पंचायत मुखिया राजीव मेहता ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मंगलेश ने कहा कि महिलाओं की आजीविका और उनकी सामुदायिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से जिस तरह से आप सभी ने सहकारी समिति के माध्यम से कदम उठाए हैं, वह सराहनीय है. स्वावलंबन की दिशा में यह समिति एक मिसाल कायम कर रही है, और मैं देख रहा हूं कि आपके प्रयासों ने कितनी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद की है. यह वार्षिक आम सभा न केवल आपके पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा का अवसर है, बल्कि यह भी समय है जब आप आगामी वर्ष की नई योजनाओं और लक्ष्यों पर चर्चा करेंगे. मुझे पूरा विश्वास है कि आपके विचार, सहयोग, और नेतृत्व में यह समिति आने वाले समय में और भी ऊंचाइयों को छुएगी. आपके सामूहिक प्रयासों से यह सुनिश्चित होगा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और समाज में एक मजबूत स्थान बना सकें. मुझे विश्वास है कि आपके द्वारा उठाए गए कदम नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगे. समिति के सभी सदस्यों को मेरी शुभकामनाएं. मुझे उम्मीद है कि आपके प्रयासों से समाज में बदलाव और सुधार की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे.

आजसू युवा मोर्चा के जिला सचिव ने दिया इस्तीफा

चांडिल । सरायकेला-खरसावां जिला आजसू पार्टी युवा मोर्चा के जिला सचिव संदीप मंडल ने प्राथ मिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. चांडिल प्रखंड के दालग्राम निवासी संदीप मंडल ने पार्टी के जिला अध्यक्ष को अपना इस्तीफा पत्र भेजा है. पत्र में उन्होंने बताया है कि वे विभिन्न कारणों से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं. इसके बाद से वे अपने क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से एक समाजसेवी के रूप में समाज की सेवा करेंगे. इस संबंध में उन्होंने बताया कि वे फिलहाल किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे. विधानसभा चुनाव के पूर्व पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद आजसू पार्टी के अंदर और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा होने लगी है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय की विधायक चाईबासा के अलावा चक्रधरपुर व अन्य जगहों पर कई कार्यक्रमों में होंगी शामिल

पश्चिमी सिंहभूम का दौरा करने 28 को आएंगी कल्पना

- सांसद जोबा माझी, महुआ माझी व मंत्री बेबी रहेंगी साथ

संवाददाता । चक्रधरपुर

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन

प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते विधायक सुखराम उरांव.

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन पश्चिम सिंहभूम जिले का दौरा करने 28 सितंबर को चाईबासा पहुंचेगी. इस क्रम में वे विभिन्न जगहों पर आयोजित आमसभा और रात्रि चौपाल में भाग लेंगी. वहीं महिलाओं से कल्पना सोरेन रु-ब-रु होंगी. उनके साथ कैबिनेट मंत्री बेबी महतो, राज्यसभा सांसद महुआ माझी, सिंहभूम सांसद जोबा माझी, ईचागढ़ विधायक सरिता महतो रहेंगी. इस बात की जानकारी झामुमो जिलाध्यक्ष सह चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव ने सोमवार को अपने वनमालीपुर स्थित आवास में आयोजित प्रेस वार्ता में दी. उन्होंने कहा कि झामुमो पार्टी की पांच सदस्यीय महिला टीम पश्चिम सिंहभूम जिले का दौरा करेगी. विधायक कल्पना सोरेन 28 सितंबर को चाईबासा पहुंचेंगी. चाईबासा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे खूंटपानी पहुंचेंगी. वहां चौपाल में शामिल होंगी. इसके बाद चक्रधरपुर पहुंचेंगी. भारत भवन स्थित होटल लग्जरी इन में रात्रि विश्राम करेंगी. उससे पहले शाम सात बजे रात्रि चौपाल में महिलाओं से रु-ब-रु होंगी. साथ ही चाईबासा ब्लड बैंक की मांग पर 29 सितंबर को विधायक आवास वनमालीपुर में लट्टू उरांव कल्याण समिति एवं दिशोम गुरु आशीर्वाद योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर का उदघाटन करेंगी. उनके साथ कैबिनेट मंत्री बेबी महतो, राज्यसभा सांसद महुआ माझी, सिंहभूम सांसद जोबा माझी, ईचागढ़ विधायक सरिता महतो भी मौजूद रहेंगी. शिविर का उदघाटन के बाद कल्पना सोरेन चक्रधरपुर प्रखंड के सिलफोड़ी पंचायत स्थित बुढ़ीगोड़ा मैदान में आयोजित आमसभा को संबोधित करेंगी. वहां से सोनुवा जाएंगी. सोनुआ से गोइलकेरा होते हुए मनोहरपुर पहुंचेंगी. वहां से जगन्नाथपुरी, मझगांव पहुंचेंगी. वहां कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जमशेदपुर के लिए रवाना होंगी. प्रेस वार्ता में विधायक प्रतिनिधि पीरु हेम्ब्रम, बंदगांव विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई, झामुमो प्रखंड सचिव ताराकांत सिजुई मौजूद थे.

जानुमबेड़ा-केरा ब्राह्मणी नदी पुल का डीपीआर तैयार है : सुखराम

जानुमबेड़ा-केरा ब्राह्मणी नदी पुल का डीपीआर तैयार है, कुछ लोगों द्वारा ग्रामीणों को दिग्भ्रमित किया जा रहा है. ऐसे लोगों की मंशा सफल नहीं हो पाएगी. यह बातें चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने कहीं. वे सोमवार को अपने वनमालीपुर स्थित अपने आवास में प्रेस वार्ता कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनाव लड़ने का सपना देख रहे हैं. इसी सपने को पूरा करने के लिए ग्रामीणों को बरगला कर भीड़ इकट्ठा कर भड़का रहे हैं और पुल नहीं तो वोट नहीं का नारा दे रहे हैं. जिस पुल की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही है, उस पुल का डीपीआर तैयार है.जानुमबेड़ा-केरा ब्राह्मणी नदी पर पुलिया, पारिया पुलिया और घाघराघाट पुलिया का एक साथ एक हफ्ते में टेंडर होने जा रहा है. जो पंचायत प्रतिनिधि ग्रामीणों को भड़का कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, दरअसल उन्होंने आज तक गांव के विकास के मुद्दों को उनके समक्ष रखा ही नहीं है. उन्होंने स्वयं संज्ञान लेकर पुल निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करवाया. अब जब टेंडर होने वाला है तो कार्य का श्रेय लेने के लिए ग्रामीणों को भड़का रहे है. बंदगांव के बारी गांव, नकटी के इंद्रुआं, सुरबुड़ा के परसाबहाल, राजाफारम, जारकी, द्वारफारम, जानुमबेड़ा, पुराना बस्ती, टोकलो, बोड़दा ऐसे कई जगह हैं, जहां पुलिया निर्माण हो चुका है या फिर निर्माण की प्रक्रिया जारी है.

बोन्डीह में फुटबॉल प्रतियोगिता में जेसी 77 बना विजेता

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड की बोन्डीह वन विभाग के मैदान में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जेसी 77 की टीम विजेता बनी. मॉर्निंग स्टार क्लब चांदपुर बोन्डीह, कुईतुका सेंगेलदीपी के तत्वावधान में आयोजित इस फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई उपस्थित थे. प्रतियोगिता का फाइनल मैच जेसी 77 व सुलेमान एफसी की टीम के बीच खेला गया. इसमें जेसी 77 की टीम विजेता बनी. इससे पहले समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई ने फुटबॉल में किक मारकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया. उन्होंने विजेता विजेता टीम को 13 हजार रुपए नगद व ट्रॉफी तथा उप विजेता टीम को 10 हजार रुपए व ट्रॉफी प्रदान किया. मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष छोटे लाल महतो, सचिव संजय मुदी, कोषाध्यक्ष रामलाल सामड, सदस्य सुनील मुदी, बसंत महतो, राजेश महतो, चतुर्भुज महतो, प्रेम महतो, विश्वेश्वर महतो, सुनिया सामड, रिटेन मुदी समेत अन्य मौजूद थे.

टोकलो थाना प्रभारी व मुंशी पर वृद्ध को पीटने का आरोप

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर प्रखंड की टोकलो प्रखंड की केनके पंचायत के बाघमारा गांव निवासी एक वृद्ध व्यक्ति ने टोकलो थाना प्रभारी, मुंशी व अन्य जवानों पर मारपीट का आरोप लगाया है. इस संबंध में पश्चिमी सिंहभूम जिला के पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई है. घायल वृद्ध को इलाज के लिए चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में इलाजरत वृद्ध व्यक्ति नंदूराम सामड ने बताया कि वह केनके पंचायत के बाघमारा गांव का रहने वाला है. 22 सितंबर की सुबह लगभग आठ बजे टोकलो थाना प्रभारी परमेश्वर उरांव ने एक लाख पचास हजार रुपये की मांग की. रुपये देने से इंकार करने पर उसके साथ मारपीट की. इधर इस मामले को लेकर टोकलो थाना प्रभारी परमेश्वर उरांव ने कहा कि उनपर व थाना के अन्य अधिकारी पर लगाया गया आरोप बेबुनियाद है. यह दो पक्षों के बीच का मामला है.एक पक्ष द्वारा घर निर्माण कार्य पर रोक लगाने को लेकर अनुमंडल कार्यालय में शिकायत की गई थी. इसे मामले में 107 व 144 का मामला भी दर्ज है.

मधुसूदन विद्यालय के संस्थापक सदस्य आर्तभंजन का निधन

चक्रधरपुर । मधुसूदन विद्यालय के संस्थापक सदस्य आर्तभंजन प्रधान का निधन हो गया. उनके निधन पर म धुसू द न विद्याल य परिवार के सदस्यों ने शोक जाहिर की. मधुसूदन पब्लिक स्कूल के निदेशक बीके हिंदवार ने शोक जताते हुए कहा कि आर्तभंजन प्रधान मधुसूदन संस्थान के नींव डालने वालों में से एक थे. उनसे हजारों छात्र- छात्राएं प्रेरित होकर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता का अध्याय लिख रहे हैं. उन्होंने मारवाड़ी उच्च विद्यालय से अंग्रेजी शिक्षक के रुप में कर्ममय जीवन प्रारंभ करते हुए इस विद्यालय में लंबी अवधि तक सेवा प्रदान की. वर्ष 2008 में वे इस विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए थे.

खदान प्रबंधन से झारखंड मजदूर यूनियन ने की वार्ता, सौंपा मांग पत्र

ठेका मजदूरों का बराईबुरु खदान गेट के सामने प्रदर्शन

खदान गेट के सामने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते .

कंपनी कार्यालय में खान प्रबंधक से वार्ता करते टाटा स्टील के मजदूर.

संवाददाता । किरीबुरु

झारखंड मजदूर यूनियन के बैनर तले टाटा स्टील की विजय-टू लौह अयस्क खदान के मजदूरों ने प्रबंधन के खिलाफ विभिन्न मांगों को लेकर 23 सितम्बर को हाथी चौक, बराईबुरु में खदान के गेट के सामने प्रदर्शन किया. इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल खदान में खान प्रबंधक को मांग पत्र सौंप विभिन्न मांगों पर वार्ता की. मजदूरों ने कहा कि टाटा स्टील की उक्त खदान में कई बाहरी ठेका कंपनी बतौर वेंडर के रूप में कार्य कर रही है. इसमें मां अन्नपूर्णा माइनिंग, श्रीसाई इन्टरप्राईजेज, बीएस माइनिंग, आदित्य इन्टरप्राईजेज, एम इन्टरप्राईजेज आदि वेंडर शामिल हैं. मजदूर अलग-अलग वेंडरों के अधीन काम करते हैं. लेकिन सभी की एक समान समस्या व मांग है. मजदूरों ने कहा कि ये वेंडर धूलकण भत्ता, खाना का पैसा नहीं देते हैं अथवा खाने के पैसा में कटौती करते हैं. ड्यूटी जाने हेतु वाहन की सुविधा नहीं देते हैं. 43 दिन की ईएल छुट्टी नहीं देते हैं. वाहन चालकों को स्किल्ड का काफी कम पैसा देते हैं. मजदूरों ने 20 फीसदी बोनस और स्थानीय छुट्टी का पैसा देने की मांग की. गलत तरीके से मेडिकल अनफिट नहीं करने, पिछले दिनों हुई 10 दिनों की हड़ताल का पैसा देने, नोटिस अवधि 50 दिन करने की मांग की. 2008 से 2013 तक फाइनल पैसा का भुगतान करने, दुर्घटना या मृत्यु होने पर कोई मुआवजा देने, दुर्घटना बीमा 20 लाख रुपये करने, मजदूरों को पहचान पत्र व वेतन स्लीप देने की मांग की. सभी मजदूरों का पीएफ काटने, ईएसआईसी मेडिकल कार्ड बनाने, एम्बुलेंस की सुविधा देने, जॉब पत्र, 15 सालों से काम कर रहे मजदूरों को पदोन्नति देने की मांग की है. मजदूरों ने ग्रेच्युटी का पैसा देने, मजदूरों के वेतन से पैसा नहीं काटने, अपना हक मांगने वाले मजदूरों को काम से नहीं हटाने की मांग की है. मजदूरों की मांगों को सुनने के बाद खान प्रबंधक ने मजदूर प्रतिनिधियों से कहा कि आपकी तमाम मांगों को कंपनी प्रबंधन के उच्च अधिकारियों पास रखेंगे. वहां से प्राप्त निर्देशों की जानकारी देंगे. इस वार्ता में प्रबंधन की तरफ से खान प्रबंधक आशीष कुमार, झारखंड मजदूर यूनियन के अध्यक्ष दीनबंधु पात्रो, उपाध्यक्ष परमेश्वर बुरुमा, महासचिव दुलाल चाम्पिया, सचिव कामेश्वर माझी, कोषाध्यक्ष कमल बुरुमा, एम सिधु, पंकज चाम्पिया, लखन चाम्पिया, बागी चाम्पिया, सुखराम सिधु, बहदा गांव के मुंडा रोया सिधु, तितलीघाट के मुंडा मनचुड़िया सिधु आदि मौजूद थे.

बिना सीएलसी के सेल प्रबंधन ठेकेदारों को नहीं करेगा पैसे का भुगतान

किरीबुरु । सेल, मेघाहातुबुरु खदान में विभिन्न ठेकेदारों के अधीन कार्य करने वाले लगभग 400 सप्लाई व ठेका मजदूरों का दुर्गापूजा फीका रह सकता है ! पूजा से पूर्व उनके वेतन पर ग्रहण लग सकता है. सेल के ठेकेदार सूत्रों ने बताया कि सेल, मेघाहातुबुरु खदान में लेबर सप्लाई व अन्य कार्य से जुड़े कई ठेकेदारों का सर्टिफिकेट ऑफ लेबर क्लियरेंस (सीएलसी) नहीं बन पा रहा है. बिना सीएलसी के प्रबंधन ठेकेदारों को पैसा का भुगतान नहीं कर सकती.

जब पैसा ही नहीं मिलेगा तो ठेकेदार मजदूरों को सही समय पर वेतन कहां से दे पायेंगे. यहां के अनेक ठेकेदार पहले से आर्थिक रुप से कमजोर हैं. बाजार व बैंक से कर्ज लेकर काम करते व मजदूरों को वेतन देते हैं. सही समय पर पैसा का रोटेशन नहीं होने से यह समस्या उत्पन्न होगी.

अगर पूजा से पहले ठेका मजदूरों को पैसा नहीं मिला तो वे अपने परिवार व बच्चों के साथ खुशियां नहीं मना पायेंगे.उल्लेखनीय है कि सेल, किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु खदान के सप्लाई व ठेका मजदूरों को दुर्गापूजा के अवसर पर बोनस नहीं मिलता है. ठेकेदार का वर्कआर्डर अर्थात काम जब समाप्त होता है तब ठेकेदार एक साथ मजदूरों को फाइनल पैसा का भुगतान करते हैं. फाइनल पैसा में बोनस, मेडिकल, छुट्टी, रिट्रेचमेंट आदि का पैसा शामिल होता है जो एक मोटी रकम मजदूरों को एक साथ मिलती है.

न्यूज अपडेट

साइबर अपराधियों ने मायाधर के खाते से उड़ाये 18 हजार

किरीबुरु । साइबर अपराधियों ने गुवा के रेलवे मार्केट निवासी मायाधर बोसा के खाते से दो बार में 18 हजार रुपये की निकासी की. यह घटना 22 सितम्बर की है. इस संबंध में मायाधर बोसा ने गुवा स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में अपने बैंक खाते से हो रही निकासी पर रोक लगाने तथा खाता से लिंक मोबाइल नम्बर को बदलने के लिए शाखा प्रबंधक को आवेदन दिया है. घटना की शिकायत गुवा थाना में दर्ज कराने की प्रक्रिया जारी है. मायाधर बोसा ने बताया कि उनका बैंक खाता उनके मोबाइल से तथा गूगल पे यूपीआई से लिंक है. 22 सितम्बर की सुबह लगभग 4 बजे गूगल पे से 8 हजार रुपये तथा रात्रि लगभग 10.15 बजे 10 हजार रुपये का डेबिट हुआ. यह पैसा कैसे निकाला यह पता नहीं.

नये अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार राय ने दिया योगदान

चांडिल । चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में विकास कुमार राय ने सोमवार को अपना योगदान दिया. इसके पूर्व निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी से उन्होंने विधिवत कार्यभार लिया. झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विकास कुमार राय इसके पूर्व चांडिल के भूमि सुधार उप समाहर्ता के पद पर पदस्थापित थे. वे चांडिल के 16वें अनुमंडल पदाधिकारी बने हैं. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आए चांडिल अनुमंडल ने 21 वर्ष के दौरान 16 अनुमंडल पदाधिकारी देखा. योगदान देने के बाद नए अनुमंडल पदाधिकारी ने कर्मचारियों के साथ बैठक की और पारदर्शी तरीके से समय पर काम करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि काम के सिलसिले में आए क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को बेवजह परेशान नहीं करें.

चांडिल का घोड़ानेगी चौक बना सारिगत बिनोद बाबू चौक

चांडिल। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सह अलग झारखंड आंदोलन के मुख्य धुरी रहे सारिगत बिनोद बिहारी महतो ने जिस परिकल्पना के साथ अलग राज्य का आंदोलन किया वह अबतक अधूरा है. उन्होंने शिक्षित व विकसित झारखंड का सपना देखा था. उक्त बातें घोड़ानेगी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य छुटुलाल महतो ने कही. उन्होंने कहा कि बिनोद बाबू ने ही कहा था लड़ना है तो पढ़ना होगा. उनकी 101वीं जयंती समारोह के अवसर पर चांडिल प्रखंड अंतर्गत घोड़ानेगी चौक का नाम सारिगत बिनोद बाबू चौक रखा गया. घोड़ानेगी से शुरू होने वाली एनएच 32 बाईपास सड़क और एनएच 33 के मिलने वाले स्थान पर सोमवार को सारिगत बिनोद बाबू चौक का बोर्ड लगाया गया. अब से उक्त चौक विनोद बाबू चौक के नाम से जाना जाएगा.

मनोरोगी युवक ने घर में फंदे से लटक की आत्महत्या

किरीबुरु । किरीबुरु स्थित सेल का आवास संख्या जी-37 (आरसी सिंह हाटिंग) में 23 सितंबर को दोपहर बेरोजगार व मनोरोगी युवक पंकज कुमार सिंह (24 वर्ष) पिता अरुण सिंह ने फंदे से लटक आत्महत्या कर लिया. इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक का परिवार काफी गरीब है. मृतक की मां व भाई ने बताया की पंकज की दिमागी स्थिति ठीक नहीं थी. घटना से पहले वह चार दिन तक जमशेदपुर में भटक रहा था. मां ने फोन कर जमशेदपुर से वापस आने को कहा तो वह 22 सितंबर को जमशेदपुर से किरीबुरु लौटा था. पुलिस मामले की जांच में कर रही है. उसका 6 माह से रांची में इलाज चल रहा था.

सीसीक्यूसी प्रतियोगिता में सेल की 6 टीमों ने जीता गोल्ड

पुरस्कार लेते मेघाहातुबुरु टीम के सदस्य.

किरीबुरु । राउरकेला इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडी सभागार में 21 और 22 सितम्बर को आयोजित 32वां चैप्टर कन्वेंशन ऑफ क्वालिटी कन्सेप्ट (सीसीक्यूसी)- 2024 प्रतियोगिता में सेल, किरीबुरु की राहुल यादव के नेतृत्व वाली उन्नति टीम, अमृतेश सिन्हा के नेतृत्व वाली उद्यम टीम, कुमार आशीष के नेतृत्व वाली ऊर्जा टीम, सेल मेघाहातुबुरु खदान से सरस कुमार साहू के नेतृत्व वाली निशाना टीम, अफजल हुसैन व टीम के नेतृत्व वाली वीरांत टीम तथा सेल गुवा खदान की स्मारक रंजन नायक के नेतृत्व वाली उड़ान टीम ने स्वर्ण पदक जीता. मेघाहातुबुरु के सीजीएम आरपी सेलबम, किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय, गुवा के सीजीएम कमल भास्कर समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी स्वर्ण पदक विजेता टीमों को बधाई देते हुये आगे बडे.मंच पर भी बेहतर प्रदर्शन कर सेल का नाम रौशन करने की शुभकामनाएं दीं.

चांडिल अनुमंडल में फिर पांव पसारने लगा अवैध लॉटरी धंधा

- पुलिस को ठेंगा दिखा चौक-चौराहों पर बेचा जा रहा टिकट

संवाददाता । चांडिल

अपराध नियंत्रण को लेकर एक ओर जहां जिला पुलिस कप्तान द्वारा उठाए जा रहे कड़े कदमों से आपराधिक प्रवृति के लोगों में खौफ है. वहीं दूसरी ओर प्रलिस-प्रशासन के सख्त कदमों को ठेंगा दिखाते हुए चांडिल-चौका क्षेत्र में अवैध लॉटरी का गोरखधंधा एक बार फिर तेजी से अपना पांव पसार रहा है. अवैध नकली लॉटरी के चंगुल में फंसकर युवा वर्ग के अलावा दिहाड़ी मजदूर, दुकानदार, ऑटो चालक, सब्जी बिक्रेता आदि अपनी गाढ़ी कमाई लुटा रहे हैं. चौक-चौराहों पर चाय की दुकान, होटल, सैलून आदि स्थानों में अवैध नकली लॉटरी का धंधा खुलेआम चल रहा है. बताया जा रहा है कि राजनीतिक दलों के कारण पुलिस-धंधा चलाने वालों पर कार्रवाई नहीं कर पा रही है.

बढ़ रहा पारिवारिक विवाद

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में अबाध रूप से चल रहे लॉटरी के गैर कानूनी धंधे के कारण परिवारों में कलह बढ़ता जा रहा है. लोगों का कहना है कि इस गोरखधंधे की दलदल में फंसकर युवा वर्ग अपना भविष्य अंधकार बना रहे हैं. गरीब मजदूरों की खून-पसीने की कमाई रातों-रात लखपति बनने की लालच में स्वाहा हो रही है. गैर कानूनी रूप से संचालित लॉटरी के इस गोरखधंधे ने कई परिवार को तबाह कर दिया है. लोगों का कहना है कि क्या पुलिस-प्रशासन को इसकी खबर नहीं है कि लोग किस काले कारनामे की दलदल में फंस रहे हैं, क्या इसकी जानकारी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को नहीं है. जनता जानना चाह रही है कि क्या उनकी भी संलिप्तता इस गौरखधंधे में तो नहीं है. आखिर क्यों जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी इस गौरखधंधे को नहीं रोक पा रहे हैं.

सात लोग भेजे गए थे जेल

अनुमंडल क्षेत्र के चांडिल स्टेशन चौक और चांडिल बाजार में चांडिल व नीमडीह थाना की पुलिस द्वारा अवैध लॉटरी के खिलाफ चलाए गए छापामारी अभियान में सात लोग पकड़े गए थे. अवैध नकली लॉटरी के कारोबार से जुड़े रहने के आरोप में नीमडीह थाना की पुलिस ने तीन और चांडिल थाना की पुलिस ने चार लोगों को जेल भेजा था. इस कार्रवाई में चांडिल की तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी ने महती भूमिका निभाई थी. पकड़ाए लोगों ने अपने-अपने संचालक का नाम भी बताया था, लेकिन उनके खिलाफ अबतक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो सकी है. यह कार्रवाई माह भर पहले ही की गई थी.

खेलकूद पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ की वार्षिक आम सभा, नई प्रबंधन समिति गठित

मुकुंद रुंगटा अध्यक्ष और असीम कुमार सिंह बने महासचिव

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के एजीएम में उपस्थित सदस्य.

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ की वार्षिक आम सभा (एजीएम) में 22 सितंबर को बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम स्थित एसआर रुंगटा पैविलियन में संपन्न हुई. बैठक में वर्ष 2024-27 के लिए नई प्रबंधन समिति का गठन किया गया. पूर्व की भांति इस बार भी सर्वसम्मति से मुकुंद रुंगटा को अध्यक्ष एवं असीम कुमार सिंह को महासचिव चुना गया.

आम सभा में महासचिव ने सत्र 2023-24 का 115 पृष्ठ का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया. कोषाध्यक्ष सुप्रियो फौजदार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंकेक्षित आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया. जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया. महासचिव असीम कुमार सिंह ने आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तुत बजट को भी हरी झंडी प्रदान कर दी. वार्षिक आम सभा में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से एक बार पुनः जगनानी एंड अग्रवाल को अगले वित्तीय वर्ष के लिए संघ का अंकेक्षक नियुक्त करने की स्वीकृति प्रदान की. महासचिव द्वारा आगामी सत्र के लिए प्रस्तावित क्रिकेट कैलेंडर को भी ध्वनि मत से पारित कर दिया गया.

16 अक्टूबर से एस आर रुंगटा बी-डिवीजन लीग

लगभग आठ महिनों तक चलने वाला क्रिकेट सत्र आगामी 16 अक्टूबर को एस आर रुंगटा बी-डिविजन लीग से प्रारंभ होकर 8 जून 2025 को समर क्रिकेट कैंप के साथ समाप्त होगा. महासचिव ने बताया कि आगामी सत्र से अंडर-16 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए एक नई प्रतियोगिता का प्रस्ताव 9 सितंबर को प्रबंधन समिति की बैठक में पारित किया गया था. जिसे आमसभा में सदस्यों ने चर्चा के पश्चात स्वीकृति प्रदान कर दी. इस प्रतियोगिता में हर वर्ष लगभग साठ हजार रुपये खर्च होने का अनुमान है जिसे जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष सुशील कुमार सिंघानिया ने प्रायोजित करने की स्वीकृति प्रदान की. इसके लिए सदन ने तहेदिल से सिंघानिया का आभार व्यक्त किया. वार्षिक आम सभा में लिए गए एक अन्य निर्णय के तहत पिछले पांच वर्षों से जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित मैचों में अंपायर एवं स्कोरर की भूमिका निभानेवालों को जिला क्रिकेट संघ के संविधान के तहत निर्धारित शुल्क जमा करने पर आजीवन सदस्यता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई.

जिला क्रिकेट संघ के प्रबंधन समिति की पूरी टीम

अध्यक्ष : मुकुंद रुंगटा
उपाध्यक्ष : बनवारी लाल नेवटिया, डॉ विजय कुमार मूंधड़ा एवं सुशील कुमार सिंघानिया
महासचिव : असीम कुमार सिंह
कोषाध्यक्ष : सुप्रियो फौजदार
संयुक्त सचिव : अनूप बर्मन, ओम प्रकाश गुप्ता एवं फैज अहमद
कार्यकारिणी समिति सदस्य : जितेंद्र चौबे, राज कुमार मूंधड़ा, राजीव विश्वकर्मा, मो. आलम अंसारी एवं जयप्रकाश

बुनियादी सुविधाओं के प्रति सरकार गंभीर : दीपक बिरुवा

संवाददाता । चाईबासा

चाईबासा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत झींकपानी प्रखंड में करीब 16 करोड़ की लागत से छह सड़कों का शिलान्यास सोमवार मुख्यमंत्री ग्राम सड़क निर्माण योजना के तहत परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने किया. इसके तहत जोड़ापोखर से असुरा तक, एनएच- 75 से कुदाहातू तक, माटागुटू से इंदीकुड़ी तक, नयागांव भूईयासाई से चांदीपी तक, कुलडीहा से चाड़ाबासा तक एवं चोया से बेटेया तक सड़क का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जाएगा. सभी सड़कों का शिलान्यास पूजा-अर्चना के बाद नारियल फोड़कर किया गया. मौके पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सड़क जनता के लिए लाइफ लाइन है. विकास के लिए सड़क की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. आवागमन की सुविधा के साथ-साथ आर्थिक विकास का भी मार्ग खुलता है. चुनाव के समय किया गया वादा चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है. क्षेत्र में बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी व अन्य बुनियादी सुविधाओं के प्रति हमारी सरकार सजग और गंभीर है. इन योजनाओं के पूरा होने से इस क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी. इससे विकास की संभावना बढ़ जाती है और छोटे-छोटे रोजगार के अवसर मिलने लगते हैं. मंत्री ने सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान में रखकर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया. मौके पर प्रखंड प्रमुख प्रदीप तामसोय, विनोद गोप, प्रदीप गोप, सुंदर गोप, हरिलाल करजी, पारू हेस्सा समेत अन्य उपस्थित थे.

श्रीलंका में दिसानायके

नव उदारवादी आर्थिक नीतियों से बढ़ती असमानता के कारण आम लोगों के राजनीतिक रूझानों में तेजी से बदलाव हो रहा है. शासक समूहों को इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. श्रीलंका में कम्युनिस्ट नेता अनुरा कुमारा दिसानायके का राष्ट्रपति चुना जाना अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तो से पैदा होने वाली गरीब और मध्यवर्गीय जनता के रोष का नतीजा है. एक ओर दुनिया के चार बड़े देशों भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान का मंच क्वाड चीन को घेरने की रणनीति पर तेजी से कार्यरत हैं. दूसरी ओर श्रीलंका में चीन समर्थक दिसानायके की जीत का भारत और पश्चिमी दुनिया के साथ संबंधों पर पर असर को ले कर विशेषज्ञों का अनुमान सकारात्मक नहीं है. श्रीलंका में दो साल पहले जिस तरह जनता के विद्रोह के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति राजपक्षे देश छोड़ कर भाग गए थे, उसके बाद विक्रमसिंघे ने दो सालों तक शासन किया और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास किया. विक्रमसिंघे ढाई प्रतिशत की विकास दर लाने में कामयाब तो हुए, लेकिन इस बीच आईएमएफ की शर्तो के कारण देश में आम लोगों का जीवन स्तर प्रभावित हुआ. मंहगाई की एक नई लहर श्रीलंका को घेरे हुए है. इस बीच दिसानायके ने नवउदारवादी आर्थिक नीतियों से अलग देश की जनता के हित में आर्थिक नीतियों का वायदा कर लोगों का दिल जीता . उनके वायदे में अडानी के प्रोजेक्ट का भी मामला है, जिसे वे रद्द करने की बात कर रहे है. चुनावों के समय दिसानायके की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें पिछले दिनों दिल्ली आमंत्रित किया गया था. भारत ने उनके रुख में नरमी लाने की कोशिश की है. चुनाव अभियान के दौरान भी दिसानायके की यह नरमी देखने को मिली. वे सभी पड़ोसी देशों के साथ बराबरी के स्तर पर दोस्ताना रिश्ते की बात कर रहे हैं. दिसनायके जनता विमुक्ति पेरामुना (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट) के नेता हैं, जो श्रीलंका में एक मार्क्सवादी-लेनिनवादी कम्युनिस्ट पार्टी है. पार्टी पहले एक क्रांतिकारी आंदोलन थी और श्रीलंका सरकार के खिलाफ दो सशस्त्र विद्रोहों में शामिल थीः एक बार 1971 में (एसएलएफपी), और दूसरा 1987-89 में (यूएनपी). लेकिन इसके बाद से जविपे की नीतियों में बहुत बदलाव आया है. पिछले चुनाव में इस पार्टी को मात्र साढ़े तीन प्रतिशत वोट हासिल हुए थे. लेकिन नवउदारवादी आर्थिक नीतियों का परिणाम यह हुआ कि यह पार्टी सत्ता तक पहुंच गयी. अगले साल श्रीलंका में संसदीय चुनाव होने को हैं. दिसानायके को उसके पहले अपने वायदों के अनुरूप लोगों की जिंदगियों में मौजूद समस्याओं के हल की दिशा में तेज कदम उठाना होगा.

चुनावों के समय दिसानायके की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें पिछले दिनों दिल्ली आमंत्रित किया गया था. भारत ने उनके रुख में नरमी लाने की कोशिश की है. चुनाव अभियान के दौरान भी दिसानायके की यह नरमी देखने को मिली.

सुभाषित

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्॥

सुखी होने के लिए विद्या की आवश्यकता अनिवार्य है भले ही वह किसी भी प्रकार की हो और उसके साथ ही विनय भी अति आवश्यक है. विनय हीन विद्या किसी काम की नही है. यदि आपके पास विद्या है तो उससे आपमें विनय आएगा और विनय से आप किसी योग्य बनेंगे आपमे पात्रता आएगी और पात्र होनेसे धन अपने आप ही आपके पास आएगा ओर धन होगा तो आप धर्म कार्य कर पाएंगे और कार्य से आपको आनंद स्वरूप सुख की प्राप्ति होगी तो इस तरह से विद्या अर्जन अति आवश्यक है.

चुनावी घोषणाएं और हमलोग

महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों के लिए भी राजनीतिक दलों की राम रसोई में सुस्वादु सुमधुर और स्वरुचि के पकवान बन रहे होंगे, बस घोषणाओं की प्रतीक्षा है. यहां भी घोषणा पत्र बड़े दम-खम के साथ जारी किये जाएंगे. अभी पार्टियां इस बात का सुराग लगाने में परेशान है कि कोई मुद्दा विरोधी लपक मत लें, अन्यथा हाथ मलते रह जाएंगे! महत्वपूर्ण यह है कि नीति, सिद्धांत और कार्यक्रमों का संयोजन ऐसा हो कि जीवन का कोई कोना अछूता न रह जाए.

• देश-काल

अयोध्या नाथ मिश्र

चुनाव चाहे पंचायत के मुखिया सरपंच का हो या सर्वोच्च लोकसभा का, घोषणाओं, वादों, आश्वासनों, संकल्पों या प्रतिबद्धताओं (नाम जो चाहे रखिए) का महत्व बहुत बढ़ गया है! इस सर्वाधिक चुनावी महत्व के दस्तावेज की तैयारी में लोक भागीदारी की खूब चर्चा होती है तो बड़े-बड़े विशेषज्ञों की राय ली जाती है. राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, राज्य दलों की कौन कहे घोषणा पत्र की रेस में छुटभैया दलों और यहां तक कि निर्दलीय भी अब पीछे नहीं रहे हैं. स्वतंत्र भारत में चुनाव तो 1952 से होते हैं, पर उन दिनों राष्ट्रीय पार्टियां ही दलीय नीतियों, सिद्धांतों एवं कार्यक्रमों के आलोक में घोषणा पत्र को महत्व देती थीं. इस रेस में कुछ खास को छोड़कर राज्य स्तरीय पार्टियां आमतौर पर घोषणा पत्र जारी नहीं करती थीं. बाद में धीरे-धीरे प्रतिबद्धताएं बढ़ती गईं और चुनावी आश्वासनों ने आसमान छू लिया. खासकर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव में तो घोषणा पत्र ब्रह्मास्त्र जैसे लगने लगे. इसे ऐसा दागा जाने लगा मानो वादों, आश्वासनों के बल-बूते ही वोट रूपी वृक्ष के सारे फल झोली में टपक पड़ेंगे!..और फिर पांच वर्षों का क्या कहना? यह मतदाताओं के बीच भरोसा जगाने वाला अद्भुत काल्पनिक मोदक है, जो सारी इच्छाओं, आकांक्षाओं, आवश्यकताओं और मनोकामनाओं को पूरा करने में सक्षम है! इसमें मतदाताओं अर्थात नागरिकों को कुछ नहीं करना है, सब कुछ सरकार में आने पर स्वतः दलों की सरकार कर देगी! आप हाथ पैर हाथ धरे बैठे रहिए, आपके घर में लक्ष्मी, सरस्वती सबको ये राजनीतिक दल स्वतः उतार देंगे.

अभी चार राज्यों में चुनाव की घड़ी आई है, जिनमें दो अर्थात जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में जनता अपने भाग्य विधाताओं के चुनाव में परेशान है. महाराष्ट्र और झारखंड चुनावी मैदान में कूदने के लिए कमर कस कर तैयार हैं. जम्मू कश्मीर और हरियाणा, जहां चुनाव हो रहे हैं, के मतदाताओं के सामने घोषणाओं के मोदक स्वर्णिम तश्तरियों में परोसे जा रहे हैं. महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों के लिए भी राजनीतिक दलों की राम रसोई में सुस्वादु सुमधुर और स्वरुचि के पकवान बन रहे होंगे, बस घोषणाओं की प्रतीक्षा है. यहां भी घोषणा पत्र बड़े दम-खम के साथ जारी किये जाएंगे. अभी पार्टियां इस बात का सुराग लगाने में परेशान है कि कोई मुद्दा विरोधी लपक मत लें, अन्यथा हाथ मलते रह जाएंगे! महत्वपूर्ण यह है कि नीति, सिद्धांत और कार्यक्रमों का संयोजन ऐसा हो कि जीवन का कोई कोना अछूता न रह जाए. युवा शक्ति, महिला, कृषक, व्यवसाय, उद्यमी, कार्यरत, बेरोजगार, गरीब, अमीर, सभी सेवी वर्ग, सेवाएं अर्थात सामाजिक जीवन का कोई भी पक्ष छूटने न पाए.

प्रायः इस दौर में सत्ताधारी दल और विपक्ष अर्थात संभावित सरकार और प्रतिपक्ष पर लोगों की विशेष नजर रहती हैं. जम्मू कश्मीर में तो लंबे अरसे के बाद चुनाव हो रहे हैं. चुनाव में सीधे तौर पर दो मोर्चे नहीं हैं, पर भाजपा और कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस दो धड़े स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं .हां ,तीसरे चौथे तौर पर क्षेत्रीय दल और कुछ स्वतंत्र प्रत्याशी माहौल को ठंडे में गर्म कर रहे हैं. दूसरा महत्वपूर्ण राज्य, जहां चुनावी दौर जारी है, वह है हरियाणा. हरियाणा अपनी उद्यमशीलता, कृषि सेवाओं और उत्पादकता के लिए प्रसिद्ध है. यहां भारतीय जनता पार्टी लगातार दो बार सत्तारूढ़ हो चुकी है. दोनों ही राज्यों में घोषणा पत्रों का गर्जन-तर्जन जोर-जोर से सुनाई पड़ रहा है. 90 में से 31 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस पार्टी ने एक ओर जहां बेरोजगारों को 3500 बेरोजगारी भत्ता देने की बात की है तो सेब का समर्थन मूल्य 72 रुपये और किसानों को 4000 के अतिरिक्त वित्तीय सहायता, अल्पसंख्यक आयोग का गठन, सभी खेतों को सिंचाई, राज्य को पूर्ण दर्जा, 30 दिनों के अंदर एक लाख सरकारी नौकरियों के द्वार खोलने के साथ-साथ कई लाभों की घोषणाएं की हैं. तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी भी पीछे नहीं. उसने पांच लाख रोजगार, साल में दो एलपीजी मुक्त, कालेज छात्रों को तीन हजार महीना यातायात भत्ता और दसवीं के छात्रों को लैपटॉप तथा अटल आवास योजना के तहत बेघर को घर के लिए जमीन देने की घोषणा तक की है. इतना ही नहीं, हर परिवार की श्रेष्ठ महिला को सालाना 18 हजार रुपए सहायता के साथ-साथ पर्यटन, उद्योग व्यापार आदि क्षेत्रों में अनेक लोक लुभावनी घोषणाएं की हैं. हरियाणा भी इसमें पीछे नहीं है. देश में विकास की पहली पंक्ति में खड़ा हरियाणा किसी चुनावी समर्थन का मोहताज नहीं है, पर यहां भी घोषणाओं की झड़ी लगी हुई है. आखिर क्यों न हो, चुनाव का यह एक प्रमुख पहलू जो बन गया है.

पहले के चुनावों में राजनीतिक दल खासकर राष्ट्रीय राजनीतिक दल अपनी नीतियों, सिद्धांतों एवं उसपर आधारित कार्यक्रमों की पहुंच जनता तक बढ़ाने के लिए घोषणा पत्र जारी करते थे. बाद के वर्षों में कुछ राज्य स्तरीय दल भी घोषणा पत्र राज्य के परिप्रेक्ष्य में ही सही, जारी करने लगे. चुनावों में दलीय घोषणा पत्र जारी करना कहीं से भी गलत या अतिरेक नहीं है. समय-समय पर इसके प्रसंग में न्यायिक संदर्भ एवं चुनाव आयोग द्वारा सम्यक मार्गदर्शन के सिद्धांत जारी किए गए हैं और कहीं-कहीं निदेश भी दिये गये हैं, परंतु इसके लिए कोई हार्ड लाइन तय नहीं की गई है. यह दलों के विवेक एवं सैद्धांतिक-वैचारिक विमर्श पर अधिक निर्भर करता है कि वे इसे किस सीमा तक ले जाते हैं. लोकतंत्र में लोक ही सर्वोपरि होता है. जनता सभी बिंदुओं पर विचार कर प्रतिनिधि प्रणाली के तहत लोकसभा और विधानसभाओं के लिए अपने प्रतिनिधि का चयन करती है और एक दलीय या संयुक्त बहुमत के आधार पर सरकारों का गठन होता है. चुनाव में प्रायः राजनीतिक दल अपने मतदाताओं के अधिक करीब आते हैं. सुख-दुख में आत्मीय होने का प्रयत्न और व्यवहार करते हैं तथा तमाम व्यावहारिक-अव्यावहारिक घोषणाएं और आश्वासन की बातें करते हैं. आखिर ऐसा क्यों? लंबें अरसे तक भारतीय राजनीति को लोक सेवा के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु सेवा से पेशा बनी राजनीति को बार-बार अपनी प्रतिबद्धताएं दुहरानी पड़ती हैं. एहसास करना पड़ता है कि हम तुम्हारे लिए कुछ कर रहे हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

अस्तित्व का शाश्वत नियम

जीवन रचना की सभी परवर्ती प्रक्रिया मूलतः अस्तित्व में पहले से विराजमान होती है. वह एक विचार या इच्छा के रूप में मौजूद होती हैं. अस्तित्व के सभी पदार्थ, परमाणु या पूरे ब्रह्मांड में सक्रियता और निष्क्रियता का भाव रहता है. हमारे सांसों के उतार-चढ़ाव, हृदय के आरोह-अवरोह, ऋतुओं के आगमन और प्रस्थान, दिन और रात, पूर्णिमा से घटते और अमावस्या से बढ़ते चंद्रमा की कलाओं में जड़ता और गतिशीलता का यह भाव कार्य करता है. यह अस्तित्व का शाश्वत नियम है, जो अविनाशी है. अस्तित्व के साथ जुड़े सभी चराचर तत्व शुरूआत में ऊर्जा या मानस भाव में परिव्याप्त होते हैं. उस जगत में व्यक्ति के विचार के अनुसार ही आकृति बन जाती है. ऊर्जा जगत में विचार शरीर के निर्माण पश्चात हम सूक्ष्म जगत यानी देह से निर्लिप्त इच्छा जगत में यात्रा करते हैं. यहां सूक्ष्म इच्छाओं की काया बनती है. फिर वही सूक्ष्म काया स्थूल जगत में ईथरीय काया धारण करती है. व्यक्ति एक साथ तीनों जगत में रहता है. स्थूल जगत में देह के साथ, सूक्ष्म जगत में अपनी इच्छाओं के साथ और मनस यानी ऊर्जा जगत में अपने विचारों के साथ. अस्तित्व के इस असीम नदी में हम सब बह रहे हैं. जिनके साथ संबंध रहे या जिनके साथ संबंध होंगे. निरंतर की इस यात्रा में हम कई बार देह के बिना ही अपने संवाद को पहुंचा देते हैं, कई बार देह के बिना ही संबंध जोड़ लेते हैं. मदद करते हैं. कई बार हम बिना किसी कारण के ही एक दूसरे को सहयोग करते हैं. यह केवल रक्त या संबंध का परिणाम नहीं होता है. बल्कि यह कुछ और भी होता है... जन्म-जन्मांतरों के संबंध. जिसके कारण अनायास ही करुणा, प्रेम और सहयोग करते हैं. इस कारण अस्तित्व में जीवन और मृत्यु जैसी कोई चीज नहीं होती है. अस्तित्व के केंद्र की ओर जाना ही जीवन का धर्म है. सूक्ष्म से विशालतम तत्व गतिमान है और अपने केंद्र की ओर गतिशील भी है. उनका एकमेव लक्ष्य उस परमगुरुत्व केंद्र की ओर गमन करना, जो सदैव एवं सभी को अपनी ओर आने का आमंत्रण दे रहा है. वह खींच रहा है. और हर पल अपने विविध सौंदर्य और गुणों से केंद्र की ओर आने के लिए आकर्षित कर रहा है. जीवन के रूप में ऊर्जा स्वतंत्र है कि वह अपने परम गुरुत्व केंद्र की ओर जाए, या इस अनंत अस्तित्व में भटकता रहे.

खेती के लिए घातक हैं जीएम फसलें

• कृषि क्षेत्र

भारत डोगरा

जेनेटिकली मोडीफाईड फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं. हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण फसल मक्का को 'जीएम' से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है. मैक्सिको पर पड़ोसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह 'जीएम' मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य-सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकर्ताओं ने अदालत में 'जीएम' फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से 'जीएम' फसलों पर रोक का महत्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था. इन दिनों भारत की खेती-किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है. हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाय कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है. ऐसा ही एक सुझाव है 'जीएम' फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्व जुड़े हैं. 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' से बनने वाली 'जीएम' फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के 'जीन' या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे - आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि. यह कार्य 'जीन' - बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी 'जीन' दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी 'जीन' का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है.

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है. इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है. इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने 'जीएम' फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया, जिसमें उन्होंने कहा कि- 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं. इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर 'ट्रान्सजेनिक-प्रदूषण' से बचा नहीं जा सकता है.

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है. इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है.

सन् 2009-10 में भारत में 'बीटी' बैंगन के संदर्भ में 'जीएम' के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई. पत्र में कहा गया कि 'जीएम' प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं. जीव-जंतुओं को 'जीएम' खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत(लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिका, रक्त जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं. इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव-जंतुओं को 'बीटी' मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया. 'बीटी' मक्के पर 'मानसैंटो कंपनी' के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प-कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए. 'बीटी' के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है. 'बीटी' बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको-मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया, उससे जीव-जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं. केवल 90 या उससे भी कम दिनों के, अल्पकालीन अध्ययन में ही ये प्रतिकूल परिणाम नजर आए तो जीवन-भर के अध्ययन से और कितने प्रतिकूल परिणाम सामने आते, इस पर प्रश्न खड़े हो गए हैं. एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

आरक्षण के भीतर आरक्षण कितना सही

• आरक्षण

संजीव

01 अगस्त 2024 को आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के सात सदस्यीय पीठ के द्वारा देविन्दर सिंह विरूद्ध पंजाब के बारे में फैसला आने के बाद अगड़ा दलित और पिछड़ा दलित के बीच द्वंद छिड़ गया है. दोनों ओर से अपने-अपने तर्क दिये जा रहे हैं. आज यह बहस राष्ट्रीय पटल पर हो रही है. अगड़े दलित उनको माना जाता है, जो आजादी के बाद से लगातार नौकरीपेशा में आ रहे हैं और इस जाति के काफी संख्या में लोग आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों तक पहुंचे हैं. समृद्ध हुए हैं. जैसे जाटव, महार, अहिरवार, सतनामी आदि आदि. वहीं दूसरी ओर पिछड़े दलित उन्हें माना जाता है जिन्हें परिस्थितिवश या उनके अति पिछड़ापन होने के कारण आरक्षण का लाभ उस तरह से नहीं मिल पाया, जिस तरह से अगड़े दलितों को मिला है. जैसे वाल्मीकि, लालबेगी, मेहतर, डोमार, बंसोर, चुहड़ा, घसिया, देवार आदि आदि. इनमें प्रतिनिधित्व का बंटवारा बेहद असमान है. सफाई कामगारों में भी लाभ लेने में वाल्मीकि जाति सबसे आगे है. यहां यह बताना जरूरी है कि याचिकाकर्ता डॉ. ओपी शुक्ला जो कि दलित समाज से आते हैं, उनका कहना है कि आजादी के बाद से सफाई कामगार समाज का शोषण हुआ है. उनका प्रतिनिधित्व कहां गया? आखिर किसने उनका प्रतिनिधित्व खाया है? यह बता दें. वह कहते हैं कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका इसीलिए डाली, ताकि संविधान के अनुसार जो सबसे अंतिम व्यक्ति है, उसे इसका फायदा मिल सके. बहुत सारी ऐसी जातियां आज भी हैं, जिन्हें सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है. इस फैसले से दक्षिण भारत में खुशी का माहौल है तो उत्तर भारत में द्वंद छिड़ा है.

अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है. यह 'फूट डालो राज करो' जैसा है. इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा. वे कहते हैं कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था. लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा. जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें. पिछड़े दलित जातियों में बहुत बड़ी संख्या सफाई कामगार जातियों की है. यह सत्य है कि इन्होंने अपना पुश्तैनी गंदा पेशा नहीं छोड़ा. इसके कारण इनमें उत्थान नहीं हो पाया. यह थोड़ा बहुत जागरूक हुई तो भी इन्होंने उस गंदे पेशे में अधिक वेतन और सुविधा की मांग करने लगे. कई जगह ऐसा भी देखने मिला कि वे इन पेशों में 100 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने लगे. ऐसे भी उदाहरण हैं जबकि इन पिछड़े दलित जातियों के कुछ लोगों ने अपने गंदे पेशे को छोड़कर अच्छे पेशे को अपनाया और वे आगे तरक्की कर गये. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति-जनजाति में क्रीमीलेयर की बात की थी, जिसे प्रधानमंत्री ने लागू नहीं होगा-कहकर इस पर विराम लगा दिया, जो सही भी था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दूसरे निर्देश जिसमें यह कहा गया कि पीछे रह गई जातियों में अलग से आरक्षण का बंटवारा भी किया जाएगा. यह सुप्रीम कोर्ट की एक सराहनीय पहल है. आखिर अतिपिछड़े दलित और आदिवासी को अलग से आरक्षण मिलेगा तो इससे किसे आपत्ति होगी? यह प्रश्न खड़ा होता है कि आजादी के 75 साल बाद भी दलित आदिवासी इतने पिछड़े क्यों हैं? आखिर इनमें विकास और उत्थान क्यों नहीं हो रहा है? आखिर क्या कमी रह गई? गंदे पेशे से छुटकारा दिलाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए था. क्योंकि एक मानव के द्वारा अपमानजनक पेशे का किया जाना पूरे भारतवर्ष के लिए शर्म की बात है और संविधान के भी विरुद्ध है. चाहिए था कि जल्द से जल्द इन पेशे में लगे लोगों को हटाया जाए और मानव की जगह मशीन का उपयोग किया जाए. साथ-साथ इनका पुनर्वास किया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट से यह अपेक्षा थी कि अजा और अजजा में जो आरक्षण दिया जाता है, वह आरक्षण बहुत मात्रा में 'नॉट फाउंड सूटेबल ' कहकर जनरल पोस्ट भर दिए जाते हैं. कई कई साल तक बैकलॉग की भर्तियां नहीं निकाली जाती हैं. निर्देश दिया जाना चाहिए था कि बैकलॉग की भर्तियां तुरंत करें और नॉट फाउंड सूटेबल को सामान्य में समायोजित न करके अगली भर्ती में उसकी वैकेंसी फिर से उसी केटेगरी में निकाली जाए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है. यह 'फूट डालो राज करो' जैसा है. इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा. वे कहते हैं कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था. लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा. जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें.

मीडिया में अन्यत्र

हिंद प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते भू-रानीतिक प्रभाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ पिछली व्यक्तिगत बैठक और उनकी अध्यक्षता वाली क्वाड सालाना शिखर बैठक के दौरान जी 7 देशों के साथ भारत के बढ़ते तालमेल को रेखांकित किया. बाइडन का कार्यकाल आगामी जनवरी में पूरा हो जाएगा. दोनों बैठकों में चीन की बढ़ती होड़ से मुकाबला करने के रास्ते तलाशने के प्रयास किए गए. इसकी पुष्टि बाइडन द्वारा क्वाड नेताओं को दिए हॉट माइक कमेंट से भी होती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन, एशिया-प्रशांत के देशों का इम्तहान ले रहा है.इस संदर्भ में क्वाड नेताओं के साझा विलमिंग्टन घोषणापत्र में न केवल बढ़ी हुई भूराजनीतिक चिंताओं तथा उन्हें हल करने के लिए चुनिंदा पहलों को दर्शाया गया बल्कि इसमें वैश्विक सुरक्षा ढांचे के व्यापक पहलुओं पर संबंधों को गहरा बनाने का एजेंडा भी जारी रखा गया. इसमें स्वास्थ्य सहयोग से लेकर बुनियादी ढांचा क्षेत्र की संयुक्त परियोजनाएं और जलवायु परिवर्तन तक सभी पहलू शामिल थे. इनमें से कई कार्यक्रमों को 2025 में स्पष्ट आकार मिलेगा, जब भारत क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करेगा.इस संदर्भ में देखें तो प्रमुख परियोजनाओं में से एक है हिंद-प्रशांत में प्रशिक्षण की समुद्री पहल (मैत्री) जो 2022 की समुद्री क्षेत्र जागरूकता परियोजना पर आधारित है. यह साझेदार देशों को उनके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में गतिविधियों पर नजर रखने की सुविधा देती है. इसमें अतिक्रमण और गैरकानूनी गतिविधियां शामिल हैं. मैत्री का लक्ष्य है इन उपायों का अधिकतम इस्तेमाल करना.अगले वर्ष भारत में इसकी आरंभिक कार्यशाला आयोजित की जाएगी. मुंबई में भी क्वाड क्षेत्रीय बंदरगाह और परिवहन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा ताकि समूह के उन प्रयासों को मजबूती दी जा सके जिनके तहत वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बंदरगाहों का टिकाऊ और मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करा सकता है.यह ऐसी पहल है, जिसे दक्षिण और पूर्वी चीन सागर के पड़ोसी देशों में चीन के अतिक्रमण को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है. इससे संबंधित संयुक्त वक्तव्य को पढ़ें तो वह गंभीर चिंताओं की बात करता है. संयुक्त वक्तव्य कई अनुच्छेदों में बहुत मजबूती से चीन के सहयोगी उत्तर कोरिया के निरंतर परमाणु हथियार बनाने के प्रयासों की आलोचना करता है.दस्तावेज में सेमीकंडक्टर, कृषि शोध, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष शोध आदि सभी क्षेत्रों का उल्लेख है और क्वाड सहयोग की बढ़ती सार्वभौमिक प्रकृति को रेखांकित किया गया है. दुनिया के गरीब देशों तक भारत की पहुंच को स्वीकार करते हुए वक्तव्य ने यह इरादा प्रकट किया कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के जरिये उसे अधिक समावेशी बनाने का प्रयास करेगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उतर/उत्तर

आप छत से नीचे उतर जाइए. मैं आपके प्रश्न का उत्तर देने को तैयार हूं. इस वाक्य में एक जैसे लगनेवाले दो शब्दों का प्रयोग हुआ है. पहला उतर और दूसरा उत्तर. इन दोनों शब्दों के बीच मोटा-मोटी अंतर यह है कि उत्तर जहां संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, वहीं उतर शब्द अकर्मक क्रिया है. श्रुतिसम भिन्नार्थक होने के कारण बहुत सारे लोग उत्तर को भी उतर ही लिख जाते हैं. इसके पीछे अज्ञानता से अधिक लापरवाही की ही भूमिका होती है. मेरे एक मित्र ने सवाल किया कि कुछ लोग उत्तर लिखते हैं तो कुछ लोग उतर. आखिर इन दोनों शब्दों में सही कौन है. मैंने उन्हें बताया-दोनों शब्द अपने स्थान पर सही हैं, लेकिन दोनों के मायने-मतलब अलग-अलग हैं. उतर का मतलब कहीं से उतर जाना. ऊपर से नीचे की ओर जाने का बोध करानेवाला शब्द है उतर. उत्तर का मतलब है किसी प्रश्न का उत्तर या फिर उत्तर दिशा. मतलब आप सीढ़ियों से उतर सकते हैं या किसी के प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं. बच्चों को समझा सकते हैं कि हिमालय उत्तर दिशा में है. मतलब यह कि दोनों शब्द तबतक सही हैं, जबतक सही जगह पर प्रयोग में आ रहे हैं. एक दूसरे की जगह यदि प्रयोग किया जाता है तो उनका सटीक अर्थ नहीं निकल पाएगा और कहना पड़ेगा कि प्रयोग सही नहीं हुआ. उतरना का आशय ढलना, अवनति पर होना, ह्रासोन्मुख होना, कांति या स्वर का फीका होना, जैसे उसका चेहरा उतर गया है. शरीर में किसी जोड़, नस या हड्डी का अपनी जगह से हट जाना, किसी उग्र प्रभाव या उद्वेग का दूर होना, जैसे नशा का उतरना, विष उतरना, भूल जाना, जैसे कोई बात चित्त से उतर जाना. उत्तर शब्द के भी इसी प्रकार अनेक अर्थ हैं. जैसे दक्षिण दिशा के सामने की दिशा, ईशान और वायव्य कोण के बीच की दिशा, किसी बात को सुनकर उसके समाधान के लिए कही हुई बात, जवाब, पिछला, बाद का.

जब मैंने डॉक्टर को लाल आंखें दिखायीं!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

आज सुबह उठा तो आंख खुल नहीं रही थी. वैसे तो रोज़ ही उठते-उठाते कुछ समय लग ही जाता है. आंख खुलते खुलते ही खुलती है. लेकिन आज ऐसा लग रहा था कि मानों आंखों में कुछ पड़ गया हो. किरकिरा रही थीं. खैर जैसे-तैसे उठा, उठना ही पड़ा. देखते ही पत्नी बोली, अरे, ये आंखें लाल क्यों हो रही हैं,... मैंने तो कुछ बोला भी नहीं. "क्या बात करती हो?" मैंने कहा, "मेरी हिम्मत जो तुम्हारे सामने अपनी आंखें लाल कर सकूं?" "मज़ाक नहीं तुम्हारी दोनों ही आँखें लाल हैं. लगता है आ गईं हैं." "लेकिन वो 'गई' ही कब थीं, जो अब 'आ' गई हैं." मैंने कहा. बहरहाल वह मानी नहीं. मुझे आaख के अस्पताल जाना पडा. अब मैं और डाक्टर दोनों आमने सामने थे. दिन का वक्त था और डाक्टर के हाथ में टार्च थी. पता नहीं दिन के उजाले में वह टार्च से क्या देखना चाह रहा था. इससे पहले कि मैं अपनी तकलीफ के बारे में उसे कुछ बताऊं, वह बोला, "आंख दिखाइए". मुझे पहला व्यक्ति ऐसा मिला, जिसने कभी मुझसे कहा हो कि मुझे आंख दिखाओ. मैं, और वह भी एक डाक्टर को, आंख दिखाऊं, मेरी क्या मजाल ! मुझे याद है कि बचपन में कभी कोई गलती कर बैठता था तो मेरी मां मुझे जैसे ही आंख दिखाती थी, मैं डर जाता था. मां की आंख का वह डर आज भी मेरी आंखों में बदस्तूर कायम है. मुझे आज भी यह बड़ा ज़रूरी लगता है कि मां की तरह गलतियों पर आंख दिखा कर डराने-धमकाने वाला कोई तो हो. लेकिन आज की स्थितियां बिलकुल बदल गई हैं और बेमुरव्वत भी हो गई हैं. बात हो न हो, हर कोई हर किसी को कुछ इस तरह आंख दिखा रहा है, मानो खाने को दौड़ रहा हो. डाक्टर ने मेरी बाईं आंख के ऊपर और नीचे अपनी उंगलियों से आंख को चौड़ाकर पूरा खोल दिया और उसमें टॉर्च की रोशनी घुसेड़ दी. चकाचौंध से मेरी आंख बंद होने की कोशिश करने लगी, लेकिन डाक्टर की उंगलियों की जकड़ से वह खुली रहने के लिए मजबूर थी. आंख का मुआइना किया गया, और कहा अब आंखें बंद कर लीजिए. मेरी आंख में तकलीफ थी, सो मैंने झट से अपनी आंखें बंद कर लीं. वैसे भी, मैं ही क्या आप सब भी, जब भी कोई तकलीफ देखते है, आंखें बंद कर ही लेते हैं. कौन पचड़े में पड़े. सोच कर आगे बढ़ जाते हैं. किसी की भी तकलीफ को जान बूझ कर अनदेखा कर देना हम सबकी आदत में शुमार हो गया है. सो डाक्टर ने जब कहा, आंखें बंद कर लो तो मुझे इसके लिए कोई अलग से प्रयत्न नहीं करना पडा. आंख में तकलीफ थी और मैं चाह कर भी देखना चाह नहीं रहा था.

धर्म अध्यात्म

झारखंड में अलग है जितुआ परब का सौन्दर्य

वर्षा कालीन परब जितिया को जीवित्पुत्रिका, जीतवाहन, जीमूतवाहन, जितिया, जीउतिया, जितुआ, जितेन्द्रिय देव व अष्टमी पूजा के नाम से जाना जाता है. माताएं संतान के स्वास्थ्य, सुरक्षा और दीर्घायु होने की कामना के साथ जितिया व्रत करती हैं. इस पर्व को बंगाल, बिहार, उड़ीसा आदि राज्यों में बड़े ही धूम-धाम से मनाया जाता है. लेकिन झारखंड में इस पर्व का सौंदर्य कुछ और ही है. आइए, झारखंड में जितिया मनाने के खास तरीके से हों अवगत...

जितिया त्रि-दिवसीय पूजा है. सप्तमी के दिन संजत (नहाय-खाय) के साथ आरंभ होता है. उस दिन व्रती सुबह नाइन से (नाई की पत्नी) नाखून कटा कर पांव में महावर (आलता) लगवा कर नदी या सरोवर में स्नान करने समूह में जाती हैं. बांध घाट पहुंच कर सबसे पहले सियार-सुगनी को दातुन और पानी अर्पित करती हैं फिर स्वयं मुंह धोती हैं. नहा धोकर घर आती हैं. घर में अरवा चावल की गुड़ी से चौंक (रंगोली) फिरती हैं फिर आंकरी थापती हैं. आंकरी थापने के लिए चना, कुरथी और बटुरा का प्रयोग किया जाता है. अपने सामर्थ्य के हिसाब से कोई तीन अंजली चना, कुरथी और बटुरा को देती हैं, कोई पांच, कोई सात भी. आंकरी थापने (बीजों को अंकुरित होने के लिए देना) का नेग पूरा करने के बाद धूप-दीप जलाया जाता है. जिस जगह आंकरी थापतीं हैं उस जगह पर तीन खीरे रखे जाते हैं. उनमें एक बेटा खीरा दूसरा आंकरी ओगरा(पहरेदार) तीसरा अढ़ाई कामड़ का तब जाकर व्रती चिवड़ा और दही का भोग लगाकर परिवार के सभी सदस्यों के बीच बांटती हैं. फिर प्रसाद को ग्रहण करती हैं, पानी पीती हैं. उसके बाद और कुछ नहीं खाती हैं. केवल रात को बिना प्याज लहसून भोजन बनता है उसे ग्रहण करती हैं. वह भी पहले सियर-सुगनी को अर्पित करने के बाद ही. पांचपरगना क्षेत्र में जितिया पूजा के प्रत्येक नेगाचार में पहले सियार-सुगनी को अर्पित किया जाता है उसके बाद ही आगे का नेग किया जाता है. उपवास रख रही माताएं सप्तमी के दिन उस समय तक ही अन्न-जल ग्रहण करती हैं जब-तक सप्तमी है. अष्टमी के दिन अन्न-जल ग्रहण करना निषेध माना गया है. इसलिए तो जितिया को निर्जला व्रत कहा जाता है.

डा. हाराधन कोईरी

सुनतीं सियार- सुगनी की कथाएं

अष्टमी के दिन व्रती के पति ईख को अपने खेत से जड़ सहित उखाड़ लाता है या कहीं से खरीद कर. उसके बाद आंगन में गड्ढा खोद कर उसमें सुपारी और ताम्बे का सिक्का डाल कर जीतवाहन को गाड़ा जाता है. गाड़े गये ईख के नीचले भाग को पुआल की रस्सी से मोड़ दिया जाता है. फिर हल्दी से रंगा हुआ वस्त्र को चारों तरफ से घेर दिया जाता है. उसके बाद सभी उपासी (व्रती) नवीन वस्त्राभूषण पहन कर जितिया पूजन के लिए एकत्रित होती हैं. पंडित जी विधि-विधान से पूजन कराते हैं. पूजन के उपरांत पंडित जी सभी व्रतियों व श्रोताओं को सियार- सुगनी की कथायें सुनाते हैं. कथा के बाद जीतवाहन को धागा (तागा) बांधती हैं, गले मिलती हैं और पंडित जी को यथासंभव दान देती हैं, और कम से कम एक बार समूह में नेग के लिए नृत्य करती हुई जीतवाहन के चारों तरफ घुरती हैं जिसे प्रदक्षिणा करना कहते हैं. उसके बाद पंडित जी से दीप जलवा (जागर दीया) कर घर आती हैं. घर आकर तुलसी पूजन करती हैं. सबसे पहले बड़ा बेटा को धागा बांधती हैं फिर सभी बच्चों को. साथ-ही पड़ोस के बेटा-बेटी या पोता-पोती, नाता-नातिन सबंध वाले को. तागा बंधन के बाद पूरी रात निर्जला रहती हैं.

रात भर देसालाहिर नाच

रात को पारम्परिक वाद्य-यंत्र के साथ नृत्य और गीत का आयोजन होता है. कहीं- कहीं गांवों में महल नृत्य का आयोजन होता है जिसमें वाद्यकार और पुरुष वर्ग बाहर रहते हैं. कहीं - कहीं तो सामूहिक नृत्य जिसे देसालाहिर नाच कहते हैं वह होता. कहीं-कहीं शास्त्र का वाचन व भजन संगीत का आयोजन किया जाता है ताकि व्रती रात भर जागरण कर सके.

पारन के लिए बांध घाट

नवमी के दिन जितिया को उखाड़ कर सरोवर या नदी में विसर्जन घर के पुरुष करते हैं. फिर माताएं समूह में पारन के लिए बांध घाट जाती हैं. घाट पहुंच कर सबसे पहले सियार-सुगनी को दतुन पानी देती हैं फिर स्वयं मुंह धोती हैं. मुंह धोने के उपरांत अढ़ाई कामड़ (दो और आधा) का नेग करती हैं. इस नेग में माताएं अढ़ाई कामड़ वाले खीरे को दो टुकडा करती हैं. उसके ऊपर में घी, दही और गुड़ लगाती हैं और ढ़ाई बार मुंह से काटती हैं और खा जाती हैं. फिर पानी में हल्का बैठ कर पीछे तरफ अढ़ाई कामड़ वाले खीरा को फेंकती हैं जिसे व्रती का पुत्र पीछे से पकड़ लेता है और खाता है. उसके बाद माताएं स्नान कर दही-चिवड़ा वापस में बांटती हैं. तब स्वयं खाती हैं. खाने के बाद सुहागिन नारियाँ एक-दूसरे के मांग में सिंदूर डालती हैं.

जितिया विसर्जन के बाद अखड़ा में नृत्य-गीत

घर में उस दिन कुरथी और साग की सब्जी बनायी जाती है. पुरुष वर्ग डारी गाड़ने का काम को सम्पन्न करते हैं. यद्यपि डारी गाड़ने की प्रथा करम में है लेकिन जो जितिया गाड़ते हैं वह जितिया विसर्जन के बाद भी करते हैं. जितिया विसर्जन के दिन शाम को अखड़ा मेटा कार्यक्रम या नृत्य गीत का आयोजन होता है. जितिया पूजा में महुआ वृक्ष का विशेष महत्त्व है क्योंकि व्रती महुआ के दातुन से ही सप्तमी, अष्टमी और नवमी को मुंह धोती हैं तथा सियार-सुगनी को भोग लगाती हैं. पूजा के लिए दोना, पथरी आदि बनाती हैं. यदि तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो जिस प्रकार करम पर्व में करम वृक्ष का विशेष महत्त्व होता उसी प्रकार जितिया में महुआ का. जितिया पूजा पुत्र की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि के लिए माताएं व्रत करती हैं. इसलिए पुत्र का कर्तव्य हो जाता है कि हर परिस्थित में माता-पिता की सेवा करना. यदि हम सच्चे मन से माता-पिता की सेवा कर पाने में सक्षम हैं तभी हमारा जीवित्पुत्रिका पूजन की सार्थकता है अन्यथा परम्परा का निर्वाह मात्र ही. जोहार जीतवाहन बाबा !

महाभारत काल से जुड़ी है जितिया की कथा

जीवित्पुत्रुका व्रत की कथा महाभारत कालीन है. कहा जाता है कि अश्वत्थामा पिता की हत्या का बदला लेने के लिए रात्रिकाल में पांडवों के शिविर में जाकर सोये हुए पांडु पुत्रों की निर्मम हत्या करता है. इा कारण अर्जुन अश्वत्थामा को बंदी बनाकर उसका मणि छीन लेता है. प्रतिशोध की आग में जल रहे अश्वत्थामा उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु पर ब्रह्मास्त्र छोड़ देता है. फलतः मृत शिशु का जन्म हुआ. श्रीकृष्ण ने दिव्य शक्ति से मृत शिशु में प्राणत्व देकर उसे पुनर्जीवित किया जिसके कारण उनका नाम जीवित्पुत्रिका पड़ा जो आगे चल राजा परीक्षित के नाम से जाने गए. तब से जितिया का नाम जीवित्पुत्रिका पड़ा.

एक कथा यह भी

प्राचीन काल में जीमूतवाहन नाम के एक दयालु राजा थे. एक दिन वह वन में विहार करने के लिए गए तो अचानक एक नाग माता की रोने की आवाज सुनाई दी. राजा ने उस नाग माता से रोने का कारण पूछा तो पता चला कि उनके एकमात्र पुत्र को गरुड़ खाना चाहते हैं. इस भय से वह क्रंदन कर रही हैं. तब राजा जीमूतवाहन ने उन्हें चिंता नहीं करने को कहा. जब गरुड़ उस नाग पुत्र को खाने के लिए आया तब जीमूतवाहन ने कहा कि आप इसे मत खाइए! आप मुझे खा लीजिए. तब गरुड़ ने जीमूतवाहन की निष्ठा और त्याग को देखकर दोनों को छोड़ दिया. तब नागमाता ने राजा जीमूतवाहन की विधिवत पूजा अर्चना की. इसलिए जितिया को जीमूतवाहन के नाम से जाना जाता है.

जीवन नैया जब हिले, मां बनती पतवार...

बस उनके आशीष से, भवसागर हो पार

बिंदु प्रसाद रिद्धिमा

उतिया, जितिया, जीवित्पुत्रिका व्रत, यह सारे एक ही नाम हैं जो माताओं द्वारा निर्जला रहकर अपने संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, उन्नति और वंश वृद्धि के लिए किया जाता है. यह कठिन व्रत तीन दिनों का होता है. पहला दिन नहाए खाए, दूसरा व्रत का दिन और तीसरे दिन पारण. भारत के अनेक राज्यों में किसी और दूसरे महीने में, संतानों के खुशहाली और दीर्घायु के लिए माताएं कुछ और नाम से व्रत करती हैं. उत्तर भारत में जिसे अहोई अष्टमी के नाम से जाना जाता है.

जीवित्पुत्रिका व्रत हर साल आश्विन मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है. इसी समय पितृपक्ष भी चलता रहता है. बहुत ही सादगी और नियम से किया जाने वाला यह व्रत गरीब से गरीब परिवेश की माताएं, स्त्रियां, महिलाएं भी कर सकती हैं क्योंकि इसके उपयोग में आने वाली सारी वस्तुएं हमारे कृषि प्रधान देश के परिवेश की ही उपज है.

व्रत से एक दिन पहले नहाए खाए में मडुआ की रोटी या व्यंजन, सतपुतिया, झींगे की सब्जी, नोनी का साग, कहीं-कहीं मछली का भी सेवन किया जाता है. मां अपने बच्चों के साथ बैठकर एक ही थाल में खाना खाती हैं और खिलाती हैं. बहुत ही सुंदर परिवारिक दृश्य बनता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी से चला आ रहा है.

व्रत के दिन भी बड़ी सादगी से झींगे के पत्ते पर खीरा के साथ कुछ धागे जिसे बद्दी कहते हैं रखकर महिलाएं कथा सुनती हैं और निर्जला व्रत रखती हैं. स्त्रियां कुश से बनी जीमूतवाहन भगवान की प्रतिमा के समक्ष धूप, दीप, चावल और विधि विधान से पूजा करती हैं. साथ में गाय के गोबर और मिट्टी से चील, सियारिन की प्रतिमा भी बनाई जाती है. पूजा के बाद व्रत की कथा सुनी जाती है.

अगली सुबह सूर्य देव को अर्ध्य देकर माताएं अन्न जल ग्रहण करती हैं तथा व्रत का समापन कर पारण किया करती हैं. पारण में फिर से वही ग्रामीण परिवेश की वस्तुएं जैसे कुशी केराव की दाल, पोरों या पोंई के पत्ते की सब्जी, तरुवा, पकौड़ी, अरबी की सब्जी और भात की प्रधानता रहती है.

व्यक्तिगत तौर पर मैं खुद भी जितिया का व्रत करती हूं और हमारी 82 वर्षीया सासू मां, इस उम्र में भी निर्जला उपवास रखती हैं और हम दोनों घर परिवार, संतानों की खुशहाली संग अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी करते हैं.हम सब खुशनसीब हैं कि महाभारत काल से आई परंपरा को अभी तक हम सब निभा रहे हैं और आगे की भी माताएं अपनी संतानों के लिए इस तरह की व्रत जरूर करेंगी, ऐसी हमारी कामना और विश्वास है.

व्रत करती हैं निर्जला, हो बच्चें दीर्घायु ।
मां करती जब जीतिया, बच्चे स्वस्थ चिरायु।।

बुरी नजर से बचाता है बागुआ दर्पण

फेंगशुई में घर की नेगेटिविटी से छुटकारा पाने के लिए बागुआ दर्पण लगाना बेहद शुभ माना गया है. मान्यता है कि इससे सुख-समृद्धि व सौभाग्य में वृद्धि होती है. नजर दोष से बचाव होता है. जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है. आइए जानें कि क्या होता है बागुआ दर्पण और क्या हैं इसके फेंगशुई टिप्स...

स्वामी विमलेश

- **क्या होता है बागुआ दर्पण ?**

बागुआ दर्पण एक प्रकार का मिरर होता है, जिसका आकार अष्टकोणीय यानी आठ कोण वाला होता है. इन आठ किनारों पर तीन-तीन लाइंस होती हैं, जिसमें से कुछ टूटी और कुछ पूरी होती है. पूरी रेखाओं को यांग और टूटी रेखाओं को यिन कहा जाता है. बागुआ दर्पण में कोई केंद्र नहीं होता है.

ये हैं फेंगशुई टिप्स

- मुख्यद्वार पर बीचोबीच पाकुआ दर्पण लगाएं. मान्यता है कि इससे वास्तु दोष समाप्त होता है.
- बागुआ मिरर को बेडरूम के द्वार पर लाल धागे से बांधकर लगाने पर कमरे में नेगेटिव एनर्जी नहीं आती है. घर में सकारात्मक माहौल रहता है.
- यदि घर तिराहे, चौराहे या दक्षिण दिशा में हो, तो बागुआ शीशा लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम रहता है.
- जिस घर में बगुआ दर्पण लगा होता है, वहां सदस्यों को नजर दोष नहीं लगती.

- **इस बात का रखें ध्यान :** बगुआ दर्पण लगाएं तो इसकी साफ-सफाई का ध्यान रखें. यह गंदा नहीं होना चाहिए. कहीं टूट-फूट नहीं हो, अगर हो तो तुरंत दुरुस्त कराएं. इसका फ्रेम काला, नीला, लाल या गुलाबी ना हो. कोशिश करें कि फ्रेम हरा, सफेद या आसमानी हो.

आचार्य अजय मिश्रा

इस पक्ष में मिलता पितरों का आशीष

आश्विन कृष्ण पक्ष को 'पितृपक्ष' के रूप में माना जाता है. भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से पितरों का समय शुरू हो जाता है, जो अमावस्या तक रहता है. शुक्लपक्ष को पितरों की रात कहा गया है. मनुस्मृति में कहा गया है कि मनुष्यों के एक मास के बराबर पितरों का एक अहोरात्र (दिन-रात) होता है. इस माह में दो पक्ष होते हैं : कृष्णपक्ष और शुक्लपक्ष. मनुष्यों का कृष्णपक्ष पितरों के कर्म का दिन होता है, जबकि शुक्लपक्ष पितरों के सोने का समय होता है. यही कारण है कि आश्विन माह के कृष्णपक्ष-पितृपक्ष में पितृश्राद्ध करने का विधान है. इस समय पितरों को प्रतिदिन भोजन मिलता है, जिससे उनकी आत्मा को तृप्ति मिलती है. शास्त्रों में पितृपक्ष में श्राद्ध करने की विशेष महिमा लिखी गई है. इस पक्ष में अपने पितरों का श्राद्ध-तर्पण कर उनकी आत्मा को तृप्त करना प्रत्येक सनातन धर्मी के लिए अनिवार्य है.

- **श्राद्ध का महत्व और विधि**

पितृपक्ष में मृत्यु के दिन जो तिथि आती है, उस तिथि पर मुख्य रूप से तर्पण और पार्वणश्राद्ध करने का विधान है. यह एक प्राकृतिक जिज्ञासा है कि श्राद्ध में दी गई सामग्री पितरों को कैसे मिलती है, क्योंकि मृत्यु के बाद जीव को अलग-अलग योनियों में भेजा जाता है. कुछ देवता बन जाते हैं, कुछ पितर, कुछ प्रेत, कुछ हाथी, कुछ चींटी, कुछ चिनार के वृक्ष और कुछ तृण बन जाते हैं. इस संदर्भ में प्रश्न उठता है कि एक छोटे से पिण्ड से हाथी का पेट कैसे भर सकता है. या एक बड़ी चींटी इतनी बड़े पिण्ड को कैसे खा सकती है? देवता अमृत से तृप्त होते हैं, पिण्ड से उन्हें कैसे तृप्ति मिलेगी? शास्त्रों ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर दिया है कि नाम और गोत्र के आधार पर विश्वेदेव और अग्निष्वात्त जैसे दिव्य पितर हव्य-कव्य को पितरों तक पहुंचाते हैं. यदि पितर देवयोनिक हैं, तो दिया गया अन्न उन्हें अमृत के रूप में प्राप्त होता है. मनुष्य योनि में अन्न के रूप में और पशु योनि में तृण के रूप में उन्हें प्राप्ति होती है. नाग आदि योनियों में वायु के रूप में, यक्ष योनि में पान के रूप में, और अन्य योनियों में श्राद्धीय वस्तुएं भोगजनक तृप्ति प्रदान करती हैं. जैसे गोशाला में बछड़ा अपनी मां को ढूंढ ही लेता है, वैसे ही मंत्र द्वारा सामग्री जीव के पास पहुंच जाती है. नाम, गोत्र, श्रद्धा और उचित संकल्प से दिए गए पदार्थ मंत्रों द्वारा जीव के पास पहुँच जाते हैं. जीव चाहे कितनी भी योनियों में चला गया हो, तृप्ति तो उसके पास पहुंच ही जाती है.

- **पितरों के श्राद्ध का समय**

मृत्युतिथि और पितृपक्ष में तर्पण और श्राद्ध करना आवश्यक है. वर्तमान समय में अधिकांश लोग श्राद्ध को व्यर्थ समझते हैं और नहीं करते. जो लोग श्राद्ध करते हैं, उनमें से कुछ विधिपूर्वक और श्रद्धा के साथ श्राद्ध करते हैं, जबकि अधिकांश लोग इसे रस्म-रिवाज के रूप में करते हैं. वास्तव में, शास्त्रोक्त विधि से किया गया श्राद्ध ही सभी प्रकार के कल्याण को प्रदान करता है. अतः प्रत्येक

व्यक्ति को श्रद्धापूर्वक और समय पर सभी श्राद्धों को करना चाहिए. जो लोग सभी श्राद्ध नहीं कर सकते, उन्हें कम से कम मरणतिथि पर और आश्विन माह के पितृपक्ष में अपने मृत पितरों के लिए श्राद्ध अवश्य करना चाहिए.

- **पितृपक्ष के अंतर्गत आने वाले श्राद्ध**

पितृपक्ष में श्राद्ध करने की प्रक्रिया में पिता, पितामह (दादा), प्रपितामह (परदादा) और उनके साथ माता, दादी और परदादी जैसे कुल 6 व्यक्तियों का श्राद्ध किया जाता है. इसके अलावा, मातामह (नाना), प्रमातामह (परनाना), और वृद्ध प्रमातामह (वृद्ध परनाना) जैसे 6 और लोगों का श्राद्ध होता है. इसके अतिरिक्त, एक पीढ़ी और जोड़ी जाती है, जिसमें निकटतम संबंधियों के लिए तर्पण पिण्डदान किया जाता है. इसके साथ ही दो विश्वेदेव के भी खुट लगते हैं. इस प्रकार, नौ चट लगाकर पार्वणश्राद्ध सम्पन्न होता है. पार्वणश्राद्ध में नौ ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए. यदि केवल तीन ब्राह्मण उपलब्ध हों तो उन्हें भोजन कराया जा सकता है. अगर अच्छे ब्राह्मण न मिलें, तो कम से कम एक सन्ध्यावन्दन करने वाले सात्त्विक ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए.

- **श्राद्ध करने के लाभ**

जो प्राणी विधिपूर्वक और शांत मन से श्राद्ध करता है, वह सभी पापों से रहित होकर मोक्ष प्राप्त करता है और संसार के चक्र में वापस नहीं आता. इसलिए, प्राणी को पितरों की संतुष्टि और अपने कल्याण के लिए श्राद्ध अवश्य करना चाहिए. इस संसार में श्राद्ध से श्रेष्ठ कोई अन्य उपाय नहीं है. महर्षि सुमन्तु ने भी कहा है कि इस जगत में श्राद्ध से श्रेष्ठ कोई कल्याणकारी उपाय नहीं है, इसलिए बुद्धिमान व्यक्ति को यत्नपूर्वक श्राद्ध करना चाहिए. श्राद्ध न केवल जीवन को सुखमय बनाता है, बल्कि यह मुक्ति भी प्रदान करता है. यह पितरों को दीर्घ आयु, संतान, धन, विद्या, सुख, स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करता है.

अत्रिसंहिता के अनुसार, जो भी व्यक्ति पितृकार्य में संलग्न रहता है, वह निश्चित रूप से परमगति को प्राप्त होता है.

- **श्राद्ध न करने की हानि**

शास्त्रों ने श्राद्ध न करने की हानि को स्पष्ट रूप से बताया है, जिससे जानकर कोई भी व्यक्ति चिंतित हो सकता है. मृत व्यक्ति अपने साथ कोई स्थूल शरीर या पाथेय (अन्न-जल) नहीं ले जा सकता है. इसलिए, जो कुछ उसके सगे- संबंधी श्राद्धविधि से उसे देते हैं, वही उसे मिलता है. शास्त्रों ने मरणोपरांत पिण्डदान की व्यवस्था की है.

- **ब्राह्मण-भोजन से श्राद्ध की पूर्ति**

श्राद्ध की प्रक्रिया में दो मुख्य बातें हैं - पिण्डदान और ब्राह्मण भोजन. मृत्यु के बाद जो लोग देवलोक या पितृलोक में पहुंचते हैं, वे मंत्रों के माध्यम से बुलाए जाने पर उन लोकों से आकर निमंत्रित ब्राह्मणों के माध्यम से भोजन करते हैं. चूंकि वे सूक्ष्मग्राही होते हैं, भोजन के सूक्ष्म कणों के आघ्राण से उनका पेट भर जाता है. वेदों ने बताया है कि ब्राह्मणों को भोजन कराने से पितरों को यह भोजन प्राप्त हो जाता है. कम से कम एक सन्ध्यावन्दन करने वाले सात्त्विक ब्राह्मण को भोजन अवश्य कराना चाहिए.

- **धन की कमी में श्राद्ध की व्यवस्था**

धन की कमी के कारण श्राद्ध का अनुष्ठान नहीं कर पाना एक सामान्य समस्या हो सकती है. ऐसी स्थिति में शास्त्रों ने कुछ व्यवस्था की है. यदि अन्न या वस्त्र खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, तो शाक से श्राद्ध कर सकते हैं. अगर शाक खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं, तो तृण और लकड़ी बेचकर पैसे इकट्ठा करें और उन पैसों से श्राद्ध करें. अधिक श्रम से किया गया श्राद्ध अधिक फलदायी होता है. अगर लकड़ियां भी उपलब्ध नहीं हैं, तो घास से श्राद्ध किया जा सकता है. घास काटकर गायों को खिलाने का प्रावधान है, जैसा कि पद्मपुराण ने बताया है.

- **पितृश्राद्ध का अधिकार**

पितृश्राद्ध का अधिकार मुख्य रूप से पुत्र को होता है. कई पुत्र होने पर, अन्त्येष्टि से लेकर एकादशाह और द्वादशाह तक की सभी क्रियाएं ज्येष्ठ पुत्र को करनी चाहिए. विशेष परिस्थितियों में बड़े भाई की आज्ञा से छोटा भाई भी श्राद्ध कर सकता है. यदि सभी भाई संयुक्त परिवार में रहते हैं, तो वार्षिक श्राद्ध भी ज्येष्ठ पुत्र के द्वारा एक ही स्थान पर सम्पन्न हो सकता है. अलग- अलग परिवारों में, वार्षिक और अन्य श्राद्ध अलग-अलग करना चाहिए. यदि पुत्र नहीं हैं, तो शास्त्रों में श्राद्ध करने के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं दी गई हैं.

- **संक्षिप्त विधि**

सामान्यतः वर्ष में कम से कम दो बार श्राद्ध करना अनिवार्य होता है. इसके अतिरिक्त अमावस्या, व्यतीपात, संक्रान्ति आदि पर्वों के दिन भी श्राद्ध करने की विधि है. श्राद्ध की यह विस्तृत और महत्वपूर्ण विधि केवल पितरों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने जीवन और परलोक की भलाई के लिए भी अत्यंत आवश्यक है. पितरों की आत्मा को शांति और तृप्ति प्रदान करने के साथ-साथ, यह स्वयं की आत्मा के कल्याण का भी मार्ग प्रशस्त करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

चेस ओलंपियाड में भारत का जलवा, पुरुष व महिला दोनों वर्गों में जीता गोल्ड

भारत ने इतिहास रचते हुए पहली बार चेस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते हैं. भारत की पुरुष और महिला टीमों ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में अंतिम दौर में अपने अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर इस प्रतियोगिता में पहली बार स्वर्ण पदक जीता है. 45वां फिडे चेस ओलंपियाड हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में खेला गया, जिसमें 195 देशों की 197 टीमें पुरुष वर्ग में और महिला वर्ग में 181 देश की 183 टीमों ने हिस्सा लिया.

सचिन तेंदुलकर, प्रियंका गांधी ने भारतीय टीम को दी शुभकामनाएं

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) शतरंज ओलंपियाड में पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक हासिल करने पर भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं. भारत ने बुडापेस्ट में फिडे शतरंज ओलंपियाड में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए रविवार को पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए. सचिन ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा, दो स्वर्ण, एक राष्ट्र! शतरंज ओलंपियाड 2024 में पहला स्थान हासिल करने के लिए हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों को बधाई. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि पूरे देश को उन पर गर्व है.

प्रियंका ने एक्स पर लिखा, शतरंज ओलंपियाड में भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया. पुरुष टीम ने ओपन वर्ग में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में भी भारतीय टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता है. सभी खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई. पूरे देश को आप सभी पर गर्व है. जय हिंद. डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और पेंटाला हरिकृष्णा की भारतीय पुरुष टीम ने स्लोवेनिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता. गुकेश और एरिगैसी की जीत ने भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई और प्रज्ञानानंद की बाद की जीत और विदित के ड्रॉ ने 3.5-0.5 की जीत के साथ स्वर्ण पदक पक्का कर दिया. इस बीच, हरिका द्रोणावल्ली, आर वैशाली, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव की भारतीय महिला टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया. हरिका, दिव्या और वंतिका ने अपने-अपने मैच जीते, जबकि वैशाली ने अपना मैच ड्रॉ किया. महिला टीम ने 2022 में चेन्नई ओलंपियाड से अपने कांस्य पदक में सुधार किया. शतरंज ओलंपियाड में भारत के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में 2014 और 2022 में दो कांस्य पदक शामिल हैं. हालांकि, कोविड-19 के दौरान 2020 में एक ऑनलाइन ओलंपियाड में भारत ने रूस के साथ स्वर्ण पदक साझा किया था.

भारत आने से पहले न्यूजीलैंड को झटका, रचिन का टूटा दिल, पांचवें दिन 29 गेंदों में ही सिमटी कीवी टीम

न्यूजीलैंड चित्त, श्रीलंका ने पहले टेस्ट में हराया

एजेंसी। गाले

श्रीलंका ने स्पिनर प्रभात जयसूर्या की खतरनाक बॉलिंग की मदद से न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया. गाले में लंकाई टीम ने मैच को जीतकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली. कीवी टीम 275 रन के टारगेट के सामने 211 रनों पर सिमट गई. अगले महीने भारत में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने से पहले टिम साउदी की टीम के लिए यह हार चिंताजनक है. न्यूजीलैंड की हवा स्पिन पिच पर निकल गई है. अब दूसरा मुकाबला गाले में ही 26 सितंबर से खेला जाएगा. न्यूजीलैंड को मैच के आखिरी दिन 68 रनों की आवश्यकता थी, लेकिन उसकी आशाएं जल्द ही समाप्त हो गईं. लंकाई टीम ने न्यूजीलैंड के के प्रमुख खिलाड़ी रचिन रवींद्र को जल्दी ही आउट कर दिया. श्रीलंका ने मैच को समेटने में अंतिम दिन केवल 29 गेंदों का समय लिया. मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. उसने पहली पारी में 305 रन बनाए. न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 340 रन बनाकर 35 रन की लीड हासिल की. श्रीलंका ने दूसरी पारी में 309 रन बना दिए और न्यूजीलैंड को 275 रन का टारगेट दिया. जवाब में कीवी टीम 211 रनों पर ही सिमट गई.

रचिन रवींद्र की हुई पारी बेकार : दूसरी पारी में न्यूजीलैंड को बड़ी साझेदारी की आवश्यकता थी, लेकिन उसके खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए. केन विलियमसन (30), टॉम लाथम (28) और टॉम ब्लंडेल (30) ने टीम को निराश किया. एक छोर पर रचिन रवींद्र टिके रहे. वह 92 रन बनाकर आउट हुए. उनकी यह पारी टीम के लिए पर्याप्त नहीं थी. श्रीलंका के लिए जयसूर्या ने पांच विकेट लिए. उनके साथी स्पिनर रमेश मेंडिस ने तीन विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई.

भारत में तीन टेस्ट खेलेगी न्यूजीलैंड की टीम

न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी. पहला मुकाबला 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में खेला जाएगा. दूसरा टेस्ट मैच पुणे में 24 अक्टूबर से होगा. सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच एक नवंबर से मुंबई में होगा.

डब्ल्यूटीसी प्वॉइंट्स टेबल में श्रीलंका का धमाल, टॉप थ्री में पहुंची

- 2025 के जून में खेला जाएगा डब्ल्यूटीसी का फाइनल
- खिताब के लिए नौ टीमों के बीच टक्कर जारी

एजेंसी। नयी दिल्ली

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप-डब्ल्यूटीसी 2023-25 का फाइनल मैच अगले साल जून में खेला जाएगा. इस खिताब के लिए नौ टीमों के बीच टक्कर जारी है. टीम इंडिया इस समय बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. सीरीज का पहला मैच जीतकर टीम इंडिया फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में टॉप पर बनी हुई है. वहीं, श्रीलंका की टीम अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है. इस सीरीज का पहला मैच जीतकर श्रीलंकाई टीम ने डब्ल्यूटीसी की प्वॉइंट्स टेबल में उथल-पुथल मचा दी है.श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीम के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. श्रीलंका ने गॉल टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. दोनों टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला और खेल के आखिरी दिन विजेता का फैसला हुआ. गॉल टेस्ट में श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन वह इसके जवाब में 211 रन ही बना सकी. इस जीत का फायदा श्रीलंका की टीम को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में हुआ है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में श्रीलंका की टीम अब टॉप-3 में पहुंच गई है. श्रीलंका का जीत प्रतिशत अब 50 फीसदी हो गया है और वह चौथे से तीसरे नंबर पर आ गई है. वहीं, इस श्रीलंका की इस जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम टॉप-3 से बाहर हो गई है. न्यूजीलैंड की टीम का जीत प्रतिशत 50 फीसदी था, जो अब घटकर 42.86 हो गया है. श्रीलंका की टीम अब सिर्फ भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों से पीछे है. टीम इंडिया पहले नंबर पर बनी हुई है, वहीं ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर बरकरार है.

टीम इंडिया फाइनल में पहुंचने की बड़ी दावेदार

टीम इंडिया का जीत प्रतिशत इस समय 71.67 है. उसने 10 टेस्ट मैच खेले हैं और 7 मुकाबले में जीत भी हासिल की है. वहीं, दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है और एक मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ है. टीम इंडिया के पास अभी भी 9 टेस्ट मैच बचे हुए हैं, इसमें से 4 मैच तो उसे अपने घर पर ही खेलने है. ऐसे में टीम इंडिया के पास लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका है. वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम का जीत प्रतिशत 62.50 है. उसने 12 मैचों में से आठ मैचों में जीत हासिल की है. ऐसे में वह भी लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने की दावेदार है. हालांकि इस साल के अंत में उसे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की मेजबानी करनी है. इस सीरीज से बाद ही फाइनल की टीमों का फैसला हो पाएगा. दूसरी ओर पाकिस्तान और वेस्टइंडीज फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो चुकी हैं.

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच नियुक्त हुए टोनी पोपोविक

एजेंसी। मेलबर्न

फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को टोनी पोपोविक को पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है. वह तत्काल प्रभाव से यह जिम्मेदारी संभालेंगे. 51 वर्षीय पोपोविक का पहला काम 2026 फीफा विश्व कप के लिए एएफसी एशियाई क्वालीफायर का महत्वपूर्ण तीसरा दौर होगा. ऑस्ट्रेलिया अपने अगले विश्व कप क्वालीफायर में 10 अक्टूबर को एडिलेड में चीन की मेज़बानी करेगा. पोपोविक ने एक बयान में कहा, मैं मुख्य कोच के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व करने का अवसर पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं. यह एक ऐसी भूमिका है जो बड़ी जिम्मेदारी के साथ आती है, और मैं इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं. यह निस्संदेह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत गर्व का क्षण है.

स्पिनर शोएब कांगा ने लिए सभी 10 के 10 विकेट

मुंबई। मुंबई की प्रतिष्ठित कांगा लीग में बाएं हाथ के स्पिनर शोएब ने एक पारी में 10 के 10 विकेट ले लिए. कांगा लीग ई-डिवीजन में गौड़ सारस्वत क्रिकेट क्लब के लिए खेल रहे थे. गवर्नमेंट लॉ कॉलेज की पिच पर शोएब ने बिना ब्रेक के लगातार 17.4 ओवर गेंदबाजी की और जौली क्रिकेटर्स के सभी 10 बल्लेबाजों को आउट किया. टेस्ट क्रिकेट में जिम लेकर, अनिल कुंबले और एजाज पटेल ऐसा कर चुके हैं.

वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा बेयर लीवरकुसेन

एजेंसी। बर्लिन

बेयर लीवरकुसेन रविवार को बुन्देसलीगा में वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया. लीवरकुसेन ने शानदार शुरुआत की, लेकिन पांच मिनट बाद ही वह 1-0 से पीछे हो गया, जब डिफेंडर नॉर्डी मुकीले ने मोहम्मद अमौरा के खतरनाक हेडर को अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया. हालांकि मैच के 14वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने गोल कर लीवरकुसेन को 1-1 से बराबरी दिला दी. कुछ ही क्षणों बाद लीवरकुसेन ने वापसी की जब जोनाथन ताह ने एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो के पास पर हेडर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया. सेबेस्टियन बोर्नौ ने 37वें मिनट में हेडर के जरिये गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया. मैथियास स्वानबर्ग ने 18 मीटर की दूरी से गोल कर वोल्फ्सबर्ग को हाफटाइम के पहले 3-2 की बढ़त दिला दी. खेल पुनः शुरू होने के बाद, लेवरकुसेन के कोच ने पिएरो हिनकापी को मैदान में उतारा, जिन्होंने तुरंत दूसरे हाफ के चौथे मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया.

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 : टी20 क्रिकेट में निकोलस पूरन ने किया नया कारनामा

एक साल में लगाए 150 छक्के, बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी। कैनबरा

वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन इस समय कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल रहे हैं. इस लीग में उनका बल्ला जमकर चल रहा है. सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट के खिलाफ खेले गए मैच में भी उनके बल्ले से एक मैच विनिंग पारी देखने को मिली. इस पारी के दौरान निकोलस पूरन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. उन्होंने एक ऐसा कारनामा करके दिखाया है जो टी20 क्रिकेट में इससे पहले कोई भी बल्लेबाज नहीं कर सका था. निकोलस पूरन ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट के खिलाफ खेले गए मैच में 43 गेंदों पर नाबाद 93 रनों की पारी खेली. इस पारी के दम पर उनकी टीम 194 रन का टारगेट चेज करके मुकाबला जीतने में कामयाब रही. निकोलस पूरन ने इस मुकाबले के दौरान 6 चौके और 7 छक्के जड़े. इसी के साथ उन्होंने इस साल टी20 क्रिकेट में अपने 150 छक्के भी पूरे किए. बता दें, निकोलस पूरन टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बने हैं, जिसने एक साल में 150 छक्के लगाए हैं, इससे पहले कोई भी बल्लेबाज इस आंकड़ा के करीब नहीं पहुंच सका था.

सीपीएल 2024 में जमकर चल रहा बल्ला

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 में निकोलस पूरन का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है. वह फिलहाल अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उन्होंने 7 मैचों में 45.83 की औसत से 275 रन बनाए हैं. इस दौरान निकोलस पूरन के बल्ले से 2 अर्धशतक देखने को मिले हैं. उन्होंने ये रन 176.28 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 97 रन रहा है. वह इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने की लिस्ट में तीसरे नंबर पर बने हुए हैं. वहीं, उनकी टीम की बात की जाए तो त्रिनबागो नाइट राइडर्स 7 मैचों में 5 जीत के साथ चौथे नंबर पर है.

दिल की बात — यादगार कमबैक पर ऋषभ पंत ने किया अपनी भावनाओं का इजहार

मैं नर्वस था पर मुझे खुद को साबित करना था : पंत

एजेंसी। नयी दिल्ली

चेन्नई टेस्ट में भारत की शानदार जीत में ऋषभ पंत ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से सबका दिल जीता, बल्कि अपनी भावनाओं को भी खुलकर बयां किया. मैच के बाद उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में वापसी करते हुए वह नर्वस महसूस कर रहे थे. लेकिन उनके अंदर खुद को साबित करने की आग धधक रही थी. दिसंबर 2022 में जानलेवा कार एक्सीडेंट का शिकार हुए ऋषभ पंत की टेस्ट क्रिकेट में वापसी शानदार रही. बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में उन्होंने 109 रनों की शतकीय पारी खेली. बीसीसीआई ने पंत का एक वीडियो एक्स पर शेयर किया. इसमें पंत ने कहा, मैं बहुत घबराया हुआ था. लेकिन मेरे अंदर एक जज्बा और विश्वास था कि मुझे खुद को साबित करना है. पहली पारी में भी उन्होंने 39 रन जोड़े लेकिन वे इससे खुश नहीं दिखे. हालांकि, पंत ने दूसरी पारी में इसकी भरपाई कर दी और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के साथ 167 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की. पंत ने दूसरी पारी के दौरान 128 गेंदों का सामना किया और कुल 109 रन बनाए. इस पारी के दौरान उन्होंने 13 चौके और चार गगनचुंबी सिक्सर भी लगाए. उन्होंने कहा, यह शतक मेरे लिए काफी खास है. मुझे चेन्नई में खेलना बहुत पसंद है. चोट के बाद मैं तीनों फॉर्मेट में खेलना चाहता था और यह मेरी वापसी के बाद पहला टेस्ट मैच था. मैं हर दिन इसका आनंद ले रहा हूं.

शतक लगाने के बाद अपने जश्न के बारे में बात करते हुए पंत ने कहा, यह भावुक पल था. मैं हर मैच में रन बनाना चाहता हूं. टेस्ट क्रिकेट में वापस आकर काफी अच्छा महसूस हुआ. मैंने बस बल्लेबाजी का आनंद लिया लेकिन, शतक बनाने के बाद भावुक भी हो गया था. इसके साथ एक बात यह भी है कि मैदान पर मेरी मौजूदगी, हमेशा मुझे खुशी देती है. पंत के विस्फोटक प्रदर्शन और गिल की धैर्यपूर्ण पारी ने भारत की 280 रनों की विशाल जीत की नींव रखी, जिससे वह दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से आगे है. इस जीत की लय को कायम रखते हुए भारत शुक्रवार से कानपुर में शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच को जीतकर श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगा.

कानपुर में खिलाड़ियों का रुद्राक्ष माला पहनाकर होगा स्वागत

- ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक खेला जाएगा टेस्ट मैच

एजेंसी। कानपुर

ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट मैच खेला जाएगा. इसको लेकर ग्रीन पार्क स्टेडियम से लेकर होटल लैंडमार्क तक तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, क्योंकि दोनों टीमों के खिलाड़ी होटल लैंडमार्क में ठहरेंगे. होटल प्रशासन ने खिलाड़ियों के स्वागत और आरामदायक ठहराव के लिए विशेष इंतजाम किए हैं. मैच की शुरुआत 27 सितंबर से होनी है, और दोनों टीमें 24 सितंबर को कानपुर पहुंचेंगी. खिलाड़ियों के ठहरने का इंतजाम होटल लैंडमार्क में किया गया है. भारतीय टीम का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया जाएगा, जिसमें राम धुन, शंख ध्वनि, रुद्राक्ष की माला, पटका, हल्दी और चंदन से तिलक लगाया जाएगा. वहीं, बांग्लादेश टीम का भी तिलक और पटका पहनाकर स्वागत किया जाएगा.

खिलाड़ियों की सुविधा के लिए खास व्यवस्थाएं: होटल लैंडमार्क में भारतीय और बांग्लादेशी खिलाड़ियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान उन्हें खास बेवरेज और ठंडे तौलिए प्रदान किए जाएंगे ताकि गर्मी से राहत मिल सके. खिलाड़ियों के आराम और फिटनेस का ख्याल रखते हुए जिम की व्यवस्था भी की गई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से तीसरा चंद्र है. मानसिक तनाव वाला दिन है. किसी से बहस से चिड़चिड़ापन बढ़ेगा. कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. कार्य पूर्ण करने के लिए किसी की मदद लेनी होगी.

वृष कार्य और प्रयास सफल होगा. तनाव लगातार बढ़ता जाएगा. बेहतर होगा कहीं घूमने चले जाएं. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. मौज-मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे. अन्न का दान करें.

मिथुन समय उत्तम है. धन का आगमन होगा. खर्च अधिक होगा. साथ धन का आगमन होगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. गुड़ का दान शिव मंदिर में करें.

कर्क समय अनुकूल है. कोई बड़ा कार्य करने के लिए समय अनुकूल है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. संतान सुख की प्राप्ति संभव.

सिंह नेत्र रोग से बचें. खर्च संभाल कर करना चाहिए. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधिनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. योग का सहारा लिया जा सकता है.

कन्या किसी अजनबी का कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुड़ी निजी बातें आज सामने आ सकती हैं. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी. कोई बिगड़ा कार्य बनने से मन में खुशी होगा. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

तुला किसी बड़े कार्य होने से मन खुश रहेगा. साथ ही प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. मेहनत ज्यादा करें और अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे.

वृश्चिक ससुराल से कोई बड़ा लाभ या कार्यक्रम का योग है. समय बहुत अनुकूल होगा. भाग्य साथ है, पर स्वयं अपने आप पर से नियंत्रण खो देंगे. मित्रों से मतभेद हो सकते हैं. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग है. इष्ट बल मजबूत करें.

धनु कोई मानसिक तनाव हो सकता है. किसी से विवाद से मानहानि हो सकता है. समय के साथ स्थिति आपके अनुकूल बनेगी. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है.

मकर किसी से कोई विवाद हो सकता है. मानहानि से बचें. जरूरतमंद लोगों की मदद करें. मांगलिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. पैसों की लेन देन संभव. खान-पान पर ध्यान दें.

कुंभ विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमन हो सकता है. जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. समय धन देगा पर धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें. माता लक्ष्मी को जल और गुलाब फूल अर्पण करें.

मीन धार्मिक कार्यों में लोगों से प्रोत्साहन मिलेगा. किसी मित्र या परिवार के लोगों से मुलाकात होगी, जिससे मन खुश होगा. आपके प्रयास से पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. बुरी संगत छोड़ दें.

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा की पहल पर एकजुट हुए आदिवासी समाज के लोग

जनजाति को हिंदू कहने पर भड़का आदिवासी समाज, पैदल मार्च किया, पुतला फूंका

संवाददाता। रांची

जनजाति को हिंदू कहने पर आदिवासी समाज में आक्रोश है. सोमवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के सामने राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के बुलावे पर आदिवासी समाज के सैंकड़ो लोग एकजुट हुए. यहां से पैदल मार्च शुरू हुआ, जो अलबर्ट एक्का चौक पहुंचा. चौक पर पर वनवासी कल्याण आश्रम के संचार प्रमुख प्रमोद पेटकर का पुतला फूंका गया. मार्च की अगुवाई सरना प्रार्थना सभा रांची महानगर की अध्यक्ष चंपा कुजूर ने किया. मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आदिवासी न कभी हिंदू थे, न हैं और न आगे रहेंग. प्रमोद पेटकर आदिवासी विरोधी हैं, इसीलिए उन्होंने आदिवासी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की. उन्होंने कहा है कि देश का जनजाति सांज हिंदू है. झारखंड, ओडिशा और बंगाल के आदिवासियों को सरना धर्म कोड की आवश्यकता नहीं है. उनके इस बयान से आदिवासी समाज आक्रोशित है.

अधिवक्ता दिनेश मुंडा ने कहा कि आदिवासी हिंदू नहीं हैं, क्योंकि आदिवासी समाज का पर्व-त्योहार,धर्म -संस्कृति, रीति रिवाज ,जन्म -मृत्यु संस्कार कस्टमरी लॉ से चलता है.आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है, न कि मूर्तिपूजक.आदिवासी समाज सभी धर्मों को मान- सम्मान देता है. सचिव अर्जुन गाड़ी ने कहा कि आदिवासी समाज को हिंदू कहनेवालों को चिह्नित किया जाएगा. समाज की अवहेलना करने, मजाक उड़ानेवाले को अब किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. यही कारण है कि आज भाजपा को लोकसभा की पांच आदिवासी सीटें गंवानी पड़ी. यदि भाजपा नेताओं ने फिर से वैसी ही गलती की, तो आनेवाले विधानसभा चुनाव में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ेगा. मौके पर ज्ञान मुंडा, दुर्गा उरांव, फूलो कच्छप, पवन टोप्पो, सचिव अर्जुन गाड़ी, महासचिव मंगा उरांव, करमा गाड़ी, संगीता मुंडा, कोषाध्यक्ष सुधीर उरांव मौजूद थे.

झारखंड में लव जिहाद और लैंड जिहाद की सरकार : अनुराग ठाकुर

कहा- घुसपैठियों के कारण बदल रही संथाल की डेमोग्राफी

- उटारी रोड में पूर्व केंद्रीय मंत्री का राज्य सरकार पर निशाना

संवाददाता। पलामू

पूर्व केंद्रीय मंत्री सह भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार लव जिहाद और लैंड जिहाद की सरकार है. इस सरकार ने राज्य की की जनता को ठगने का काम किया है. ठाकुर सोमवार को उंटारी रोड में भाजपा की परिवर्तन संकल्प रैली सह जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा समाप्त होगी. इस अवसर पर झारखंड की गद्दी से भ्रष्ट सरकार को हटा कर स्वच्छता अभियान चलाने का संकल्प लेंगे.

संथालपरगना में अदिवासियों की आबादी 14% घटी : उन्होंने कहा कि संथालपरगना क्षेत्र में रोहिंग्या मुसलमान बस रहे हैं. इस क्षेत्र से आदिवासी भागने को मजबूर हो रहे हैं. यही कारण है कि आज उनकी अबादी 42% से घट कर होकर 28% की संख्या हो गई है. विदेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या के करण संथाल क्षेत्र की डेमोग्राफी बदल रही है और राज्य की हेमंत सरकार जन कल्याण नहीं, बल्कि जिहादी कल्याण कर रहे हैं. अनुराग ठाकुर ने कहा कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि 1932 के खतियान पर झारखंडियों को नौकरी देंगे, लेकिन नौकरी नहीं दी. हर महीने बेटियों के खाते में 2000 रुपये देने की बात कही थी. अब चुनाव को देखते हुए 1000 रुपये दे रहे हैं.

पलामू के उटारी रोड में जनसभा को संबोधित करते सांसद अनुराग ठाकुर.

ट्रांसफर-पोस्टिंग और टेंडर घोटाले का चल रहा खेल

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल, जंगल, जमीन को लूटने का काम कर रही है. इस सरकार में ट्रांसफर-पोस्टिंग और टेंडर घोटाले का खेल चल रहा है. इस सरकार में अधिकारी के घर से 18 करोड़ और उनके नेता के घर से 300 करोड़ रुपये मिलते हैं. उन्होंने कहा कि इस सरकार में पेपर लीक और अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए इंटरनेट बंद कर दिया जा रहा है. नीट का पेपर लीक का मास्टरमाइंड झारखंड से ही पकड़ाता है. उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में भर्ती के नाम पर 14 नौजवानों को मार डाला गया. एक सवाल के जवाब में तिरुपति मामले की भी निष्पक्ष जांच की मांग की.

16वीं झारखंड राज्य पुलिस खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतियोगिता में 1500 खिलाड़ी लेंगे भाग

संवाददाता । रांची

डोरंडा स्थित जैप-एक में सोमवार को 16वीं झारखंड राज्य पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दो दिवसीय (24 और 25 सितंबर) प्रतियोगिता का उद्घाटन किया. इस मौके पर जैप एडीजी प्रिया दुबे, जैप आईजी राजकुमार लकड़ा, जैप डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल, जैप कमांडेंट राकेश रंजन समेत कई पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे. इस खेलकूद प्रतियोगिता में करीब 1500 पुलिस खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. बेहतर खेलने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली टीम के लिए किया जायेगा. खेलकूद प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, पेंचाक सिलाट, योग, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, कबड्डी, क्रास कंट्री, मैराथन, हैंडबॉल, तीरंदाजी, खो-खो, एथलेटिक्स, जिमनास्टिक, बॉक्सिंग, जूडो, वुशु, ताइक्वांडो, वेटलिफ्टिंग, कराटे, बॉडीबिल्डिंग और पावरलिफ्टिंग शामिल हैं.

जैप 2 के खेल ग्राउंड में लगाया जाएगा टर्फ : मंत्री

मौके पर खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा की जैप 2 के खेल ग्राउंड में टर्फ लगाया जाएगा. वहीं उन्होंने वहां स्विमिंग पूल निर्माण की भी बात कही. उन्होंने खिलाड़ियों को कैश अवार्ड और झारखंड खेल नीति के तहत सीधी नियुक्ति देने की बात कही. इस दौरान प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी.

एक पेड़ मां के नाम अभियान : सीसीएल में अर्पिता महिला मंडल ने किया पौधरोपण

रांची। सीसीएल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अर्पिता महिला मंडल ने सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस परिसर में पर्यावरण को समर्पित पौधरोपण किया. कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व का सम्मान करना और माताओं के नाम पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना था. सीसीएल की प्रथम महिला और अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह ने इस अभियान का नेतृत्व किया. अर्पिता महिला मंडल की सदस्यों ने कार्यालय परिसर में सक्रिय रूप से पौधरोपण किया. इस अवसर पर रीता मिश्रा, शशि दुहन, किरण झा, इंदु मिश्रा, रूपा रानी, अर्पिता महिला मंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने की बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना

देवघर । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के नई दिल्ली से देवघर पहुंचने पर बाबा बैद्यनाथ एयरपोर्ट पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने स्वागत किया. गंगवार ने रविवार को दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की, साथ ही समस्त राज्यवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की.

सीएनटी एक्ट उल्लंघन मामले में कार्रवाई की लगाई गुहार

हजारीबाग। रिटायर्ड डीएसपी अमल अजित कुमार सोरेन ने पूर्व विधायक पर आदिवासी की जमीन हड़पने का आरोप लगाया है. इस संबंध में उन्होंने मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव, डीसी और एसपी को भेजे आवेदन में कहा है कि उनके पिता स्व. गोपाल गमेलिवल सोरेन, हजारीबाग के निवासी थे, जिसका कुल रकबा 54 डिसमिल है. सन 29 सितंबर 1938 में क्राइस्ट कालयानी तिर्की से खरीदा गया, जिसका आम मुकतरनामा सत्यवती तिर्की ने उन्हें दिया है. क्राइस्ट तिर्की की खाता तीन प्लॉट नम्बर 906 की भूमि पर टीएस 73/2016 वर्तमान में न्यायालय में लंबित है. दुर्भाग्यवश वर्तमान में उनके उपरोक्त भूमि पर योगेन्द्र साव की कुदृष्टि है. वे मेरे आदिवासी भूमि को हड़पने का प्रयास करते रहते हैं.

- रिटायर्ड डीएसपी ने पूर्व विधायक योगेंद्र साव पर आदिवासी जमीन लूटने का लगाया आरोप

रांची सहित राज्य के आठ जेलों का होगा जीर्णोद्धार, गृह विभाग ने राशि आवंटित की

संवाददाता। रांची

झारखंड के आठ जेलों में जीर्णोद्धार का काम होगा. इसको लेकर झारखंड गृह विभाग ने 3.24 करोड़ की राशि आवंटित की है. गृह विभाग ने अपने जारी आदेश में कहा है कि इस राशि की निकासी और खर्च करने की जिम्मेदारी जेल अधीक्षक की होगी. जिला अधीक्षक संबंधित जिला कोषागार से राशि निकासी कर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर करायेंगे.

किस जेल में कितनी लागत से मरम्मत

- बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची में बाउंड्री वॉल की मरम्मत- 84 लाख
- खूंटी जेल में टॉयलेट मरम्मत का कार्य- 22 लाख
- घाटशिला जेल में अस्पताल की मरम्मत- 22 लाख
- जामताड़ा जेल में अस्पताल भवन की मरम्मत- 62 लाख
- सरायकेला जेल में अस्पताल का जीर्णोद्धार : 23 लाख
- खूंटी जेल में अस्पताल की मरम्मत- 11 लाख
- बोकारो के चास जेल की मरम्मत- 48 .45 लाख
- कोडरमा जेल में अस्पताल का जीर्णोद्धार- 30 .43 लाख
- पलामू जेल में अस्पताल की मरम्मत- 21.84 लाख

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का अल्टीमेटम

मांगों को लेकर 30 को घेरेंगे सीएम आवास

संवाददाता। रांची

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की समीक्षा बैठक डोरंडा स्थित कार्यालय में हुई, जिसमें मांगों पर विचार-विमर्श किया गया. निर्णय लिया गया कि 25 सितंबर तक झारखंड आंदोलनकारियों के जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने, राजकीय मान- सम्मान ,अलग झारखंडी पहचान, बेटा बेटियों के सौ प्रतिशत रोजी रोजगार नियोजन की गारंटी देने और एक-एक आंदोलनकारी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु. देने की दिशा में पहल नहीं हुई, तो 30 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का निर्णय लिया गया है. प्रत्येक आंदोलनकारी परंपरागत अस्त्र शस्त्र के साथ जुटेंगे. बैठक की अध्यक्षता करते हुए विदेशी महतो ने कहा कि अस्मिता की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई स्वयं लड़ेंगे और अपने संघर्ष के बल पर ही अपने अधिकारों को लेकर रहेंगे.

मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष करते हुए अपनी पहचान व मान-सम्मान के सवाल पर शहादत देने के लिए तैयार हैं. 30 सितंबर को झारखंड आंदोलनकारी अपना अधिकार मिलने के बाद ही विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जायेंगे. केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपने शेष समय को विशेष बनाते हुए अपने मान सम्मान, अलग पहचान, रोजी- रोजगार नियोजन के अधिकार की रक्षा के लिए 30 सितंबर को सड़कों पर उतरेंगे. दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की, पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष बालकिशुन उरांव ने भी अपने विचार रखे. बैठक में जिदन कोल, श्याम बिहारी प्रजापति, बुधन कोल, कार्तिक महथा आदि ने हिस्सा लिया.

टंडवा में भूमि सत्यापन मामले में बीस सूत्री अध्यक्ष को नोटिस

ग्रामीणों ने फर्जीवाड़ा का लगाया आरोप

विनित आभा उपाध्याय । रांची

भूमि घोटाले से जुड़े मामले में झारखंड में ईडी और एसीबी लगातार कार्रवाई कर रही है. इसके बावजूद चतरा जिले के टंडवा में काजगात का फर्जीवाड़ा कर भूमि घोटाला रुकने का नाम नहीं ले रहा है. ताजा मामला चतरा जिला के टंडवा कोयलांचल के सरकारी गैरमजरूआ व आदिवासी भूमि को जालसाजी और फर्जीवाड़ा कर सत्यापन किये जाने के मामले पर पीड़िता ने बड़ा खुलासा किया है. चतरा जिला प्रशासन ने टंडवा के बीस सूत्री अध्यक्ष सुखदेव यादव उर्फ सुभाष यादव सहित उनके पूरे परिवार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है.

नोटिस में कहा गया है कि टंडवा अंचल के मौजा के राहम चातर में खाता नंबर 389 प्लॉट संख्या 2599 जिसका कुल रकबा 4.40 एकड़, भूमि पर कायम अवैध जमाबंदी रद्द करने के लिए गांव के ही सीटन यादव व उगन यादव ने अपील दायर की है. नोटिस मिलने के बाद भी सुभाष यादव अपने पद का दुरुपयोग कर नोटिस का जवाब नहीं दे रहे हैं. चतरा जिले में मगध आम्रपाली प्रोजेक्ट में सरकारी और गैरमजरूआ भूमि का फर्जीवाड़ा करके फर्जी हुकुमनामा तैयार कर नौकरी लेने के मामले में भी एसबी की जांच जारी है.

कोल वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

चतरा । तेज रफ्तार कोल वाहन ने बाइक सवार युवक को चपेट में ले लिया. दुर्घटना में युवक की मौत हो गई. जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के पदमपुर पंचायत अंतर्गत बुकरु निवासी गौतम सिंह के पुत्र रामप्रवेश सिंह टंडवा से सोमवार दोपहर वापस गांव लौट रहे थे. इसी दौरान आम्रपाली के बिंगलात स्थित गेट के समीप कोल वाहन ने युवक को चपेट में ले लिया. घटना के बाद कोल वाहन युवक को बाइक सहित घसीटते हुए सौ मीटर से अधिक दूरी तक अपने साथ ले गया. मानवता का परिचय देते हुए टंडवा प्रमुख रीना देवी ने अपने वाहन से घायल को अस्पताल पहुंचाया. मृतक टीवीएस क्रेडिट नामक कंपनी में लोन रिकवरी एजेंट का काम करता था. घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आम्रपाली एक नंबर गेट को जाम कर दिया, जिससे आम्रपाली से कोयला दुलाई ठप हो गई.

पेज एक का शेष...

कल्पना ने गढ़वा से भरी हुंकार...

कश्मीर में वोट के लिए भाजपा मां सम्मान योजना लाती है और यहां पर पीआईएल : दीपिका : मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने कहा कि मंईयां सम्मान यात्रा झारखंड की राजनीति में लिखी जानी है. यह झारखंड के महिलाओं के सम्मान, अधिकार और बराबरी का अधिकार दिलाने में एक अहम प्रयास है.महिलाएं अपने घरों में अपने दायित्व को देखती हैं. महिलाएं अब राजनीति में भी सामने आ रही हैं. राज्य के मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन ने सभी बहनों-भाइयों के लिए सबकुछ किया. लेकिन भाजपा नेताओं के पेट में दर्द हो रहा है. मगर कश्मीर में वोट मांगने जाते हैं, तो वहां पर मां सम्मान योजना की घोषणा करते हैं. यह दोहरी नीति महिलाएं अब नहीं बर्दाश्त नहीं करेंगी. कोई भी योजना हमारी सरकार लाती है, तो उसके खिलाफ पीआईएल होता है और उसके बाद बोरे भर-भर के नोट देने का काम ये भाजपा वाले करते हैं.

हमारी जनता उन्हें पैदल करके भेज देगी : मिथिलेश ठाकुर : मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि जितनी भी महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत पलामू की पावन धरती से हुई. पलामू प्रमंडल के साथ हमेशा सौतेला व्यावहार हुआ. बिहार के समय से यह चलता रहा. आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि गढ़वा जिला अब किसी से पीछे नहीं है और इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जाता है. मंईयां सम्मान योजना यात्रा शुभारंभ भी गढ़वा हो रहा है. हमारे मुख्यमंत्री ने जेल जाना पंसद किया, मगर मान-सम्मान से समझौता नहीं किया. चंपाई सोरेन को बागडोर सौंप कर जेल चले गए. उन्हें हम सब ने मिलकर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया. हमारे हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए और इसके बाद खरीद-फरोख्त करके उन्हें अपने दल में ले गए. आज जो परिवर्तन यात्रा वाले लोग घूम रहे हैं, हमारे लोगों ने उन्हें पैदल करने का काम किया.

कार्यकर्ताओं ने किया परिवर्तन यात्रा स्वागत

कोडरमा । जिले के जयनगर प्रखंड के थाना मोड पर भाजपा नेता सुरेन्द्र भाई मोदी, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ परिवर्तन यात्रा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. भाजपा समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा जिंदाबाद के नारे लगाए. तत्पश्चात पिपचो चौक, तेतरौन मोड के रास्ते परसाबाद, बेडोकला, पलमा होते हुए कपका मैदान पहुंचा, जहां एमपी के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी आदि के कार्यक्रम में शामिल हुए. मौके पर जिप सदस्य कुमकुम देवी, राजेन्द्र सिंह, सुरेंद्र प्रसाद मोदी, सदानंद सिंह, संतोष साव, बीरेंद्र कुमार, संजय साव, सुनील सिंह, उमेश मोदी, राजू राणा आदि मौजूद थे.

बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री...

क्या है पूरा मामला और किस तरह से सुप्रीम कोर्ट में यह मामला पहुंचा यह आदेश एनजीओ जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन अलायंस द्वारा हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ दायर अपील में पारित किया गया था, जिसमें कहा गया था कि निजी तौर पर चिल्ड्रन पोर्नोग्राफी देखना अपराध नहीं है. हाईकोर्ट के उस फैसले में न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने कहा था कि किसी के व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर चिल्ड्रन पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना या फिर उसे सिर्फ देखना पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के तहत अपराध नहीं है. हाईकोर्ट ने एस हरीश नामक व्यक्ति के खिलाफ शुरू हुई कार्यवाही को रद्द करते वक्त यह टिप्पणियां की थीं. हरीश के खिलाफ अपने मोबाइल पर दो चाइल्ड पोर्नोग्राफी वीडियो डाउनलोड करने और देखने के लिए पॉक्सो अधिनियम और आईटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. मार्च में इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट की टिप्पणी घृणास्पद थी.

देश में करें सेक्स एजुकेशन की शुरुआत : सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसले में एक अहम टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार सेदेश भर में सेक्स एजुकेशन प्रोग्राम लागू करने का भी आह्वान किया है. कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने पर विचार करे. पीठ ने कहा कि भारत में यौन शिक्षा के बारे में गलत धारणाएं व्यापक तौर पर अपनी पैठ बनाए हुए हैं. यहां लोग सामाजिक कलंक की वजह से यौन स्वास्थ्य के बारे में खुल कर बात करने से कतराते हैं, जिसके परिणामस्वरूप किशोरों के बीच यौन स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की गलतफहमियां पैदा होती हैं और वे कई बार गलत रास्ते पर चले जाते हैं. पीठ ने टिप्पणी की कि रूढ़िवादी समाज में माता-पिता और शिक्षकों समेत अधिकांश लोग सेक्स पर चर्चा करना गलत, अनैतिक या शर्मनाक महसूस करते हैं.

शुभारंभ सरकार की ओर से मंईयां सम्मान यात्रा का श्रीगणेश सोमवार को किया गया

कृषि मंत्री व कल्पना ने की श्री बंशीधर मंदिर में पूजा

संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

झारखंड सरकार की ओर से मंईयां सम्मान यात्रा का श्रीगणेश सोमवार को यहां श्री बंशीधर नगर से किया गया. यात्रा का शुभारंभ करने श्री बंशीधर नगर पहुंचे सूबे के महिला बालविकास मंत्री बेबी देवी, पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, कृषि मंत्री दीपिका सिंह पांडेय एवं गांडेय विधायक व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने सबसे पहले श्री बंशीधर मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य में अमन चैन खुशहाली के साथ-साथ झारखंड में फिर से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिये श्री बंशीधर जी से कामना की. मंदिर में आचार्य सत्यनारायण मिश्र के वैदिक मंत्रोचार के बीच सभी ने श्री बंशीधर जी की विधिवत पूजा अर्चना के साथ-साथ श्री राधा बंशीधर जी युगल सरकार की आरती उतारी. पूजा अर्चना करने के बाद श्री बंशीधर सूर्य मंदिर ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट के संरक्षक पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, दीपक प्रताप देव एवं ट्रस्ट के सलाहकार धीरेंद्र कुमार चौबे ने मंत्रीद्वय एवं विधायक कल्पना सोरेन को चुनरी ओढाकर एवं श्री बंशीधर जी की तस्वीर भेंट कर मंदिर में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. मौके पर जिप अध्यक्ष शांति देवी, झामुमो नेता ताहिर अंसारी, महिला जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, सोगरा बीबी, किरण देवी, मंदिर के पदाधिकारी सुरेश विश्वकर्मा आदि मौजूद थे.

पूजा-अर्चना करतीं विधायक कल्पना सोरेन व अन्य

न्यूज अपडेट

मोदी टेक सीईओ की बैठक में शामिल हुए

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ के साथ बैठक में भारत और अमेरिका के बीच कटिंग-एज टेक्नोलॉजी जैसे कि एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने के लिए पीएम मोदी ने इस राउंडटेबल बैठक में हिस्सा लिया. पीएम गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और एडोबी के सीईओ शांतनु नारायण से भी मिले. बैठक में आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा, एएमडी की सीईओ लिसा सु, मॉडर्ना के सीईओ नूबर अफयान भी मौजूद रहे.

एक्टर चिरंजीवी को किया गया सम्मानित

नयी दिल्ली। फिल्म स्टार चिरंजीवी कोनिडेला को भारतीय फिल्म जगत में उनके बेहतरीन काम के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से सम्मान दिया गया. ये सम्मान रविवार को हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया. फिल्म स्टार आमिर ख़ान ने ये सर्टिफिकेट चिरंजीवी को दिया. 156 फिल्मों में 537 गानों पर 24000 डांस मूव्स के लिए मेगास्टार चिरंजीवी का नाम गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ. चिरंजीवी ने कहा कि मैं ये पल कभी भूल नहीं पाऊंगा. डांस के लिए सम्मानित होना बहुत शानदार है.

स्वतंत्र अभिव्यक्ति लोकतंत्र की पहचान

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित ने हाल ही में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल की ओर से आयोजित सोली जे. सोराबजी मेमोरियल लेक्चर में कहा कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार लोकतंत्र की पहचान है और जाने-माने न्यायविद और भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल सोली जे. सोराबजी इस अधिकार के पक्के समर्थक और समर्थक थे. असहमति के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा पर उनका लेखन ग्रीस में लोकतंत्र की नींव पर ही आधारित था.

राजनयिकों के काफिले पर आतंकी हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत से राजधानी इस्लामाबाद जा रहे विदेशी राजनयिकों के काफिले को निशाना बनाकर आतंकियों ने हमला किया है. आतंकियों द्वारा किए गए विस्फोट में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रविवार को खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में एक एडवांस स्काउट पुलिस वाहन पर एक आईईडी विस्फोट हुआ, जिसके कारण पुलिस के कई जवान हताहत हुए हैं.

गहरी खाई में गिरी बस, चार की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के सेमाडोह के पास एक बस खाई में गिर गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से ज्यादा घायल हो गए. इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बस अमरावती से खंडवा जा रही थी. इसी दौरान बस एक घुमावदार सड़क पर नियंत्रण खोने के बाद 60 से 70 फीट गहरी खाई में गिर गई. सूचना पर पहुंची टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया. बस में करीब 50 से 55 यात्री सवार थे.

ट्रंप बोले, हारे तो फिर चुनाव नहीं लड़ेंगे

नयी दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रंप ने कहा कि अगर वो नवंबर में हार जाते हैं, तो वो 2028 का राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ेंगे. 78 साल के ट्रंप लगातार तीन अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हैं. एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि अगर वो कमला हैरिस से हार जाते हैं तो क्या दोबारा चुनाव लड़ेंगे. तो इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता.

संघ से सवाल पर नकवी का पलटवार

नयी दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को काम में जोरी और विरोध में हीरो बताया. दिल्ली के पूर्व सीएम ने रविवार को जंतर-मंतर पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछे थे. इसे लेकर नकवी ने कहा कि जो लोग अब तक काम में जीरो रहे हैं, वे अब धरने में हीरो बनने में लगे हैं. जो कुछ भी करने में विफल रहे हैं, वे अब विरोध प्रदर्शनों का खेल खेलने लगे हैं, विरोध प्रदर्शनों के खेल में अपनी विफलताओं का हिसाब कौन दे?

यौन उत्पीड़न के अभियुक्त की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में पुलिस का कहना है कि बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण मामले के अभियुक्त अक्षय शिंदे की मौत हो गई है. पुलिस का कहना है कि आरोपी अक्षय शिंदे को पुलिस तलोजा अस्पताल से ले जा रही थी, तभी उसने बंदूक़ छीन कर अपनी जान लेने की कोशिश की. इसके बाद हुई गोलीबारी में अक्षय शिंदे की मौत हो गई है. गोलीबारी के बाद अक्षय शिंदे को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले जाया गया.

सांसद वीणा देवी के बेटे की हादसे में मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर से एलजेपी (आर) सांसद वीणा देवी के बेटे छोटू सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई है. वीणा देवी वैशाली से सांसद हैं. ये हादसा मुजफ्फरपुर जैतपुर के पौखरेरा में हुआ है. घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है. जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरपुर के जैतपुर थाना क्षेत्र के दिनेश्वर पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसे में वैशाली सांसद वीणा देवी और एमएलसी दिनेश सिंह के बेटे छोटू सिंह की मौत हो गई है.

आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री का पदभार संभाला, कहा-इस कुर्सी को अरविंद केजरीवाल की वापसी का इंतजार रहेगा

भरत जी ने खड़ाऊं रख सिंहासन संभाला था, उसी तरह मैं भी संभालूंगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि जिस तरह भरत जी ने खड़ाऊं रखकर सिंहासन संभाला, उसी तरह मैं सीएम की कुर्सी संभालूंगी. आतिशी ने सोमवार को सीएम के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया. उन्होंने साफ कर दिया कि भले ही वह अभी सीएम हैं, लेकिन सर्वोच्च स्थान पर अरविंद केजरीवाल ही हैं. आतिशी के बगल में एक खाली कुर्सी भी थी. उन्होंने कहा कि यह कुर्सी केजरीवाल की वापसी तक इसी कमरे में रहेगी. इस कुर्सी को केजरीवाल का इंतजार रहेगा. इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने तंज़ कसते हुए इसे संविधान का अनादर बताया है.

भाजपा ने केजरीवाल की छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी : आतिशी ने अपने मन को राम के भाई भरत की व्यथा से जोड़ते हुए कहा कि भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर कीचड़ उछालने में कोई कसर नहीं छोड़ी. आतिशी ने कहा कि मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है. आज मेरी पीड़ा वैसी ही है जैसी भरत की थी जब भगवान राम 14 वर्ष के लिए वनवास गये थे और भरत को कार्यभार संभालना पड़ा था. जैसे भरत ने 14 वर्ष तक भगवान राम की पादुकाएं संभाल कर रखीं और कार्यभार संभाला, वैसे ही अगले चार महीने मैं भी उसी तरह दिल्ली सरकार चलाऊंगी.

मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता फिर से केजरीवाल को मुख्यमंत्री चुनेगी : आतिशी ने कहा कि पिछले दो साल से भाजपा ने अरविंद केजरीवाल की छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. उन पर झूठे मुकदमे लगाये गये, उन्हें गिरफ्तार किया गया और छह महीने के लिए जेल में डाल दिया गया. अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि जब तक दिल्ली की जनता उनकी ईमानदारी पर भरोसा नहीं जताती, तब तक वे सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे. इसलिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया. मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता उन्हें फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री चुनेगी. तब तक कुर्सी इसी पद पर रहेगी और अरविंद केजरीवाल का इंतजार करेगी.

आईडीएफ की एयर स्ट्राइक के बाद हिज्बुल्लाह ने भी किए जवाबी हमले

हिज्बुल्लाह के 300 ठिकानों पर बमबारी, 182 लोगों की हुई मौत

एजेंसियां। बेरुत/तेहरान

गाजा में फिलीस्तीन के साथ जारी जंग के बीच इजरायल ने मिडिल ईस्ट देश लेबनान में हिज्बुल्लाह संगठन के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है. इजरायल की मिलिट्री ने सोमवार को एक बयान जारी कर एयर स्ट्राइक की जानकारी दी. इजरायल के डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि सोमवार सुबह 6:30 (स्थानीय समयानुसार भोर 3:30 बजे) से सुबह 7:30 बजे के बीच हिज्बुल्लाह के 300 ठिकानों पर मिसाइल और रॉकेट से करीब 150 हमले किए गए. इजरायल के एयर स्ट्राइक में अब तक 182 लोगों की मौत हो चुकी है. कम से कम 700 लोग जख्मी बताए जा रहे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से पहले इजरायल की ओर से लेबनान के लोगों के फोन पर रिकॉर्डेड मैसेज में अलर्ट भी भेजा गया था. रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल की एयर स्ट्राइक के बाद लेबनान ने सोमवार को सभी स्कूल और कॉलेजों को 2 दिन के लिए बंद कर दिया है मार्केट को भी बंद रखने का आदेश है. एहतिहातन लोगों को जहां तक संभव हो सके, अपने घरों में रहने की हिदायद दी गई है. इस बीच लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दक्षिणी लेबनान के सभी हॉस्पिटल को आदेश दिया है कि ऐसी सर्जरी को रद्द कर दिया जाए, जिन्हें तुरंत करना बहुत जरूरी न हो. ताकि इजरायली हमले में घायल लोगों को तुरंत इलाज मिले.

हिज्बुल्लाह ने की जवाबी कार्रवाई : एयर स्ट्राइक के बाद हिज्बुल्लाह ने भी इजरायल पर हमले किए हैं. हिज्बुल्लाह के मुताबिक, उनके लड़ाकों ने इजरायल के आर्म्स फैक्ट्री पर बमबारी की है. इजरायल की सेना आईडीएफ ने बताया कि एयर स्ट्राइक के बाद लेबनान की तरफ से 35 रॉकेट दागी गई हैं. हालांकि, इस हमले में इजरायल को कितना नुकसान हुआ है... इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है.

ईरान की सेना संचार उपकरणों का इस्तेमाल नहीं करेगी

लेबनान में इजरायल के एयर स्ट्राइक के बीच ईरान ने अपनी सेना रिवोल्यशूनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के सदस्यों को किसी भी तरह के कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल न करने को कहा है. न्यूज एजेंसी 'रॉयटर्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, आईआरजीसी अपने सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच भी कर रही है, ताकि किसी हमले से बचा जा सके.

शिया धर्मगुरु ने की इजरायल की बर्बरता को रोकने की अपील

लेबनान में इजराइल के हमलों के बीच इराक में शिया इस्लाम के सर्वोच्च गुरु ग्रैंड अयातुल्ला अली सिस्तानी ने इजरायली 'आक्रामकता' और 'बर्बरता' खत्म करने की अपील की. सिस्तानी ने कहा कि इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह आंदोलन को निशाना बनाया है. इस बर्बर आक्रामकता को खत्म करने और लेबनानी लोगों की रक्षा के लिए हमें हर संभव कोशिश करनी होगी.

लेबनान के नागरिकों को फोन पर भेजी थी वॉर्निंग

लेबनान के ऑफिशियल मीडिया के मुताबिक, एयर स्ट्राइक से पहले इजरायल ने लेबनान के लोगों के मोबाइल नंबर पर अलर्ट भेजा था. लोगों को जगह खाली करने को कहा गया था. इसके कुछ देर बाद ही हवाई हमले किए गए. इजरायल की तरह से मैसेज दिया गया कि हम लेबनान के नागरिकों को सलाह देते हैं कि वे अपनी हिफाजत के लिए खतरे वाले इलाके से तुरंत दूर चले जाएं. इजरायली सेना हिज्बुल्लाह के खिलाफ घातक हमले करने जा रही है. लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी ने कहा कि बेरुत और अन्य इलाकों में लोगों को लैंडलाइन टेलीफोन पर वॉर्निंग कॉल आई थी. ये एक रिकॉर्डेड मैसेज था, जो इजरायल की तरफ से भेजा गया था. दुश्मन देश ने एक तरह से साइकोलॉजिकल वॉर शुरू कर दी है. बेरुत के रहने वाले नागरिक खालिद ने बताया कि मुझे मोबाइल पर टेक्स्ट मैसेज आया था.

गाजा युद्ध में इजरायल के खिलाफ है हिज्बुल्लाह : दरअसल, इजरायल की मिलिट्री ने लेबनान के लोगों को अलर्ट भेजा था कि हिज्बुल्लाह के ठिकानों के आसपास के इलाकों से दूर हट जाएं और किसी महफूज जगह चले जाएं. क्योंकि, इजरायल जल्द बड़े स्तर पर आर्मी ऑपरेशन को अंजाम देने वाला है. गाजा में करीब एक साल से जारी जंग के बीच इजरायली मिलिट्री की तरफ से लेबनान के लोगों के लिए ये पहली ऑफिशियल वॉर्निंग थी. ये घटनाक्रम इजरायल-लेबनान सीमा पर चल रहे संघर्ष के नवीनतम विस्तार को दर्शाते हैं.

अब वह मोदी नहीं बचा, जिसकी 56 इंच की छाती थी: राहुल गांधी

- जेएंडके की चुनावी रैली में कहा - हमने मोहब्बत से नफरत को हराया

एजेंसियां। पुंछ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बड़ी चुनावी रैली की. इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी पर उन्होंने सीधा हमला बोला और कहा कि अब वह बदल चुके हैं. राहुल गांधी ने कहा कि आज वह नरेंद्र मोदी नहीं रह गए हैं, जो पहले हुआ करते थे. हमने उनको मनोवैज्ञानिक तौर पर खत्म कर दिया है. अब वह मोदी नहीं बचा है, जिसे आप लोग पहले देखा करते थे. उन्होंने कहा, जो पहले नरेंद्र मोदी थे, 56 इंच की छाती वाले. आपको उनका चेहरा दूर से दिखता है, मैं तो संसद में सामने रहता हूं. साफ दिखता है कि पहले जो नरेंद्र मोदी थे, आज वह नहीं बचा है. आज विपक्ष जो करवाना चाहता है, हम वह करवा लेते हैं. वे कोई कानून लाते हैं, तो हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं और फिर वे नया कानून लाते हैं. राहुल ने कहा कि इलेक्शन के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं तो बायोलॉजिकल नहीं हूं. मेरी सीधा कनेक्शन ऊपर है. मैं तो सीधे भगवान से बात करता हूं. लेकिन अब इंडिया गठबंधन ने नरेंद्र मोदी को मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ दिया है. लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, हमने यह काम नफरत से नहीं बल्कि मोहब्बत से किया है. हमने मोहब्बत के जरिए नफरत को हराया है.

हम दिलाएंगे आपको स्टेटहुड : उन्होंने कहा कि ऐसा बहुत बार हुआ है कि यूनियन टेरिटरी को राज्य बनाया गया. कई बार राज्यों का बंटवारा हुआ और एक से दो राज्य बने. मगर ऐसा पहली बार हुआ कि एक राज्य को यूनियन टेरिटरी बनाया गया. आप का जो हक है, वह आप से छीना गया है. भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है. एक स्टेट से कहा गया कि आप अब राज्य नहीं रहेंगे, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश होंगे. राहुल गांधी ने कहा, अगर ये (मोदी सरकार) आपको स्टेटहुड वापस नहीं देंगे तो ये मेरी गारंटी है, हम आपको स्टेटहुड वापस ला कर देंगे. हिन्दुस्तान के इतिहास में किसी राज्य को यूटी में नहीं बदला गया था. पहली बार स्टेट को यूटी में बदलकर आपका हक छीना गया है.

सिर्फ नफरत फैलाते हैं मोदी व भाजपा के लोग

राहुल ने कहा, जहां भी प्रधानमंत्री और भाजपा के लोग जाते हैं, वे सिर्फ नफरत फैलाते हैं. नफरत का जवाब नफरत से नहीं, मोहब्बत से दिया जाता है. नफरत को मोहब्बत ही काट सकती है. ये आपका इतिहास है और आपका कल्चर है. राहुल ने कहा, जहां भी भाजपा के लोगों ने नफरत का बाजार खोला था, उसके अंदर जाकर हमने मोहब्बत की दुकान खोली है. राहुल ने कहा, ये (पीएम मोदी) मन की बात करते हैं, लेकिन काम की बातें करनी इन्हें नहीं आती हैं. ये मन की बात करते रहते हैं, लेकिन उनके मन की बात सुनने वाला कोई नहीं है.

तमिलनाडु के राज्यपाल बोले-भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं

- कांग्रेस नेता मणिकम ने बयान को बताया संविधान के साथ गांधी, अंबेडकर, नेहरू व पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने रविवार को कथित तौर पर कहा था कि भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं है. उनके इस बयान पर सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद मणिकम टैगोर ने आलोचना की है.

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि धर्मनिरपेक्षता पर तमिलनाडु के राज्यपाल का बयान अस्वीकार्य है. यह भारत के संविधान और महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ है. उन्होंने कहा कि विदेशों में धर्मनिरपेक्षता का विचार भले ही अलग हो, लेकिन भारत में हम सभी अन्य धर्मों का सम्मान करते हैं, हम सभी अन्य परंपराओं का सम्मान करते हैं. हम सभी अन्य प्रथाओं का सम्मान करते हैं और यही भारत में धर्मनिरपेक्षता का विचार है. भाजपा और अन्य संबद्ध संगठन भारत में धर्मनिरपेक्षता के इस विचार के खिलाफ हैं.

क्या कहा था राज्यपाल रवि ने

रवि ने रविवार को कन्याकुमारी में एक समारोह में कहा था कि इस देश के लोगों के साथ बहुत धोखाधड़ी हुई है और उनमें से एक यह है कि उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या करने की कोशिश की है. राज्यपाल ने कहा था, "धर्मनिरपेक्षता का क्या मतलब है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा (कॉन्सेप्ट) है. यह भारतीय अवधारणा नहीं है. यूरोप में, धर्मनिरपेक्षता इसलिए आई क्योंकि चर्च और राजा के बीच लड़ाई हुई थी... भारत 'धर्म' से दूर कैसे हो सकता है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है और इसे वहीं रहने दें. भारत में, धर्मनिरपेक्षता की आवश्यकता नहीं है.

पीएम मोदी ने गाजा संकट पर जताई गहरी चिंता

- राष्ट्रपति अब्बास से मुलाकात में इजरायल-फिलिस्तीन के मुद्दे पर भारत की समय-परीक्षित सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया

एजेंसी। न्यूयॉर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की. पीएम ने अब्बास के साथ बैठक के दौरान गाजा में उभर रहे मानवीय संकट और क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है. पीएम मोदी ने फिलिस्तीन के लोगों को निरंतर मानवीय सहायता समेत भारत के अटूट समर्थन की भी पुष्टि की. उन्होंने इजरायल-फिलिस्तीन के मुद्दे पर भारत की समय-परीक्षित सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया. उन्होंने युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया.

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि केवल दो-राष्ट्र समाधान ही इस क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता प्रदान करेगा. उन्होंने याद दिलाया कि भारत फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता के लिए भारत के निरंतर समर्थन की बात कही. दोनों नेताओं ने भारत-फिलिस्तीन द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन को भारत का समर्थन तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षमता निर्माण प्रयासों के क्षेत्र में फिलिस्तीन को जारी सहायता और समर्थन शामिल था. दोनों नेताओं ने भारत-फिलिस्तीन द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की.

पीएम मोदी की कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ अहम मुद्दों पर हुई बात

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूयॉर्क में भारतीय लोगों को संबोधित करने के बाद कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और ऐतिहासिक संबंधों तथा लोगों के बीच मजबूत संपर्क को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की. नेताओं ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत-कुवैत ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जरूरतों के संबंध में एक-दूसरे को सहयोग दे रहे हैं. विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय संबंधों को गहरा और विविधतापूर्ण बनाने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की.

पुनर्जागरण के नए युग की शुरुआत श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने ली शपथ, कहा

भारत निश्चित रूप से हमारा अहम पड़ोसी होने के साथ एक महाशक्ति

एजेंसी। कोलंबो

अनुरा कुमारा दिसानायके ने सोमवार की सुबह श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली. दिसानायके पर अब देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और भ्रष्टाचार खत्म करने की बड़ी जिम्मेदारी है. देश के प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने राष्ट्रपति सचिवालय में दिसानायके (55) को शपथ दिलाई.

पद की शपथ लेने के बाद दिसानायके ने कहा कि वे देश के भीतर पुनर्जागरण के नए युग की शुरुआत करने की हर संभव कोशिश करेंगे. श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को वोट डाले गए थे. रविवार को श्रीलंका में आए चुनाव परिणाम में जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) पार्टी के नेता और नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के कैंडिडेट दिसानायके को विजेता घोषित किया गया. दिसानायके ने अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के साजिथ प्रेमदासा को पराजित किया. यह देश में आर्थिक संकट के कारण 2022 में हुए व्यापक जन आंदोलन के बाद पहला चुनाव है. दिसानायके ने चुनाव जीतने के बाद पहली बार देश को संबोधित करते हुए जनादेश का सम्मान करने और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे का आभार जताया. दिसानायके और उनकी पार्टी का झुकाव चीन की तरफ माना जाता है, फिलहाल शुरुआती बयान भारत के पक्ष में देखने को मिले हैं. दिसानायके की पार्टी की तरफ से कहा गया है कि उनका देश किसी भी तरह के भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में नहीं उलझेगा, इसके साथ ही वह अपने देश को दूसरे किसी देश के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देंगे. दिसानायके के प्रवक्ता बिमल रत्नायके ने एक बयान में कहा कि श्रीलंकाई क्षेत्र का इस्तेमाल किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं किया जाएगा. एनपीपी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य प्रोफेसर अनिल जयंती ने कहा कि भारत निश्चित रूप से हमारा अहम पड़ोसी और महाशक्ति है. भारत का अपना एक महत्व है. हिंद महासागर में श्रीलंका की रणनीतिक स्थिति ने उसकी भूराजनीतिक प्रासंगिकता को बढ़ाया है.

श्रीलंका के विपक्ष ने क्या कहा

दिसानायके के शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने देश में सत्ता हस्तांतरण के तहत अपने पद से इस्तीफा दे दिया. गुणवर्धने (75) जुलाई 2022 से इस श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद पर काबिज थे. गुणवर्धने ने दिसानायके को संबोधित कर लिखे पत्र में कहा कि वह नया राष्ट्रपति निर्वाचित होने के कारण पद से इस्तीफा दे रहे हैं और वह नए मंत्रिमंडल के गठन के अनुकूल माहौल बनाएंगे. चुनाव के दौरान दिसानायके के भ्रष्टाचार विरोधी संदेश और राजनीतिक संस्कृति बदलने के वादे ने युवा मतदाताओं को आकर्षित किया, जो आर्थिक संकट के बाद से राजनीतिक व्यवस्था बदलने की मांग करते रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया सरकार गाजा के लिए देगी अतिरिक्त मानवीय सहायता

- सरकार ने की 6.8 मिलियन यूएस डॉलर और देने की घोषणा

एजेंसी। कैनबरा

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने गाजा के लिए अतिरिक्त मानवीय सहायता की घोषणा की है. विदेश मंत्री पेनी वोंग और इंटरनेशनल डेवलपमेंट एंड पैसिफिक मंत्री पैट कॉनरॉय ने सोमवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया गाजा में चल रहे मानवीय संकट के जवाब में अतिरिक्त 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) प्रदान करेगा.

मंत्रियों ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि यह धनराशि यूनिसेफ और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) को दी जाएगी. इसमें महिलाओं और लड़कियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए न्यूट्रिशन सपोर्ट और हाइजीन एंड डिग्निटी किट सहित जीवन रक्षक मदद प्रदान की जाएगी. वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की मदद पोषण और स्वच्छता एवं स्वास्थ्य उत्पादों की आपूर्ति के जरिए गंभीर मानवीय स्थिति से निपटने में मदद करेगी. विदेश मंत्री ने कहा कि नागरिकों तक जल्द, सुरक्षित और बिना रुकावट मानवीय राहत पहुंचनी चाहिए. सहायता कर्मियों को सुरक्षा मिलनी चाहिए ताकि वे अपना काम जारी रख सके. वोंग ने आगे कहा कि हम युद्ध विराम, नागरिकों की सुरक्षा और बंधकों की रिहाई के लिए दबाव बनाना जारी रखेंगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)